नई दिल्ली ■ रविवार, 01 अक्टूबर 2023 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 11 ■ अंक 181 ■ पृष्ठ 12

JBT जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून एवं करनाल से प्रकाशित

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

04 गांधी विश्व सभ्यता के विरल नायक | 11 स्क्वैश में भारत ने लगाया गोल्डन शॉट | रिया और राहुल की दिखेगी हॉट केमिस्ट्री 10

बिलासपुर की धरती से प्रधानमंत्री ने बघेल सरकार पर साधा निशाना

महिलाओं को जाति के आधार पर बांट रही है कांग्रेस: मोदी

बिलासपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिला आरक्षण में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की महिलाओं के लिए आरक्षण की मांग कर रही कांग्रेस पर एक बार फिर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस महिलाओं को जाति के आधार पर विभाजित करने की नयी चालें चल रही है।

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर शहर में भारतीय जनता पार्टी की महासंकल्प परिवर्तन रैली में मोदी ने कहा कि मैंने आपको दी गई गारंटी पूरी कर दी है। इससे लोकसभा, विधानसभा में बहनों के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित हो जाएंगी। भाजपा सरकार में नारी शक्ति वंदन अधिनियम अब सच्चाई बन चुका है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी ने हस्ताक्षर कर दिया है। यह अधिनियम अब कानून बन गया है।

उन्होंने कहा कि मोदी जो गारंटी देता है, वह पूरी करता है लेकिन आपको खासकर माता-बहनों को बहुत सतर्क रहना होगा। यह कानून 30 साल से लटका हुआ था। सरकार आईं और गईं, राजनीतिक दल नाटक करते रहे लेकिन काम नहीं किया। कांग्रेस और इसके घमंडिया साथियों को लग रहा है कि

मोदी ने क्या कर दिया। वह गुस्से से भरे हुए हैं। उनको लगता है कि यह सभी माताएं, बहनें मोदी को ही आशीर्वाद देंगी। उनकी नींद हराम हो गई है, इसलिए डर के कारण नए-नए खेल रहे हैं। ये चाहते हैं कि माता-बहनें संगठित ना हों। जातिवाद में उनको तोड़ा जाए इसलिए भांति-भांति के तर्क देकर विभाजन कर दिया जाए, झूठ फैला दिया जाए। मोदी ने बघेल सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि राज्य में जमकर भ्रष्टाचार हुआ है। छत्तीसगढ़ में परिवर्तन तय है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार केन्द्र की योजनाओं को लागू नहीं करती, जिससे जनता को परेशानी होती है।

सरकार आने पर पक्के घर मुहैया कराने का वादा

मोदी ने वादा किया कि यदि भाजपा छत्तीसगढ़ में सत्ता में आई तो मंत्रिमंडल का पहला फैसला आवास आवंटन में तेजी लाकर हर गरीब को पक्का घर दिलाना होगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में जब तक रमन सिंह की सरकार (2003 से 2018) थी, तब यहां भी हम तेजी से गरीबों के घर बना रहे थे। हालांकि कांग्रेस सरकार बनी तो वह उसमें कट करने के तरीके खोजने लगे लेकिन मोदी ने ऐसा काम कर दिया कि पैसा सीधा खातों में जाता है।

राजद नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी के बयान पर बवाल, माफी मांगी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जनता दल के नेता अब्दुल बारी सिद्दीकी ने विवादित बयान देते हुए कहा कि महिलाओं के आरक्षण के नाम पर लिपस्टिक और बॉब कट वाली औरतें नौकरी में चली आएंगी तो ओबीसी महिलाओं को हक कब मिलेगा। हालांकि विवाद बढ़ने पर उन्होंने माफी मांग ली।

भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कहा कि राजद नेता के शर्मनाक बयान पर आईएनडीआई गठबंधन या कांग्रेस पार्टी के किसी भी नेता ने इस बयान की निंदा नहीं की, इसका मतलब है कि वे इससे सहमत हैं। बाद में सिद्दीकी ने अपने बयान पर माफी मांगते हुए कहा कि उस रैली में सैकड़ों ग्रामीण महिलाएं थीं, मैंने उन्हें उनकी भाषा में समझाने के लिए वह बात कही थी। मेरा इरादा ठेस पहुंचाना नहीं था। अगर किसी को ठेस पहुंची है तो मैं खेद जताता हूं।

भारत ने पाकिस्तान को एक ही दिन में दो बार दी पटकनी

भारत ने शनिवार को एशियाई गेम्स में पाकिस्तान की टीमों को एक ही दिन के अंदर दो बार हराया। पहले स्क्वाश में भारत ने पाकिस्तान को हराकर आठ साल बाद स्वर्ण पदक जीता। उसके बाद हॉकी में हरमनप्रीत सिंह की अगुआई में टीम इंडिया ने पाकिस्तान को 10-2 से बड़ी मात दी।

10-2 से हराया भारत ने हॉकी मैच में पाकिस्तान की टीम को

66 साल में हॉकी में भारत की पाक पर यह सबसे बड़ी जीत

10 गोल पहली बार भारत-पाक हॉकी में किसी टीम ने दागे

2017 वर्ल्ड लीग में भारत ने पाक को 7-1 से मात दी थी

- भारत ने एशियाई गेम्स के सातवें दिन शनिवार को दो गोल्ड मेडल समेत कुल छह पदक जीते।
- टूर्नामेंट में भारत के अब 38 पदक हो गए हैं जिसमें 10 स्वर्ण, 14 रजत और 14 कांस्य पदक शामिल हैं।
- भारत अंक तालिका में मजबूती से चौथे नंबर पर डटा हुआ है।

मानसून का मौसम खत्म हुआ, देश में इस साल 'सामान्य' बारिश

नई दिल्ली। इस साल का मानसून सीजन खत्म हो गया है। आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने बताया कि चार महीने के इस मौसम में देश में 'सामान्य' बारिश हुई। लंबे समय तक बारिश का औसत 868.6 मिमी रहा है लेकिन इस बार यह आंकड़ा 820 मिमी का रहा। सकारात्मक कारकों के बावजूद अल नीनो मानसून की बारिश को बहुत अधिक प्रभावित नहीं कर सका। उन्होंने बताया कि उप-विभागीय क्षेत्र के 73 प्रतिशत हिस्से में सामान्य वर्षा दर्ज की गई जबकि 18 प्रतिशत में कम बारिश देखी गई। उत्तर पश्चिम भारत में लंबी अवधि के औसत 587.6 मिमी के मुकाबले 593 मिमी बारिश दर्ज की गई। मध्य भारत में 981.7 मिमी रही।

दिल्ली में छिपे ISIS के तीन आतंकी, NIA की छापेमारी

नई दिल्ली। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) को शक है कि आईएसआईएस के तीन आतंकी राजधानी दिल्ली में छिपे हुए हैं। इनकी तलाश में ताबड़तोड़ छापेमारी की जा रही है। एनआईए की टीम और पुणे पुलिस मिलकर सेंट्रल दिल्ली इलाके में रेड कर चुकी है लेकिन अभी तक आतंकियों का कोई सुराग नहीं मिला है।

एनआईए तीन आतंकवादियों की तस्वीरें भी जारी की हैं। इनके नाम मोहम्मद शाहनवाज आलम उर्फ शैफी उज्जमा उर्फ अब्दुल्ला, रिजवान अब्दुल हाजी अली और अब्दुल्लाह फयाज शैख बताए गए हैं। एनआईए की यह छापेमारी इसलिए भी अहम है क्योंकि एजेंसी ने खालिस्तानी समर्थकों के खिलाफ भी एजेंसी ने अभियान चला रखा है। एजेंसी ने पिछले दिनों

पंजाब, हरियाणा, एनसीआर, उत्तराखंड, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में कई जगहों पर छापेमारी की है। इससे पहले एनआईए ने बुधवार को आतंकवादियों, गैंगस्टरों और मादक पदार्थ के तस्करों के गठजोड़ पर कई राज्यों में व्यापक कार्रवाई की थी और कई संदिग्धों को हिरासत में लिया था। इस दौरान 53 स्थानों पर छापेमारी की गई थी जिसमें स्थानीय पुलिस ने भी आवश्यक सहायता प्रदान की थी।

योगीराज में हत्या की वारदातें नौ प्रतिशत घटीं, डकैती में 16 प्रतिशत की कमी आई

लखनऊ। योगीराज में पिछले छह वर्षों में जघन्य अपराध हत्या, लूट, डकैती और बलात्कार के मामलों में काफी कमी दर्ज की गयी है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक हत्या में नौ प्रतिशत, डकैती में 16 फीसद एवं लूट के मामलों में 24.61 प्रतिशत की कमी आयी है। वहीं बलात्कार के मामलों में तेजी से कार्रवाई की गई।

हाल ही में कानून व्यवस्था की हाई लेवल मीटिंग में यूपी पुलिस के उच्च अधिकारियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष पिछले आठ माह की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि प्रदेश में पिछले 06 वर्षों में जघन्य अपराध हत्या, लूट, डकैती और बलात्कार के मामलों में काफी कमी दर्ज की गयी है। बैठक में इन मामलों में ताबड़तोड़

टॉप फाइव और बॉटम के पांच जिलों की रिपोर्ट में हुआ खुलासा

कार्रवाई करने और लगाम लगाने वाले टॉप फाइव और बॉटम के पांच जिलों की रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खराब प्रदर्शन करने वाले जिलों के अधिकारियों को सुधार लाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि अगले माह की बैठक में उनकी रिपोर्ट संतोषजनक नहीं मिली तो एक्शन लिया जाएगा। राज्य सरकार के प्रवक्ता के मुताबिक उत्तर प्रदेश में पिछले आठ माह में हत्या के 1921 अभियोग पंजीकृत किये गये, जिसमें से 1322 में आरोप पत्र एवं 90 में अन्तिम रिपोर्ट लगायी वहीं 509 विवेचनाधीन हैं। पिछले 06 वर्षों में प्रदेश में हत्या में 9.02 प्रतिशत की कमी आयी है। हत्या के मामलों में ताबड़तोड़ कार्रवाई करने वालों में अमरोहा, झांसी, जालौन और हरदोई शामिल हैं जबकि चंदौली, औरेया, ललितपुर और बांदा का प्रदर्शन खराब रहा है। दूसरी ओर डकैती में 16.22 प्रतिशत की कमी आयी है। लूट के मामलों में 24.61 प्रतिशत की कमी आयी है। प्रदेश में लूट के 789 अभियोग पंजीकृत किये गये, जिसमें से 589 में आरोप पत्र एवं 20 में अन्तिम रिपोर्ट लगायी।

जनसंहार का हथियार बन गया है सोशल मीडिया : बंबई हाईकोर्ट जज

पणजी। बंबई हाईकोर्ट की गोवा पीठ के जज महेश सोनक ने कहा है कि सोशल मीडिया या मास मीडिया जनसंहार का हथियार बन गया है और इनसे निपटने को अब तक कोई समन्वित कोशिश नहीं की गई है।

जस्टिस सोनक ने जीआर कारे कॉलेज ऑफ लॉ में व्याख्यान देते हुए कहा कि हम ऐसे युग में रहते हैं, जहां हम कंप्यूटर और स्मार्टफोन जैसी सोचने वाली मशीनों को पसंद करते हैं और उनका महिमामंडन करते हैं। लेकिन हम उन व्यक्तियों पर बेहद संदेह करते हैं या उनसे सावधान भी रहते हैं, जो सोचने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता की अपनी खूबियां हैं, लेकिन यदि हम

अपनी सोचने की क्षमता, बुद्धि और संवेदनशील विकल्प चुनने की क्षमता को किसी मशीन या एल्गोरिदम के पास गिरवी रख दें, चाहे वह कितना भी बुद्धिमान क्यों न हो तो यह दुखद होगा। कुछ दशक पहले दुनिया जनसंहारक हथियारों के खिलाफ लड़ रही थी। आज सोशल मीडिया या मास मीडिया ध्यान भटकाने वाले हथियार बन गए हैं।

संक्षिप्त खबरें

पंजाब में किसानों का रेल रोको आंदोलन खत्म, ट्रैफिक सामान्य

चंडीगढ़। पंजाब में फसलों का मुआवजा, एमएसपी और कर्ज माफी के मुद्दे को लेकर पिछले तीन दिन से चल रहा किसानों का रेल रोको आंदोलन शनिवार की शाम समाप्त हो गया। किसानों ने रेलवे ट्रैक व टोल प्लाजा खाली कर दिए हैं। अब प्रदेश में रविवार तक रेल यातायात सामान्य होने की उम्मीद है। पंजाब के 19 किसान संगठन पिछले तीन दिनों से पंजाब में 21 स्थानों पर रेलवे ट्रैक पर कब्जा करके बैठे हुए थे। शुक्रवार को किसान संगठनों ने रेलवे ट्रैक के साथ-साथ टोल प्लाजा पर भी धरना शुरू कर दिया था। इस आंदोलन के कारण 263 से ज्यादा ट्रेनें प्रभावित हुईं।

कश्मीर में पाकिस्तान से घुसपैठ करते दो आतंकी ढेर, गोला-बारूद बरामद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में शनिवार को नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए सुरक्षा बलों ने भारी हथियारों से लैस दो आतंकवादियों को मार गिराया। पुलिस ने बताया कि घुसपैठ की कोशिश उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के माछिल सेक्टर के कुमकाडी इलाके में हुई। आतंकियों ने सुरक्षा बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। जवाबी कार्रवाई में दोनों ढेर हो गए। उनके पास से दो एके राइफल, चार एके मैगजीन, पाकिस्तान में बनी एक पिस्तौल, 90 कारतूस, एक थैली, 2,100 रुपये मूल्य और गोला-बारूद मिला है।

निवेश के नाम पर 854 करोड़ की धोखाधड़ी कर डाली, छह गिरफ्तार

बेंगलुरु। बेंगलुरु पुलिस ने 854 करोड़ रुपये के साइबर धोखाधड़ी घोटाले का पर्दाफाश किया है। इस सिलसिले में छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इन पर निवेश योजना की आड़ में देशभर से हजारों लोगों को ठगने का आरोप है। सभी आरोपी बेंगलुरु के रहने वाले हैं। घोटाले के सूत्रधार तीन आरोपियों की तलाश जारी है। ये लोगों को व्हाट्सएप और टेलीग्राम के जरिये फंसाकर शुरू में 1,000 रुपये से 10,000 रुपये तक निवेश करने को कहते थे और रोजाना एक से पांच हजार का मुनाफा होने का झांसा देते थे। हजारों लोगों ने एक लाख से लेकर 10 लाख रुपये तक लगाए थे और लुट गए थे।

उपराष्ट्रपति ने इशारों में सीएम गहलोत पर किया पलटवार

पटना। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के बार-बार राजस्थान आने पर सीएम अशोक गहलोत के सवाल उठाने के बाद अब उपराष्ट्रपति ने इशारों में पलटवार किया है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह चिंतन, मंथन और चिंता का विषय है कि कुछ लोग राजनीतिक चश्मा पहनकर संवैधानिक संस्थाओं पर अमर्यादित टिप्पणियां करते हैं, उनको ऐसा नहीं करना चाहिए। ये सा आचरण हमारी सांस्कृतिक धरोहर के विपरीत है। ऐसा जो भी कर रहे हैं, जाने अनजाने में देश का बड़ा अहित कर रहे हैं।

यहां नालंदा यूनिवर्सिटी के कार्यक्रम में धनखड़ ने कहा कि जो व्यक्ति जितने बड़े पद पर है उसका आचरण उतना ही मर्यादित होना चाहिए। राजनीतिक फायदा उठाने के लिए कोई

भी टिप्पणी करना अच्छी बात नहीं है। बता दें कि मुख्यमंत्री गहलोत ने कहा था कि पहले पीएम आए और अब उपराष्ट्रपति अप-डाउन कर रहे हैं। गवर्नर साहब हों या उपराष्ट्रपति, हम सम्मान करते हैं। बार-बार सुबह-शाम आ रहे हैं। इसका कोई तुक नहीं है।

2000 के नोट अब 7 अक्टूबर तक बदल सकेंगे, समयसीमा बढ़ी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 2000 के नोट को बैंकों में जमा करने या दूसरे नोटों से बदलने की अंतिम तारीख 7 अक्टूबर तक बढ़ा दी है। नोट बदलने की आखिरी तारीख 30 सितंबर को आरबीआई ने एक सर्कुलर में बताया कि ये नोट सात अक्टूबर के बाद भी वैध मुद्रा बने रहेंगे, लेकिन इन्हें केवल आरबीआई कार्यालयों में ही बदला जा सकेगा। आरबीआई ने बताया कि 19 मई से 29 सितंबर तक कुल 3.42 लाख करोड़ रुपये के 2,000 रुपये के नोट वापस आए हैं। बदले नोट इस मूल्य वर्ग में कुल प्रचलित मुद्रा का 96 प्रतिशत है।

आपदा प्रभावित हिमाचल को 4500 करोड़ रुपये के राहत पैकेज का ऐलान

दिल्ली के एलजी ने 10 करोड़ दिए

शिमला। हिमाचल प्रदेश सरकार ने राज्य में आई आपदा से निपटने के लिए शनिवार को 4500 करोड़ रुपये के आपदा राहत पैकेज का ऐलान किया। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने शनिवार को शिमला में बताया कि इसमें आपदा प्रभावितों के लिए 3500 करोड़ रुपये का पुनरुत्थान एवं पुनर्वास पैकेज रहेगा। इसके अलावा 1000 करोड़ एमएलए फंड और मनरेगा के तहत डंगे लगाने पर खर्च किये जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि यह सारा खर्च राज्य सरकार अपने बजट से करेगी और इसमें केंद्र सरकार की धनराशि शामिल नहीं है। उन्होंने कहा कि इस पैकेज के तहत हर काम के लिए आय की सीमा खत्म कर दी गई है। आपदा से प्रभावित भूमिहीन लोगों को घर बनाने के लिए दो बिस्वा शहरी क्षेत्र में और तीन बिस्वा जमीन ग्रामीण क्षेत्र में दी जाएगी।

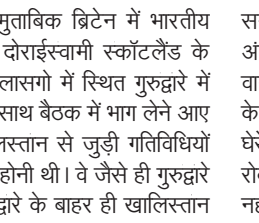

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने दिल्ली राहत कोष से 10 करोड़ रुपये का योगदान हिमाचल राहत कोष में देने की मंजूरी दी। राजनिवास के मुताबिक यह राशि पहाड़ी राज्य में बाढ़ एवं भूस्खलन से प्रभावित लोगों के पुनर्वास कार्य में मदद के लिए दी जा रही है। इससे पहले, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने हिमाचल में पुनर्वास व राहत कार्यों के लिए 10 करोड़ रुपये देने की घोषणा की थी।

अमेरिका में बोले जयशंकर- कनाडा में आतंकवाद, उग्रवाद और हिंसा का बोलबाला

वाशिंगटन। भारत के विदेशमंत्री डॉ. एस जयशंकर ने अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान शुक्रवार को वाशिंगटन डीसी में आतंकवाद के मुददे पर कनाडा को आईना दिखाया।

विदेश मंत्री ने खचाखच भरे संवाददाता सम्मेलन में कनाडा को खरी-खरी सुनाई। उन्होंने कनाडा में खालिस्तानी आतंकवादी निज्जर हत्याकांड पर मचे राजनयिक और कूटनीतिक घमासान पर कहा कि पिछले कुछ बरसों से कनाडा में आतंकवाद, उग्रवाद और हिंसा का बोलबाला है, इसलिए खटास है। कनाडा के साथ मौजूदा तनाव को

गतिरोध नहीं कहा जा सकता। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि मैं इसे गतिरोध कहूं या नहीं। क्योंकि कनाडा ने इस बार आरोप ही कुछ ऐसे लगाए हैं। हमने उनसे कहा है कि भारत सरकार की यह नीति नहीं है। अगर कनाडा हमारे साथ कुछ भी संबंधित जानकारी साझा करता है तो हम इस पर विचार करने के लिए तैयार हैं। जयशंकर ने साफ कहा कि कनाडाई पक्ष ने हमारे लिए चीजें काफी मुश्किल बना दी हैं। कनाडा में हमारे राजनयिकों को धमकाया जा रहा है। वह अपना काम तक नहीं कर पा रहे हैं। महत्वपूर्ण यह है कि कनाडा अब तक आतंकी निज्जर की हत्या से संबंधित किसी भी दावे का साक्ष्य पेश नहीं कर सका है। उन्होंने कहा कि आज कनाडा में हिंसा का माहौल है। डराया-धमकाया जा रहा है। हमारे मिशन पर हमले हो रहे हैं।

'जिसकी मौत पर हायतौबा, वह आतंकी था'

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि जिसकी मौत पर कनाडा हाय तौबा मचा रहा है, वह भारत में हिंसा और अवैध गतिविधियों में शामिल रहा है। कनाडा की सरकार ने निज्जर के बारे में सब कुछ जानते हुए भी उसके प्रत्यर्पण अनुरोध का कभी कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि भारत असल में कनाडा के लिए वीजा निलंबित करना पंसद नहीं करता है। लेकिन कनाडा की हठधर्मिता के कारण हमें ऐसा करना पड़ा।

भारतीय उच्चायुक्त को खालिस्तान समर्थकों ने गुरुद्वारे में जाने से रोका

एडिनबर्ग। खालिस्तान समर्थकों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। कनाडा में अराजक माहौल बनाने के बाद अब स्कॉटलैंड के ग्लास्को में खालिस्तान समर्थकों ने ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त को गुरुद्वारे में जाने से रोक दिया। वहीं भारत ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए ब्रिटिश विदेश मंत्रालय व पुलिस के सामने यह मसला उठाया है। वहीं ब्रिटेन ने भारत को अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

जानकारी के मुताबिक ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोराईस्वामी स्कॉटलैंड के सबसे बड़े शहर ग्लासगो में स्थित गुरुद्वारे में गुरुद्वारा समिति के साथ बैठक में भाग लेने आए थे। बैठक में खालिस्तान से जुड़ी गतिविधियों को लेकर भी चर्चा होनी थी। वे जैसे ही गुरुद्वारे के पास पहुंचे, गुरुद्वारे के बाहर ही खालिस्तान

समर्थकों ने उनकी कार को घेर लिया और अंदर नहीं जाने दिया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में खालिस्तान समर्थक गुरुद्वारे के बाहर भारतीय उच्चायुक्त दोराईस्वामी को घेरे दिख रहे हैं और उन्हें गुरुद्वारे में जाने से रोका जा रहा है। दोराईस्वामी ने कोई बहस नहीं की और वे वहां से चले गए।

2 अक्टूबर को गांधी जयंती पर होगा कई भव्य कार्यक्रमों का आयोजन

अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने की गांधी जयंती समारोह को लेकर बैठक

❖ जनभावना टाइम्स

ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर स्थित जिलाधिकारी कार्यालय पर 2 अक्टूबर को आयोजन होने वाली गांधी जयंती समारोह की तैयारियों को लेकर अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ. नितिन मदान ने एक बैठक की। इस बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ. नितिन मदान ने संबंधित अधिकारियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए गए।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ. नितिन मदान ने बताया कि आगामी 2 अक्टूबर को 154वें गांधी जयंती समारोह का आयोजन किया जाएगा। गांधी जयंती समारोह के अवसर पर सभी राजकीय भवनों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा। इसके अलावा सभी कार्यालयों, विद्यालय और शैक्षिक संस्थानों में सुबह 9 बजे महात्मा गांधी जी के चित्र का अनावरण और माल्यार्पण किया जाएगा। उसके बाद गांधी जी के जीवन संघर्ष, उनके देश सेवा और उनके जीवन मूल्य पर प्रकाश डाला जाएगा। आगामी 2 अक्टूबर को आयोजित होने वाली गांधी जयंती समारोह को लेकर सभी के द्वारा समय रहते अपनी सभी तैयारियां मानकों के अनुरूप पूर्ण कर ली जाए।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ. नितिन मदान ने बताया कि सभी के द्वारा अपने-अपने कार्यालय में भी गांधी जयंती समारोह का आयोजन करते हुए अधिक से अधिक जनमानस की सहभागिता दर्ज कराते हुए सबको राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के आदर्शों और सिद्धांतों के संबंध में विस्तार से जानकारी उपलब्ध कराई जाए।

उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशों के क्रम में आगामी एक अक्टूबर को सुबह 10 से 11 बजे तक सभी कार्यालय में अधिकारी और कर्मचारी समय से उपस्थित होकर श्रमदान करेंगे। इस मौके पर उप जिलाधिकारी चारुल यादव, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. धर्मवीर सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी पूनम तिवारी और मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी अक्षय गोयल समेत सभी अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

दिनदहाड़े हुई डकैती का 24 घंटे के अंदर पर्दाफाश, दो गिरफ्तार

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। शाहदरा जिले की स्पेशल स्टाफ टीम ने एक महिला वरिष्ठ नागरिक के साथ दिनदहाड़े डकैती के एक अंधे और सनसनीखेज मामले का 24 घंटे के अंदर पर्दाफाश करते हुए दो खूंखार लुटेरों को पकड़ा लिया है। आरोपियों के कब्जे से एक देश निर्मित पिस्तौल 2 जिंदा कारतूस के साथ अपराध आयोग में प्रयुक्त एक चोरी हुई मोटरसाइकिल बरामद किए है। आरोपी पहले के 2 दर्जन से अधिक मामलों में शामिल रहे है।

शाहदरा जिले की डीसीपी रोहित मीना ने बताया कि 28 सितंबर को एच.नं. पर एक सोने की चेन और एक मोबाइल फोन की लूट के संबंध में एक पीसीआर कॉल मिली। पीड़ित ने बताया कि अचानक पीछे से दो लड़के आए और उसके घर में घुस गए। उन्होंने उसे हथियार दिखाया और सोने की चेन से उसका गला घोंटने की कोशिश की उन्होंने उसकी चेन और मोबाइल फोन लूट लिया। इसके बाद वे मौके से भाग गए तदनुसार थाना विवेक विहार में मामला दर्ज कर एक टीम का गठन किया गया। टीम ने अपराध स्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज का सूक्ष्मता से विश्लेषण किया और दो लोगों को देखा गया जो पीड़ित को लूटकर बाइक पर भाग गए थे। टीम ने 38 किलोमीटर के दायरे में 100 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे चेक कर आरोपी व्यक्तियों की पहचान स्थापित करने में सफल रही। जानकारी के अनुसार टीम ने जाल बिछा कर 24 घंटे से कम समय में आरोपी वसीम को शास्त्री पार्क तथा जिशान को झुग्गी, आयरन ब्रिज, गांधी नगर के पास से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने लूटपाट की घटना में शामिल होने का खुलासा किया। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस आगे की कार्यवाही कर रही है।

डीसीपी ने लैंगिक उत्पीड़न को लेकर किया जागरूक

❖ जनभावना टाइम्स

नोएडा। सेक्टर 108 स्थित पुलिस कमिश्नरेट कार्यालय में महिलाओं के कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम 2013 के प्रावधानों/नियमों के संबंध में महिला और पुलिस कर्मचारियों के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

यह जागरूकता कार्यक्रम डीसीपी महिला सुरक्षा के नेतृत्व में आयोजित किया गया। पुलिस विभाग के अधिकारियों ने इस दौरान कहा कि कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ असभ्य बातें और धमकी देना, कार्यस्थल को दखलंदाजी युक्त और डरावना बनाना, उपभोक्ताओं से गलत व्यवहार करना उत्पीड़न के दायरे में आता हैं। किसी भी प्रकार से इस प्रकार का माहौल उत्पन्न नहीं करना चाहिए।

महिला कर्मी को किसी प्रकार से मानहानि, डर और संकोच में रहकर कार्य करना पडे। कार्यस्थलों को वातावरण अशोभनीय बातों से मुक्त और शालीनता से भरपूर होना चाहिए। सभी महिला और पुरुष कर्मचारियों को एक समान रहना चाहिए।

स्वस्थ जीवनशैली के लिए मोटे अनाजों को खान-पान में शामिल करें: आतिशी

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली की महिला एवं बाल विकास मंत्री आतिशी ने आज कहा कि कुपोषण को ख़त्म करने के लिए लोगों को अपने भोजन में ज्वार-बाजरा आधारित मोटे अनाजों को शामिल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत में सदियों तक भोजन में बाजरा और ज्वार जैसे मोटे अनाज खाने की संस्कृति रही लेकिन अब प्रोसेस्ड खाने ने इसकी जगह ले ली है, जिसके कारण लोगों को सही पोषण नहीं मिल पाता है।

आतिशी निर्मल छाया काम्प्लेक्स, जेल रोड में शनिवार को 'पोषण माह' के समापन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि कुपोषण के ख़िलाफ़ जंग में दिल्ली सरकार अपनी आंगनवाड़ियों को सशक्त बना रही है। इस दिशा में पोषण माह के अन्तर्गत पिछले एक महीने में सरकार की आंगनवाड़ी वर्कर्स ने दिल्ली में लाखों परिवारों को ख़ान-पान संबंधित अच्छी आदतों को विकसित करने को लेकर जागरूक किया है और लोगों को अपने भोजन में मोटे पौष्टिक अनाजों को शामिल करने को भी प्रेरित किया है। आज पोषण माह के समापन अवसर पर आतिशी ने आंगनवाड़ी वर्कर्स से बातचीत की और उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि राजधानी से कुपोषण को दूर करने की दिशा में दिल्ली सरकार प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है और इस मिशन में हमारी आंगनवाड़ियां अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

इस दिशा में पिछले एक महीने में हमारी आंगनवाड़ी वर्कर्स ने दिल्ली के लाखों परिवारों को ख़ान-पान संबंधित अच्छी आदतों को विकसित करने के लिए जागरूक किया है। लोगों को ये बताया गया कि कैसे अपने भोजन में छोटे बदलावों के साथ वो अपने परिवारों को बेहतर पोषण दे सकते है।

साथ ही कैसे स्वस्थ जीवनशैली के लिए ज्वार-बाजरा जैसे मोटे अनाजों को ख़ान-पान की आदतों में शामिल किया जा सकता है। आतिशी ने कहा कि कुपोषण को ख़त्म करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है अपने भोजन में ज्वार-बाजरा आधारित मोटे अनाजों को शामिल करना। उन्होंने कहा कि भारत में सदियों तक भोजन में ज्वार और बाजरा खाने की संस्कृति रही लेकिन अब प्रोसेस्ड खाने ने इसकी जगह ले ली है और इस कारण लोगों को सही पोषण नहीं मिल पाता है। उन्होंने कहा कि अगर कुपोषण ख़त्म करना है तो हमें अपने ख़ानपान में मोटे अनाजों को अपनाने की जरूरत है। ये शुरुआत हमें अपने घरों से करनी होगी।

महिला उन्नति संस्था ने समाजसेवी रश्मि पांडेय को किया सम्मानित

❖ जनभावना टाइम्स

ग्रेटर नोएडा। शारदा यूनिवर्सिटी में आयोजित महिला उन्नति संस्था के पांचवे स्थापना दिवस के मौके पर समाजसेवी रश्मि पाण्डेय को सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष सुषमा सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष सुषमा सिंह ने बताया कि भाजपा सरकार के चलते आने वाला समय महिलाओ का होने वाला है। आज महिलायें खेल के मैदानो से लेकर बार्डर पर अपना लोहा मनवा रही है। भाजपा सरकार के नेतृत्व में महिलाओं को अब 33 प्रतिशत आरक्षण भी मिल चुका है। इससे महिलाओं का राजनीति में भी प्रभाव पड़ेगा।

वहीं, डीसीपी महिला सुरक्षा प्रीति यादव ने कहा कि आज की महिला अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने की आवश्यकता है। अब वो समय गया जब महिलाओं को अबला और कमजोर समझा जाता था।

वजीराबाद में धर्मांतरण का आरोप, रात में हंगामा, 6 लोग हिरासत में

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के वजीराबाद थाना इलाके में धर्मांतरण का मामला सामने आया है। इलाके के लोगों का आरोप है कि इसकी शिकायत पहले भी की गई थी। उसके बाद भी लोगों का धर्मांतरण का गोरखधंधा चल रहा है। घटना 29 सितंबर की है। रात करीब 9:15 बजे इलाके के लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए कुछ लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है।

उत्तरी जिले के एडिशनल डीसीपी ने बताया कि रात 9:13 बजे कॉल मिली थी। बताया गया था कि वहां पर धर्म परिवर्तन का काम हो रहा है। पुलिस टीम पहुंची तो देखा कि बैंक्विट हॉल के अंदर 50-60 लोग मौजूद थे। जबकि उसके बाहर 300 से 400 लोग इकट्ठा थे।

कहां पर काफी तनाव का माहौल था। इस मामले में 5 से 6 लोगों को पूछताछ के लिए डिटेन किया गया है। बाद में सभी को थाने से छोड़ दिया गया। इस मामले की आगे की छानवीन एसीपी तिमारपुर कर रहे हैं। आगे की जांच के बाद जो भी जरूरी होगा वह लिया जाएगा। वहीं, विश्व हिंदू परिषद के एक पदाधिकारी ने आरोप लगाया है कि यहां पर धर्मांतरण का बहुत बड़ा गोरखधंधा चल रहा है। पुलिस को नहीं पता ऐसा संभव नहीं है जब विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता इस तरह के धर्मांतरण का विरोध करते है, तो उल्टा पुलिस ही कार्यकर्ता को पकड़ कर थाना में बैठा लेती है।

छह साल से ज्यादा इस बार दिल्ली-एनसीआर की आबोहवा बेहतर रही

औसत एक्यूआई 167 हुआ दर्ज

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। पिछले छह सालों के मुकाबले इस साल दिल्ली-एनसीआर की आबोहवा अच्छी रही है। सितंबर के महीने में बारिश कम होने के बावजूद भी औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 167 दर्ज किया गया है।

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) के मुताबिक जनवरी-सितंबर 2023 को दैनिक औसत एक्यूआई 167 दर्ज किया गया है, जबकि इसी अवधि के दौरान 2022 में 184, 2021 में 180, 2019 में 188 और 2018 में 193 था। इसमें कोरोना काल यानि 2020 को शामिल नहीं किया गया है। आयोग के मुताबिक औसत वायु गणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सितंबर महीने में 10 सितंबर, 2023 को वर्ष का एकमात्र 'अच्छा' वायु गुणवत्ता दिवस (एक्यूआई-45) भी देखा गया, संयोग से नई दिल्ली में जी 20 शिखर सम्मेलन के अंतिम दिन था। उल्लेखनीय है कि शून्य से 50 के बीच एक्यूआई 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच 'गंभीर' माना जाता है।

डीएम कार्यालय के बाहर स्टंटबाजी, पुलिस ने काटा 37500 का चालान

❖ जनभावना टाइम्स

ग्रेटर नोएडा। जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर कुछ युवकों का सोशल मीडिया पर काफी तेजी के साथ स्टंट करने का एक वीडियो वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद यातायात पुलिस भी हरकत में आ गयी। यातायात पुलिस ने गाड़ी के नंबर के आधार पर 37500 रुपये का चालान काट दिया।

गौरतलब है कि यह वीडियो सूरजपुर थाना क्षेत्र में स्थित जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर का बताया जा रहा है। जहां पर एक युवक गाड़ी के बोनट पर बैठा हुआ है और वह गाड़ी जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर से स्टंटबाजी करते हुए गुजर रही है। खड़े हुए लोगों ने इसका वीडियो बना दिया। इसी के साथ सोशल मीडिया पर वीडियो को वायरल भी कर दिया। वीडियो के वायरल होने के बाद डीसीपी ट्रैफिक अनिल कुमार यादव ने तुरंत कार्रवाई के निर्देश जारी किए। इसके बाद यातायात पुलिस ने गाड़ी का ऑन लाइन 37500 रुपये का चालान काटा।

सूरजपुर थाना प्रभारी अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था। जिसमें जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर एक युवक गाड़ी के बोनट पर बैठा हुआ था और वह लोग स्टंट कर रहे थे। इस मामले में यातायात पुलिस ने गाड़ी का 37500 का चालान काट दिया है। वीडियो के आधार पर और गाड़ी नंबर को ट्रेस करके स्टंट करने वाले युवकों की तलाश की जा रही है। उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

'आप' सरकार का लक्ष्य दिल्ली को स्वच्छ व सुंदर शहर बनाना: डॉ. ओबरॉय

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। मेयर डॉ. शैली ओबरॉय ने आज यमुना बाजार स्थित दिल्ली नगर निगम की प्रियदर्शिनी कॉलोनी का निरीक्षण किया। मेयर ने प्रियदर्शिनी कॉलोनी में निगम द्वारा प्रदान की जाने वाली नागरिक सुविधाओं और सेवाओं का जायजा लिया। इस मौके पर मेयर ने स्थानीय नागरिकों की समस्याएं सुनीं। अधिकारियों को कॉलोनी में सिविल और इलेक्ट्रिकल संबंधित मरम्मत कराने और सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए।

दिल्ली नगर निगम ने प्रियदर्शिनी कॉलोनी में नागरिक सुविधाओं के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए हैं।

इनमें कॉलोनी की मुख्य सड़क की मरम्मत, मुख्य द्वार का सौंदर्यीकरण, गमलों की व्यवस्था, मलबे की सफाई आदि शामिल हैं। स्थानीय निवासियों ने मेयर डॉ शैली ओबरॉय को बताया कि कॉलोनी में इलेक्ट्रिकल संबंधित कार्य और कुछ भवनों की मरम्मत की आवश्यकता है। स्थानीय निवासियों ने अनुरोध किया कि कॉलोनी में इलेक्ट्रिकल संबंधित और भवन मरम्मत का कार्य भी पूरा कराया जाए।

बाल विकास परियोजना जेवर में हुआ राष्ट्रीय पोषण माह का समापन

चार गर्भवती की गोदभराई, चार बच्चों का अन्नप्राशन हुआ

❖ जनभावना टाइम्स

ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्ध नगर में राष्ट्रीय पोषण माह का समापन हुआ। समापन अवसर पर बाल विकास परियोजना जेवर में जन समुदाय को जागरूक करने एवं पोषण संबंधी जागरूकता संदेश प्रसारित करने के उद्देश्य से पोषण उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर चार गर्भवती की गोद भराई और छह माह के चार बच्चों का अन्नप्राशन किया गया।

उपजिलाधिकारी अभय सिंह ने बच्चों और महिलाओं खासतौर पर गर्भवती के पोषण पर ध्यान देने की जरूरत पर जोर दिया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी, जेवर नायब तहसीलदार जेवर एवं बार एसोसिएशन अध्यक्ष ने गर्भवती की गोद भराई एवं छह माह के बच्चों का अन्नप्राशन किया। निधि, सुधा, श्यामा और रिया की गोद भराई हुई जबकि मनोज, पिंकी, भूमि और आरुन का अन्नप्राशन हुआ। जन सामान्य में श्री अन्य के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने अन्न से तैयार रेसिपी का प्रदर्शन भी किया। जिला कार्यक्रम अधिकारी पूनम तिवारी ने राष्ट्रीय पोषण माह एवं विभाग की योजनाओं की जानकारी दी। मंच का संचालन बाल विकास परियोजना अधिकारी दनकौर संध्या सोनी ने किया। कार्यक्रम में पर्यवेक्षक मंजू शर्मा, प्रेरणा अग्रवाल उषा सिंह, अर्चना त्यागी एवं विमला आदि उपस्थित रहीं।

जिला कार्यक्रम अधिकारी पूनम तिवारी ने बताया कि पूरे सितम्बर माह को राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाया गया। महीने भर पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समुदाय में उसका महत्व समझाने के लिए विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किये गए। इनमें प्रमुख रूप से गर्भवती की गोद भराई, बच्चों के अन्नप्राशन और पोषण को लेकर गतिविधियां आयोजित की गईं। इस दौरान श्रीअन्न के प्रयोग को बढ़ावा देने पर भी विशेष फोकस रहा।

प्राधिकरण ने लगाया दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर

❖ जनभावना टाइम्स

नोएडा। सेक्टर 6 स्थित इंदिरा गांधी कला केंद्र में नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

इस दौरान नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. लोकेश एम और अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी संजय खत्री ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। इस प्रशिक्षण शिविर शिविर में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी वंदना त्रिपाठी, सतीश पाल, वित्त नियंत्रक स्वतंत्र कुमार और ओएसडी अविनाश त्रिपाठी मौजूद रहे। प्रशिक्षण शिविर के दौरान उत्तर प्रदेश सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली, अनुशासनिक कार्यवाही से संबंधित संवैधानिक प्राविधान, लघु दण्ड देने की प्रक्रिया, विभागीय जांच की प्रक्रिया/वृहद दण्ड देने की प्रक्रिया, आरोप पत्र का गठन समेत कई चीजों की विस्तार से जानकारी दी गयी। वहीं, नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ. लोकेश एम ने बताया कि इस प्रशिक्षण शिविर के दौरान सभी कार्यालय में कार्य के दौरान अपनी कार्य क्षमता को बढ़ाएंगे। जिससे प्राधिकरण और आम जनता को काफी ज्यादा लाभ मिलेगा।

भलस्वा लैंडफिल में 45 लाख टन कचरे का 'पहाड़' होगा खत्म, सीएम का वादा

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को भलस्वा लैंडफिल साइट का दौरा किया और कहा कि अगले साल मई तक यहां से लगभग 45 लाख टन कचरे को संसाधित करके कम करने की उम्मीद है।

साइट पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि एक बार जब 45 लाख टन कचरा कम हो जाएगा, तो '35 एकड़ भूमि' को पुनः प्राप्त किया जाएगा, जिसका कई तरीकों से पुनः उपयोग किया जा सकता है। बता दें कि दिल्ली में तीन लैंडफिल साइटें हैं, जो ओखला, भलस्वा और ग़ाज़ीपुर में स्थित हैं। केजरीवाल ने कहा कि भलस्वा लैंडफिल साइट पर 72 एकड़ में फैला लगभग 60-65 लाख टन नगरपालिका कचरा है, और पुराने कचरे के अलावा, 2,000 टन ताजा कचरा प्रतिदिन बड़े पैमाने पर डंप में जोड़ा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि आज तक का लक्ष्य (इसमें से) 14 लाख टन कचरा कम करना था, लेकिन यह तेजी से किया जा रहा है और लक्ष्य पार कर लिया गया है, यह आंकड़ा 18 लाख टन है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भलस्वा लैंडफिल साइट पर कचरा प्रसंस्करण पर काम कर रही एजेंसी का लक्ष्य 15 मई 2024 तक 30 लाख टन कचरा कम करना है। लेकिन, काम की गति को देखते हुए अगले साल 15 मई तक लगभग 45 लाख टन कचरा कम होने की उम्मीद है। शेष कचरे के प्रसंस्करण के लिए, एक अन्य एजेंसी को काम पर रखा जाना है, जिसका प्रारंभिक कार्य पूरा हो चुका है, लेकिन निविदा प्रक्रिया रुक रही है क्योंकि यह प्रक्रिया दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की स्थायी समिति के माध्यम से होनी है।

उन्होंने कहा कि एमसीडी पैनल का गठन सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार किया जाएगा, इसलिए हम वैकल्पिक समाधान खोजने की कोशिश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह जल्द ही अन्य दो लैंडफिल साइटों का भी दौरा करेंगे। यात्रा के दौरान सीएम केजरीवाल के साथ दिल्ली की मेयर शैली ओबेरॉय, डिप्टी मेयर आले मोहम्मद इकबाल, एमसीडी में सदन के नेता मुकेश गोयल और आप के एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक भी थे।

सचदेवा का दावा, गाजीपुर में 2025 तक दो पहाड़ होंगे

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा पार्टी नेताओं, निगम पार्षदों एवं कार्यकर्ताओं के साथ गाज़ीपुर लैंडफिल साइट पहुंचे और आरोप लगाया कि कूड़ा निस्तारन को लेकर 2022 नगर निगम चुनाव से पूर्व आम आदमी पार्टी ने बड़े बड़े दावे किये थे पर आम आदमी पार्टी के नगर निगम में सत्ता में आने के 8 माह बाद कूड़ा निस्तारन कार्य लगभग ठप्प पड़ा है।

इस अवसर पर उनके साथ नगर निगम के पूर्व महापौर एवं प्रदेश महामंत्री हर्ष मलहोत्रा एवं योगेन्द्र चंदोलिया, नगर निगम मे नेता प्रतिपक्ष सरदार राजा इकबाल सिंह, विधायक अनिल वाजपेयी, निगम पार्षद एवं स्थाई समिति के पूर्व अध्यक्ष संदीप कपूर, प्रदेश मंत्री इम्प्रीत सिंह बख्शी एवं विनोद बछेती, , निगम पार्षद पंकज लूथरा, मोनिका पंत, भरत गौतम, शशि चंदना, राजू सचदेवा, अल्का राघव, मीनाक्षी शर्मा, संजीव सिंह, प्रिया कम्बोज, ब्रह्म सिंह और पूर्वी दिल्ली के जिला अध्यक्ष विजेन्द्र धामा एवं संजय गोयल आदि थे।

सचदेवा ने कहा की नवम्बर 2022 के नगर निगम चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी दिल्ली की तीनों लैंडफिल साइट को लेकर खासकर गाजीपुर लैंडफिल साइट को लेकर बयानबाजी करती थी और सत्ता मे आते ही इसकी सफाई करने के बड़े बड़े दावे करती थी पर आज 8 माह बाद स्थिती ठीक विपरीत है, गाजीपुर से अधिक से अधिक 800 से 1000 मैट्रिक टन कूड़े का दैनिक निस्तारन होता है पर यहाँ रोज़ लगभग 2500 मैट्रिक टन गीला बदबूदार कूड़ा नया डल रहा है, नतीज़ा यहां कूड़े का नया पहाड़ उठ रहा है।

सचदेवा ने मुख्य मंत्री को चुनौती दी की वह दिल्ली वालों के सामने एक मीटिंग का रिकॉर्ड रखें जो उन्होने गाजीपुर सहित तीनों लैंडफिल साइट से कूड़ा निस्तारन समीक्षा को लेकर कई हो।

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली के मयूर विहार में 12 वर्षीय बच्ची से दरिंदगी

नई दिल्ली। पूर्वी जिले के थाना मयूर विहार इलाके से 12 वर्षीय नाबालिक बच्ची के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। मिली जानकारी के अनुसार आरोपी दर्जी का काम करता है। पुलिस के अनुसार मयूर विहार थाना पुलिस को एलबीएस अस्पताल से 12 वर्षीय एक नाबालिग लड़की के साथ यौन उत्पीड़न के संबंध में सूचना मिली थी। सूचना मिलने के बाद महिला अधिकारी एलबीएस अस्पताल पहुंची जहां पीड़िता के पिता ने बताया कि उनकी बेटी से एक व्यक्ति ने दुष्कर्म किया है।बच्ची के पिता की शिकायत के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। शिकायत के अनुसार आरोपी युवक उन्हीं के गांव में रहता है। पिता की शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 376 और 6 के साथ-साथ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है।आरोपी की पहचान चिल्ला निवासी 19 वर्षीय इबरान के रूप में हुई है। वह दर्जी का काम करता है।

दिन में रेकी, रात में सेंधमारी करने वाला चोर गिरफ्तार

नई दिल्ली। पश्चिम जिले की थाना राजौरी गार्डन पुलिस टीम ने एक शातिर सेंधमार को गिरफ्तार किया है, जिसकी पहचान सचिन कुमार के रूप में हुई है। उसके पास से चोरी के कई मोबाइल और हेडफोन बरामद हुए हैं। आरोपी सुभाष नगर इलाके का रहने वाला है। इसकी गिरफ्तारी से 12 मामलों का खुलासा किया गया है। पश्चिम जिले के डीसीपी विचित्र वीर ने बताया कि 27 सितंबर को सुभाष नगर इलाके में दो जगह सेंधमारी हुई थी। दोनों ही मामलों में पुलिस ने एफआईआर दर्ज करके छानवीन शुरू की गई। इन मामले को सुलझाने के लिए एसीपी राजौरी गार्डन सीमा मडडा की देखरेख में एसएचओ सुमन कुमार, चौकी इंचार्ज नवीन हेड कॉन्स्टेबल अजय और मिंटू की टीम ने सीसीटीवी कैमरे से पता लगाना शुरू किया। फुटेज से सेंधमार की पहचान हुई। पुलिस टीम ने उसके बारे में पता लगाया और सचिन को जस्साराम पार्क से पकड़ लिया। आरोपी अपने साथी अभिषेक के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम देता था चुराए गए समान को बेचकर ड्रग्स की पूर्ति करता था। दोनों इलाके में घूमकर टारगेट को तलाश करते और मौका देखकर कैश, लैपटॉप, मोबाइल और दूसरे महंगे सामान चोरी करके फरार हो जाते थे।

आजादपुर मंडी अग्निकांड की होगी जांच, मंत्री गोपाल राय ने जारी किए आदेश

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली विकास मंत्री गोपाल राय ने एशिया की सबसे बड़ी थोक सब्जी मंडी आजादपुर मंडी में लगी आग की जांच के शनिवार को आदेश दिए। मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को घटना की जांच करने और जल्द से जल्द रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। बता दें कि आजादपुर मंडी में शुक्रवार को भीषण आग लग गई. शाम 5.20 बजे आग लगने की सूचना मिली और 11 दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया।

शाम साढ़े छह बजे तक आग पर काबू पा लिया गया। दिल्ली अग्निशमन सेवा ने कहा कि आग आजादपुर में टमाटर मंडी में लगी और कोई हताहत नहीं हुआ। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में बाजार से धुएं का गुबार निकलता हुआ दिखाई दे रहा है, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई है।

पेटीएम के नाम पर 40 से अधिक लोगों को लगाया लाखों का चूना, गिरफ्तार

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी जिले के थाना साइबर पुलिस ने पेटीएम साउंड बॉक्स के किराए के शुल्क को माफ करने के बदले में निर्दोष लोगों के साथ ठगी करने वाले आरोपी को यूपी के गाजियाबाद से पकड़ लिया है। आरोपी ने पिछले 6-7 महीनों में 40 से अधिक लोगों के साथ ठगी की है।

आरोपी की पहचान नईम उम्र- 31 वर्ष निवासी गली नंबर 5, गगन विहार भोपरा गाजियाबाद उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। उत्तर-पूर्वी जिले के डीसीपी डॉ. जॉय तिर्की ने बताया कि एक शिकायतकर्ता राम सिंह उम्र- 61 वर्ष जो किराना दुकान चलाता है। उनके पेटीएम खाते से धोखाधड़ी से 35,000 रुपए ट्रांसफर कर लिए गए। दो और शिकायतकर्ताओं (किराना दुकानदार और एक 'छोले भटूरे' स्टाल विक्रेता) को उनकी मेहनत की कमाई से की धोखाधड़ी की गई। 39,000 रूपया एवं 7,400 रूपया एक अन्य शिकायत में रु. 14,500 रुपए एक महिला शिकायतकर्ता, रूबी के खाते से धोखाधड़ी से स्थानांतरित किए गए पाए गए। इसी प्रकार, रु. एक शिकायतकर्ता, रोहित कुमार के खाते से धोखाधड़ी से 1 लाख रुपये हस्तांतरित किए गए थे। सभी घटनाओं में आरोपियों की कार्यप्रणाली एक जैसी थी। कथित व्यक्ति ने मुख्य रूप से उन दुकानदारों को निशाना बनाया जो मुख्य रूप से यूपीआई मोड का उपयोग करके पैसे का लेनदेन करते हैं और अपनी दुकानों में पेटीएम साउंड बॉक्स रखते हैं।

उसने खुद को एक पेटीएम एजेंट के रूप में पेश किया जो एक प्रतिष्ठित बैंक में काम करता है और उन्हें पेटीएम साउंड बॉक्स का मासिक किराया माफ कराने के लिए प्रभावित किया। अपराध की गंभीरता और मामले की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए साइबर इंस्पेक्टर विजय कुमार के नेतृत्व में एक समर्पित टीम बनी जिसमे एसआई अमित मलिक, हेड कांस्टेबल अंकित तोमर और हेड कांस्टेबल मोहित चौधरी शामिल थे।

टीम ने शिकायतकर्ताओं की विस्तार से जांच की गई और लाभार्थी के बैंक खाते और कथित मोबाइल नंबर के सीडीआर/ सीएएफ/ आईएमईआई का विवरण प्राप्त कर संभावित ठिकाने पर छापेमारी कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी नईम ने धोखाधड़ी की कई घटनाओं में अपनी संलिप्तता कबूल किया। आरोपी 3 साल पहले एक बैंक में काम करता था।

लिव-इन पार्टनर पर हमला करने वाला आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ा, 850 से अधिक लगे थे टांके

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस अपराध शाखा की एजीएस टीम ने थाना रूप नगर के सनसनीखेज हत्या के प्रयास मामले में वांछित अपराधी को गुजरात से गिरफ्तार किया है।

विशेष पुलिस आयुक्त अपराध रविंद्र सिंह यादव ने बताया कि एजीएस अपराध शाखा की टीम ने अपराधी रिंकू उम्र 27, निवासी छबीलपुर अलीगढ़ उत्तर प्रदेश को शापर, गुजरात से गिरफ्तार किया है। दिनांक 15 अप्रैल 23 को पीड़ित भरत ने बताया कि उनकी बहन की शादी वर्ष 2011 में हुई थी। मतभेदों के कारण, उसकी बहन व बहन का पति अलग-अलग रहने लगे। इसके बाद उसकी बहन जवाहर नगर, कमला नगर, दिल्ली में रह रही थी। करीब 6-7 साल पहले उसकी बहन को रिंकू नाम के शख्स के संपर्क में आई। रिंकू कमला नगर दिल्ली में जूते की दुकान में काम करता था। वे गुड़ मंडी, दिल्ली के पास किराए के मकान में एक साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रहने लगे। कुछ समय बाद, उनके रिश्ते में खटास आ गई और वे अलग-अलग रहने लगे।

महिला कमला नगर के पीजी में रहने लगी। 15 अप्रैल की सुबह लगभग 9.15 बजे भरत के पास बहन के पीजी से फोन आया कि किसी ने उसकी बहन पर जानलेवा हमला किया है। और वह बुरी से तरह घायल है। महिला के पूरे शरीर पर गहरे जानलेवा वार किये गये थे। महिला के शरीर पर 850 से अधिक टांके लगाए गए। स्थानीय पुलिस द्वारा सभी प्रयासों के बावजूद, अपराधी रिंकू के ठिकाने के बारे में कोई जानकारी प्राप्त नहीं की जा सकी तदानुसार आरोपी को पकड़ने के लिए उपायुक्त अमित गोयल द्वारा सहायक आयुक्त नरेश कुमार की देखरेख में व निरीक्षक पवन कुमार और निरीक्षक राकेश कुमार के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम को जांच में पता चला कि आरोपी अपने करीबी रिश्तेदारों को फोन करने के लिए अपने सहकर्मियों के अनजान नंबरों का उपयोग कर रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार टीम ने उपरोक्त स्थान पर छापेमारी कर आरोपी रिंकू को शापर विलेज रोड, शापर, गुजरात से पकड़ लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी रिंकू ने हत्या के प्रयास मामले में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। इसके अलावा, उसने खुलासा किया कि वह एक फुटवियर कंपनी में काम कर रहा था, जहां वह पीड़ित के भाई भरत के संपर्क में आया था।

क्लीनिक में डॉक्टर के ऊपर चाकू से सरेआम हमला

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के पॉश कॉलोनी टैगोर गार्डन इलाके के अंदर डॉक्टर के क्लीनिक पर सरेआम डॉक्टर के ऊपर एक युवक ने चाकू से हमला कर दिया। फिलहाल पीड़िता का इलाज अस्पताल में जारी है। घायल डॉक्टर पीड़ित की पहचान डॉ. सांगय भूटिया उम्र करीब 40 साल निवासी टैगोर गार्डन के तौर पर हुई है।

पुलिस ने बताया कि एक महिला डॉक्टर को चाकू मारने की घटना की सूचना थाना राजौरी गार्डन में प्राप्त हुई। पता चला कि डॉ. सांगय भूटिया जो टैगोर गार्डन एक्सटेंशन में हेयर एंड सेंसेज नाम से क्लिनिक चलती हैं। दोपहर में एक व्यक्ति उनके क्लिनिक में आया और जिस बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर वह क्लिनिक चलाती हैं और ऊपरी मंजिल पर उनका आवास है। इमारत की सीढ़ी पर आरोपी ने डॉक्टर के ऊपर चाकू से हमला कर मौके से फरार हो गया। शुरुआती जानकारी के मुताबिक पीड़ित को चाकू से एक से ज्यादा चोटें लगी हैं। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसका इलाज चल रहा है। फिलहाल पुलिस हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

वजीरपुर में आयुष्मान भव अभियान का आयोजन

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली के वजीरपुर में आयुष्मान भव अभियान के तहत शनिवार को डीजीडी वजीरपुर में आयुष्मान मेला का आयोजन किया गया। इस अभियान में बड़ी संख्या में लोग शामिल होकर अपना इलाज करा रहे है। उत्तर पश्चिम जिले के विभिन्न स्थानों पर आयुष्मान मेलों का आयोजन किया जा रहा है। इस मेले में विशेषज्ञ चिकित्सक अपनी सेवाएं दे रहे है। इस मेले में ज्यादा से ज्यादा लोग सम्मिलित होकर विशेषज्ञों से अपनी समस्याएं बता कर लाभ पा रहे हैं।

आयुष्मान भव अभियान के तहत शनिवार को उत्तर पश्चिम जिले की जिलाधिकारी अंकिता आनंद की देखरेख में और चिकित्सा अधिकारी सीडीएमओ डॉ. मीनाक्षी हेम्ब्रम के नेतृत्व में डीजीडी वजीरपुर पर आयुष्मान मेले का आयोजन किया गया। इस मेले में स्त्री रोग, बाल रोग, सर्जन, नेत्र और एनटी विशेषज्ञ के साथ अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे। वही इस अवसर पर जिलाधिकारी ने क्षेत्र के लोगों से अपील किया कि आप लोग ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचकर आयुष्मान मेले का लाभ उठाएं।इस सप्ताह मेले की थीम टीबी और कुष्ठ रोग थी। योग और ध्यान मेले का अहम हिस्सा रहे। मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया। अंगदान एवं नेत्रदान का संकल्प लिया गया है। बात दे कि के पहले पार्ट में सेवा पखवाड़े के तहत स्वच्छता अभियान, शैक्षिक रक्तदान, अंगदान के संकल्प संबंधित योजना 2 अक्टूबर तक चलेगी. दूसरे पार्ट में जनप्रतिनिधि लोगों के घर जाकर आयुष्मान कार्ड पहुंचाएंगे ताकि सभी लोगों को हर वर्ष 5 लाख तक के इलाज की सुविधा मिल सके। वहीं तीसरे पार्ट में आयुष्मान मेलों का स्वास्थ्य और पोषण की दृष्टि से काफी महत्व है।

आज से वंदे भारत ट्रेनों के लिए '14 मिनट चमत्कार' योजना लागू

नई दिल्ली। सरकार वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों के लिए 1 अक्टूबर को '14 मिनट चमत्कार' योजना लागू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस योजना के तहत, वंदे भारत ट्रेनें केवल 14 मिनट में पूरी तरह से साफ होकर अगली यात्रा के लिए तैयार हो जाएंगी। इसे रविवार को दिल्ली, शिरडी आदि समेत 32 जगहों पर लॉन्च किया जाएगा। रेल मंत्रालय ने पहले घोषणा की थी कि वह 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के एक भाग के रूप में '14 मिनट चमत्कार' योजना लागू करने जा रहा है। केंद्र ने एक बयान में कहा था कि इस योजना में सभी यात्रियों को समय पर टर्मिनल स्टेशन पर उतरना सुनिश्चित करने के बाद, 14 मिनट के चमत्कार की कवायद शुरू होगी। योजना कार्यक्रम के सुचारू संचालन के लिए फ्लो चार्ट के आधार पर काम करेगी। 14 मिनट की चमत्कारी' सफाई गतिविधियों को आगे के विश्लेषण और फीडबैक तंत्र के लिए उचित रूप से प्रलेखित किया जाएगा।

लाइक्स के लिए बनाया फिल्म 'जवान' जैसा गेटअप

मेट्रो के अंदर शाहरुख की तरह चेहरे पर पट्टी बांध किया डांस, वीडियो वायरल

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। आज की युवा पीढ़ी जल्द से जल्द फेमस होना चाहती है और इसे पाने के लिए वे कई सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स का इस्तेमाल करके किसी भी हद तक जाने के लिए तैयार है। चंद सेकेंड के वीडियो बनाकर फेसबुक, यूट्यूब और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर अपलोड करके युवा इंस्टेंट फेमस होना चाहते हैं।

ऐसा ही एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें एक लड़की ने शाहरुख खान की फिल्म 'जवान' का सीन रीक्रिएट किया है। यह वीडियो दिल्ली मेट्रो के अंदर का बताया जा रहा है। हालांकि, डीएमआरसी लगातार लोगों से मेट्रो के अंदर किसी भी तरह की वीडियो न बनाने की अपील करता रहा है लेकिन लोगों पर इसका कुछ खास असर पड़ता नहीं दिख रहा है।

शाहरुख खान की फिल्म 'जवान' के एक सीन को कई लोग रीक्रिएट कर चुके हैं। अभी तक इन लोगों में लड़के ही शामिल थे। लेकिन अब एक लड़की ने भी इस सीन को रीक्रिएट किया है।

ये वही सीन है जिसमें आजाद यानी सुपरस्टार शाहरुख मेट्रो के अंदर 'बेकरार करके हमें यूं ना जाए' गाने पर डांस कर रहा था। इस वीडियो को काफी ज्यादा शेयर किया जा रहा है और लोगों को ये खूब पसंद भी आ रहा है। सहेली रुद्र नाम की लड़की ने इंस्टाग्राम पर मेट्रो के अंदर डांस करते हुए अपना एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में वह 'जवान' में शाहरुख खान की तरह सफेद पट्टी से लिपटे हुए लुक में फिल्म के मेट्रो वाले सीन को कर रही हैं। लड़की ने शाहरुख के इसी सीन से मिलते-जुलते कपड़े भी पहने हैं। वह गाने की हर बीट से ताल मिलाती नजर आ रही हैं और सीन से शाहरुख के हुक स्टेप्स को रीक्रिएट कर रही हैं।

संपादकीय
आदित्य वशिष्ठ

स्वच्छता का संकल्प

स्वस्थ रहने के लिए स्वच्छता जरूरी है इसलिए आज पीएम नरेंद्र मोदी के आह्वान पर देशभर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 'एक तारीख, एक घंटा, एक साथ' चलने वाला यह अभियान स्वच्छ भारत की नई इबारत लिखेगा। आज प्रधानमंत्री मोदी सुबह दस बजे इस स्वच्छता अभियान का शुभारंभ करेंगे। नरेन्द्र मोदी जब 2014 में प्रधानमंत्री बने तब स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से पहली बार इस स्वच्छता अभियान का आगाज किया था। दरअसल मई 2014 में संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट आई थी,जिसमें खुलासा किया था कि भारत की करीबन 60 प्रतिशत आबादी खुले में शौच करती है। खुले में निपटने की इस आदत से कई तरह की बीमारियों को भारतीय आमंत्रित करते हैं। केवल इसी कारण भारतीयों में हैजा, डायरिया और टायफाइड होने का खतरा बना रहता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुले में शौच से निपटने की प्रथा को बंद करने के लिए बड़े पैमाने पर गांवों में शौचालयों का निर्माण कराया। साल 2019 तक यानी योजना की शुरुआत से पांच साल बाद ही देश के हर घर में शौचालय बनवाने और लोगों को गंदगी से फैलने वाली बीमारियों से सुरक्षित रखना ही स्वच्छ भारत अभियान का मकसद था। इसके साथ ही घरेलू कचरे, प्लास्टिक वेस्ट, इंडस्ट्रियल वेस्ट, मेडिकल कचरे, प्रदूषण और अन्य सभी तरह के कूड़े से देश को मुक्त बनाना भी इस अभियान का मकसद है। इस अभियान का व्यापक असर भी देशभर में देखने को मिला है। जनवरी 2020 की स्थिति के अनुसार 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 706 जिलों और 603,175 गांवों को खुले में शौच मुक्त घोषित कर दिया गया है, हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर गुजरात के साबरमती आश्रम से यह ऐलान किया था कि ग्रामीण भारत ने वहां के गांवों ने खुद को खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ) घोषित कर दिया है। हालांकि कई सारी चुनौतियां अभी भी बाकी हैं। इनसे निपटने के लिए सभी देशवासियों का दायित्व बनता है कि वह स्वच्छ भारत अभियान में जरूर सहयोग दें। आज 1 अक्टूबर को सभी देशवासी 1 घंटा कम से कम सार्वजनिक सफाई को जरूर दें। सार्वजनिक पार्कों में, सड़कों, राहों, गलियों और ऐसी बहुतेरी जगहों पर सफाई का काम करें, जो स्वच्छता से अछूती हों,जिससे पर्यावरण शुद्ध हो। हम लोग अपने घरों के साथ आसपास भी साफ-सफाई रखें। जब देश की सरकार ने स्वच्छ भारत अभियान को अभी तक जारी रखा है तब हम लोगों का कर्तव्य बनता है कि हम भी इस अभियान में सहयोग करें। अगर हम कचरा केवल डस्टबिन में फेंके, यहां-वहां थूकें नहीं, प्लास्टिक की थैलियों का कम से कम उपयोग करें, सामान लेने जाएं तो साथ में कपड़े का थैला लेकर जाएं और अपने आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें, तो बहुत सारा प्रदूषण कम हो सकता है। जहां तक संभव हो, हम अगर पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपयोग करें तो इससे ईंधन की बचत के साथ-साथ हम प्रदूषण को भी रोक सकते हैं।

गांधी विश्व सभ्यता के विरल नायक

गांधी जी का सौन्दर्य बोध अप्रतिम था। अनुभूतियां गहरी थीं। उन्होंने ब्रह्मपुत्र नदी के वर्णन में लिखा कि नदी समुद्र की तरह विशाल जान पड़ती है। नदी की भव्य शान्ति मनोहर प्रतीत होती है। बादलों में छिपा हुआ चन्द्रमा पानी पर अपनी हल्की रोशनी बिखेरे है। फिर भी मेरे मन को चैन कहां? यह राजनेता या पत्रकार की भाषा नहीं है। यहां गहन सौन्दर्यबोध की भावाभिव्यक्ति है। 1920 में वे काशी में थे, लिखा है आकाश में जैसे-जैसे प्रकाश बढ़ता जाता, वैसे-वैसे गंगा के पानी पर स्वर्णिम प्रकाश बिखरता जाता है और अंत में जब सूर्य पूर्णतया दृष्टिगोचर होता, उस समय ऐसा प्रतीत होता है मानो पानी में एक वृहदाकार स्वर्ण स्तंभ प्रतिष्ठापित कर दिया गया है। उस भव्य दृश्य को देखने के बाद सूर्य की उपासना, नदियों की महिमा और गायत्री मंत्र के अर्थ को मैं अच्छी तरह समझ सका।

- हृदयनारायण दीक्षित

देश गांधी जयंती के उत्सवों में है। गांधी विश्व सभ्यता के विरल नायक थे। बहुआयामी व्यक्ति थे। वैसे भारत का प्रत्येक व्यक्ति बहुआयामी है। यूरोप में विशेषज्ञों की भरमार है लेकिन जीवन के सभी क्षेत्रों का ज्ञान रखने वाले जनसामान्य भारत में होते हैं। भारत का प्रत्येक व्यक्ति थोड़ा थोड़ा दार्शनिक है। कामचलाऊ नास्तिक है। यथार्थवादी आस्तिक है। वह धार्मिक है, वह तार्किक है, वह साहित्यिक है, वह घरेलू वैद्य या डाक्टर है। वह संगीत पारखी/प्रेमी है। वह परिवर्तनकामी है। लेकिन उसके व्यक्तित्व का सर्वोत्तम किसी एक या दो आयामों में ही प्रकट होता है। मनुष्य की सर्वोत्तम उर्जा प्रेम या युद्ध में चरम पर पहुंचती है। गांधी जी का सर्वोत्तम जीवन के सभी आयामों में प्रकट होता है। कदाचित इसका मूलकारण विश्व मानवता के प्रति उनका प्रेम है। संगीत भारतीय ज्ञान परम्परा का प्रतिष्ठित अनुशासन है। गांधी ने लिखा कि हम पर संगीत का बहुत असर होता है। वेद मंत्रों की रचना संगीत के आधार पर हुई जान पड़ती है। मधुर संगीत आत्मा के ताप को शांत कर सकता है। अगर संगीत की शुद्ध शिक्षा मिले तो नाटक के गीत गाने में और बेसुरा राग अलापने में उनका (बच्चों) समय नष्ट न हो। आश्चर्यजनक है कि एक सत्याग्रही संयमी महात्मा संगीत के बारीक तत्वों और उसके आत्यंतिक प्रभावों से भी सुपरिचित था।

गांधी जी का सौन्दर्य बोध अप्रतिम था। अनुभूतियां गहरी थीं। उन्होंने ब्रह्मपुत्र नदी के वर्णन में लिखा कि नदी समुद्र की तरह विशाल जान पड़ती है। नदी की भव्य शान्ति मनोहर प्रतीत होती है। बादलों में छिपा हुआ चन्द्रमा पानी पर अपनी हल्की रोशनी बिखेरे है। फिर भी मेरे मन को चैन कहां? यह राजनेता या पत्रकार की भाषा नहीं है। यहां गहन सौन्दर्यबोध की भावाभिव्यक्ति है। 1920 में वे काशी में थे, लिखा है आकाश में जैसे जैसे प्रकाश बढ़ता जाता, वैसे वैसे गंगा के पानी पर स्वर्णिम प्रकाश बिखरता जाता है और अंत में जब सूर्य पूर्णतया दृष्टिगोचर होता, उस समय ऐसा प्रतीत होता

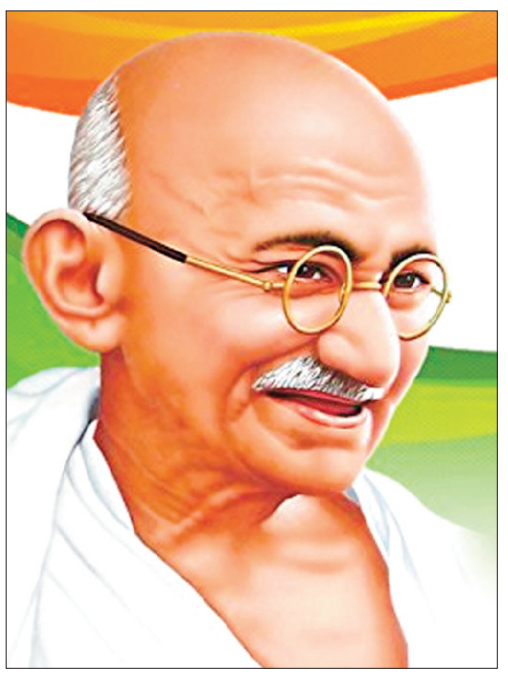

मानो पानी में एक वृहदाकार स्वर्ण स्तंभ प्रतिष्ठापित कर दिया गया है। उस भव्य दृश्य को देखने के बाद सूर्य की उपासना, नदियों की महिमा और गायत्री मंत्र के अर्थ को मैं अच्छी तरह समझ सका। इन शब्दों में प्राणवान काव्यरस का प्रवाह है। वेद नदियों की स्तुतियों से भरे पूरे हैं। यही अनुभूति गांधी जी को भी हुई थी। इसका मूल उनका सौन्दर्य बोध था।

सौन्दर्यबोध काव्य सृजन का मूल है लेकिन गांधी जी के सौन्दर्यबोध में सुन्दरतम के साथ सत्य और शिवत्म भी हैं। मनुष्य जन्मजात सौन्दर्यप्रेमी है। प्रकृति विविध रूपों से भरी पूरी है। यहां रूप रूप प्रतिरूप सौन्दर्य की छटा है। सौन्दर्यबोध मनुष्य को सुकुमार, सुकोमल और निरहंकारी बनाता है। जिसमें जितना गहन सौन्दर्यबोध वह उतना ही सुकोमल भावनिष्ठ। वैदिक ऋषि कवि भी सौन्दर्यबोध से लबालब परिपूर्ण थे। दुनिया की सभी सभ्यताओं का विकास सौन्दर्यबोध से हुआ। चाल्स डारविन ने लिखा है कि प्रकृति के रूपों को देखकर भावोत्तेजन होते हैं। विवेचन से आया निष्कर्ष बोध सम्बंधित व्यक्ति का 'सौन्दर्यबोध' होता है। आधुनिक काल में रवीन्द्रनाथ टैगोर का सौन्दर्यबोध याद किये जाने योग्य है। गांधी जी का सौन्दर्यबोध वैदिक ऋषियों की याद दिलाता है। रवीन्द्रनाथ का सौन्दर्यबोध परिधिगत है। बेशक उसमें सत्यम, शिवम ओर सुन्दरतम की त्रयी है लेकिन उसमें रूप की सत्ता है। गांधी जी का सौन्दर्यबोध रूप से परे जाता है। यजुर्वेद के 40वें अध्याय (ईशावास्योपनिषद्) में सत्य का मुख हिरण्यपात्र से ढका हुआ बताया गया है - हिरण्यमय पात्रेण सत्यस्यापिहितं मुखम। प्रार्थना है कि यह हिरण्यपात्र हटाओ, ऋषि सत्य का दर्शनाभिलाषी है। यहां हिरण्य सौन्दर्य से ढका हुआ सत्य देखने का आग्रह है। 1980 के दशक में एक अर्थशास्त्री ईएफ सूमाखर ने अर्थशास्त्र की अपनी किताब का नाम रखा था 'स्माल इज ब्यूटीफुल'। यहां लघुता ही सुन्दरता है कि छोटे उद्योग, छोटी कारीगरी, घरेलू उत्पादन सुन्दर है। सुन्दरता में आकर्षण होते हैं। क्रान्तियां सुन्दर नहीं होती। उनके परिणाम सुन्दरता ला सकते हैं। जय प्रकाश नारायण ने देश की स्वतंत्रता के बाद समग्र क्रान्ति की बात की थी। उनके एक लेख आह्वान का शीर्षक था 'दि रिवूल्यूशन ब्यूटीफुल'। प्रख्यात गांधीवादी चिन्तक धर्मपाल जी ने अंग्रेजों के पहले के भारत को 'ब्यूटीफुल ट्री' की संज्ञा दी थी। रवीन्द्रनाथ और गांधी जी समकालीन थे। एक विश्वकवि और दूसरा विश्वमानव। विश्व कवि रवीन्द्र के सौन्दर्य बोध में मादकता थी। विश्वमानव गांधी के सौन्दर्य बोध में सम्मोहन था। विश्व कवि के सौन्दर्य बोध में भाव-दृश्य थे। गांधी जी का सौन्दर्य बोध चाक्षुष ही नहीं था, उसमें मानवीय अनुभूति का अमृत था, संगधा पृथ्वी की सुगंध थी। गांधी जी का सत्याग्रह इसी मानवीय सौन्दर्यबोध का रूपांतरण था। संस्कृत के महाकवि माघ ने सुन्दरता की परिभाषा दी थी क्षणे क्षणे यन्नवता मुपैति, तदैव रूपं रमणीयतायाः - सुन्दर - रमणीय वह है जो प्रतिक्षण नया हो, आकर्षित करता रहे। सौन्दर्य की ऐसी परिभाषा फिर दूसरी नहीं हुई। माघ की यह परिभाषा वैदिक ऋषियों की 'सत्य' की परिभाषा से मिलती जुलती है - जो त्रिकाल अबाधित है, वही सत्य है। सत्य पर समय की सत्ता का प्रभाव नहीं पड़ता। वह तीनों कालों में सत्य रहता है। इसी तरह जो बोध प्रतिक्षण नया और आकर्षक हो वही सौन्दर्य है। गांधी जी के सौन्दर्यबोध में प्रकृति की सनातन सरलता है। प्रकृति का सौन्दर्य स्वयं बोलता है। सौन्दर्य प्रेमी आंखों से भी सुन लेते हैं। कलाएं प्रकृति की अनुकृति होती है। कला में व्यक्त सौन्दर्य को भी स्वयं बोलना चाहिए। गांधी जी सौन्दर्यबोध से युक्त थे। उन्होंने कहा कि चित्र ऐसे होने चाहिए जो मुझसे बोलें मेरे आगे नाचें, ऐसे चित्र दुनिया में बहुत थोड़े हैं। गांधी जी की दृष्टि में आत्मबल से युक्त स्वस्थ शरीर ही सुन्दर होता है और जो स्वस्थ व सुन्दर होता है वह हथियारबंद यूरोपीय का सामना भी कर सकता है। गांधी जी अंग्रेजों से लड़ते समय उन्हें हराने की बात कभी नहीं भूले।

यूरोपीय सभ्यता को पराजित करने की शक्ति से लैस व्यक्ति को ही स्वस्थ और सुन्दर कहा जाना चाहिए। गांधी जी भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के नेता थे। वे भारत को संस्कृति आधारित राष्ट्र मानते थे। उन्होंने 'हिन्द स्वराज' में लिखा है कि, 'आपको अंग्रेजों ने बताया है कि भारत को अंग्रेजों ने राष्ट्र बनाया है। यह बात गलत है। भारत अंग्रेजों के पहले भी राष्ट्र था।' गांधी ने सत्याग्रह के बल पर विश्व को प्रभावित किया। भारतीय राष्ट्रवाद को जन जन तक पहुंचाया। वे ब्रिटिश सत्ता से टकराए। मैंने स्वयं देखा है कि उसी सत्ता के इंग्लैंड स्थित संसद भवन के सामने गांधी जी की प्रतिमा है। उनकी स्मृति प्रेरक है।

गुजरात से सेमीकंडक्टर उद्योग का आगाज

- राजीव चंद्रशेखर

गुजरात स्थित साणंद में सेमीकंडक्टर संयंत्र का शिलान्यास कर भारत ने इस महीने एक और इतिहास रचा है। अरसे से सेमीकंडक्टर उद्योग लगाने का सपना अब साकार होने जा रहा है। इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबल एवं निर्णायक नेतृत्व को जाता है। उनकी अगुवाई में केंद्र सरकार ने विगत करीब साढ़े नौ साल के दौरान अनेक ऐतिहासिक फैसले लिए हैं, जिनमें भारत को सेमीकंडक्टर राष्ट्र बनाने का निर्णय एक युगांतकारी कदम है। इससे देश में प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अवसर के नए द्वार खुलेंगे और डिजिटल अर्थव्यवस्था रफ्तार पकड़ेगी।

विश्व को वसुधैव कुटुंबकम की भावना से काम करने की नसीहत देने वाला भारत आज दुनिया की आर्थिक महाशक्तियों के लिए एक भरोसेमंद रणनीतिक प्रौद्योगिकी साझेदार बनकर उभरा है। गुजरात में सेमीकंडक्टर उद्योग के संयंत्र की स्थापना मोदी सरकार की इस महीने की एक और बड़ी उपलब्धि है। सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में विश्व में अग्रणी अमेरिकी कंपनी माइक्रोन द्वारा गुजरात के साणंद में अपना पहला संयंत्र के लिए 23 सितंबर को भूमि-पूजन किये जाने साथ भारत ने सेमीकंडक्टर के अपने सफर

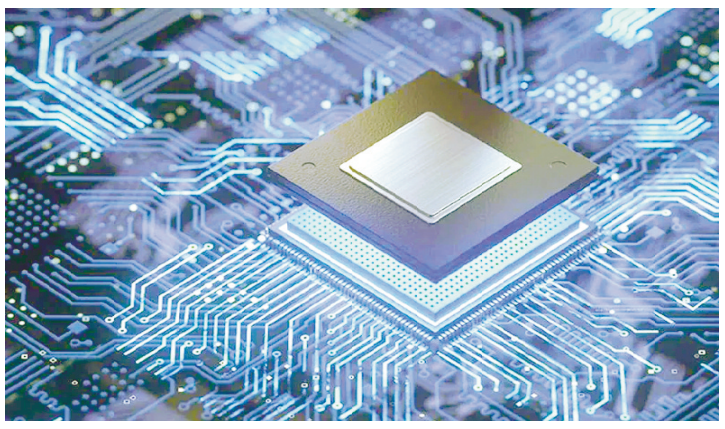

का आगाज किया। शिखर-सम्मेलन में हिस्सा लेने आए राष्ट्राध्यक्षों ने भारत के डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर का उपयोग करके शासन-व्यवस्था को सरल व पारदर्शी बनाने और नागरिकों को सशक्त करने की पहलों की खूब सराहना की। भारत ने 2025-26 तक देश की जीडीपी में डिजिटल अर्थव्यवस्था की हिस्सेदारी 20 फीसदी से अधिक करने का लक्ष्य रखा है, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी होगी। इलेक्ट्रॉनिक्स इकोसिस्टम में सेमीकंडक्टर का अहम स्थान है। आज इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों में इस्तेमाल होने वाले चिप का भारत आयात करता है, लेकिन जब देश में चिप बनने लगेंगे तो आयात पर निर्भरता घटेगी। इस तरह सेमीकंडक्टर उद्योग के विकास से देश में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग को गति मिलेगी। हालांकि माइक्रोन के सेमीकंडक्टर संयंत्र का निर्माण अभी भारत में सेमीकंडक्टर उद्योग की विकास यात्रा का महज आरंभ है। लेकिन यह शुरुआत भी जिस अंदाज के साथ हुई है उससे यह अनुमान लगाया जा सकता है कि अन्य देशों के मुकाबले भारत बहुत कम समय में सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में भी आत्मनिर्भर बन सकता है। प्रधानमंत्री ने करीब 22 महीने पहले दिसंबर 2021 में 10 अरब डॉलर की राशि के साथ भारत सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) को मंजूरी दी थी, जो भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को प्रोत्साहन देने की दिशा में एक व्यापक दशकीय रोडमैप है।

इस 10 साल में महज 10 अरब डॉलर की राशि से हमने जितना हासिल करने का लक्ष्य रखा है उतना चीन 200 अरब डॉलर खर्च करके 30 साल में भी नहीं कर पाया है। हमारा मकसद भारत को वैश्विक मानचित्र पर ऐसे सेमीकंडक्टर राष्ट्र के रूप में स्थापित करना है जो न सिर्फ अपनी घरेलू जरूरतों की पूर्ति करेगा बल्कि दुनिया की आपूर्ति श्रृंखला में अहम योगदान करेगा। दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी सेमीकंडक्टर कंपनी माइक्रोन ने भारत में अपनी विनिर्माण इकाई स्थापित करने की घोषणा के महज तीन महीने बाद यहां संयंत्र निर्माण का काम शुरू कर दिया है।

साणंद में जीआईडीसी-2 औद्योगिक क्षेत्र स्थित करीब 93 एकड़ के क्षेत्र कंपनी अपनी असेंबली, टेस्टिंग, मार्किंग और पैकेजिंग (एटीएमपी) केंद्र का निर्माण करेगी जिसे तैयार होने में करीब 18 महीने लग सकता है। बहरहाल, माइक्रोन पास में 10 एकड़ के परिसर स्थित एक फैक्टरी का अधिग्रहण करके पाइलट के तौर पर उसे अपनी एटीएमपी सुविधा के रूप में तैयार कर रही है। माइक्रोन ने अपने पूरे प्रोजेक्ट की लागत करीब 2.75 अरब रहने की घोषणा की थी जिसमें केंद्र सरकार की तरफ से 50 फीसदी प्रोत्साहन के साथ-साथ राज्य सरकारी की सब्सिडी भी शामिल है। निवेश की इस राशि से करीब 5000 नई प्रत्यक्ष और 15,000 सामुदायिक नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री के गृह राज्य गुजरात में माइक्रोन का यह संयंत्र भारत के सेमीकंडक्टर उद्योग के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। इससे अन्य प्रांतों को भी ऐसी क्रिटिकल प्रौद्योगिकी के विकास के लिए अनुकूल इकोसिस्टम तैयार करने की नसीहत मिलेगी। प्रधानमंत्री बनने से पहले मोदी करीब 13 साल गुजरात के मुख्यमंत्री रहे। उस दौरान उन्होंने राज्य के औद्योगिकी विकास के लिए अनुकूल पारिस्थितिक तंत्र और जरूरी बुनियादी सुविधाएं तैयार करने पर विशेष ध्यान दिया। नतीजतन, विदेशी निवेशकों के लिए गुजरात निवेश का एक आकर्षक ठिकाना बन गया है। दुनिया के देश भारत को ग्लोबल इलेक्ट्रॉनिक्स सप्लाई चेन में एक भरोसेमंद साझेदार के रूप में देख रहे हैं। विश्व की दिग्गज कंपनियां भारतीय युवाओं की मेधा शक्ति और कौशल के कायल हैं। सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स इकोसिस्टम के विकास से आने वाले दिनों में देश के युवाओं के लिए अवसर के अनेक दरवाजे खुलने वाले हैं। जिससे देश दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य जल्द ही हासिल कर लेगा।

मार्ग शीर्ष अमावस्या के दिन पूर्वजों का तर्पण करना शुभ

हिंदू धर्म में हर अमावस्या और पूर्णिमा का बहुत ही अधिक महत्व है। इन्ही में से एक अमावस्या है। मार्ग शीर्ष की अमावस्या। यह अमावस्या मार्गशीर्ष माह में पड़ती है। इस अमावस्या का महत्व कार्तिक अमावस्या से कम नहीं है। जिस प्रकार कार्तिक मास की अमावस्या को लक्ष्मी का पूजन कर दीपावली बनाई जाती है, उसी तरह इस दिन भी देवी लक्ष्मी का पूजन करना शुभ होता है। इसके अलावा अमावस्या होने के कारण इस दिन स्नान, दान और अन्य धार्मिक कार्य आदि भी किए जाते है।

मार्ग शीर्ष अमावस्या के दिन को पितरों का दिन भी माना जाता है। इस दिन पूर्वजों से संबंधित काम करना बहुत शुभ माना जाता है। इस महिनें का महत्व हिंदू धर्म के पुराणों में अधिक महत्व बताया गया है। शास्त्रों के अनुसार माना जाता है कि देवों से पहले पितरों को प्रसन्न करना चाहिए। जिन व्यक्तियों की कुण्डली में पितृ दोष हो, संतान हीन योग बन रहा हो या फिर नवम भाव में राहू नीच के होकर स्थित हो, उन व्यक्तियों को इस दिन व्रत जरुर रखना चाहिए। इस व्रत को करने से मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है।

विष्णु पुराण के अनुसार श्रद्धा भाव से अमावस्या का व्रत रखने से पितृगण ही तृप्त नहीं होते, अपितु ब्रह्मा, इंद्र, रुद्र, अश्विनी कुमार, सूर्य, अग्नि, पशु-पक्षी और समस्त भूत प्राणी भी तृप्त होकर प्रसन्न होते हैं। भगवान कृष्ण ने पवित्र गीता में कहा है कि महीनों मे मैं मार्गशीर्ष माह हूं तथा सत युग में देवों ने मार्ग-शीर्ष मास की प्रथम तिथि को ही साल की शुरुआत होगी। मार्गशीर्ष अमावस्या के दिन पवित्र नदियों में स्नान का विशेष महत्व बताया गया है। इस दिन स्नान करते समय नमो नारायणाय या गायत्री मंत्र का उच्चारण करना फलदायी होता है।

मार्गशीर्ष अमावस्या का महत्व : जिस तरह कार्तिक, माघ, वैशाख आदि महीनों के समय में गंगा स्नान करने से शुभ फल प्राप्त होता है। उसी तरह इस अमावस्या में स्नान करने से विशेष फल मिलता है। इस दिन व्रत करने और सत्यनारायण भगवान की पूजा और कथा करने से आपको अमोघ फलदायी होता है। इस दिन अपने सामर्थ्य के अनुसार दान करने से सभी पाप नष्ट हो जाते है साथ ही पुण्य की प्राप्ति होती है।

आज का इतिहास

1838 - भारत के तत्कालीन गवर्नर जनरल लॉर्ड ऑकलैंड ने शिमला मैनिफेस्टो जारी किया, जिसकी वजह से पहला एंग्लो-अफगान युद्ध हुआ।

1854 - भारत में डाक टिकट का प्रचलन शुरू। टिकट पर महारानी विक्टोरिया का सिर और भारत बना होता था। इसकी कीमत आधा आना (1/32 रुपये) थी।

1953 - आंध्र प्रदेश अलग राज्य बना। यह राज्य भी अब तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में बंट चुका है।

1967 - भारतीय पर्यटन विकास निगम की स्थापना।

1978 - भारत में लड़कियों की शादी की उम्र को 14 से बढ़ाकर 18 और लड़कों की 18 से बढ़ाकर 21 वर्ष किया गया।

1996 - तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने पश्चिम एशिया शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया।

1998 - श्रीलंका में किलिनोच्ची एवं मानकुलम शहरों पर कब्जे के लिए सेना एवं लिट्टे उग्रवादियों के बीच हुए संघर्ष में 1300 लोगों की मौत।

2002 - गोवा में एक कार्यक्रम के दौरान नेवी के दो विमान फ्लाई पास्ट के दौरान आपस में टकराए।

2008 - यूएस सीनेट ने भारत के साथ परमाणु व्यापार पर लगे तीन दशक के प्रतिबंध को खत्म किया।

2015 - ग्वाटेमाला के संता काटरीना पिनुला में भारी बारिश और भूस्खलन से 280 लोगों की मौत।

2016 - भारत ने टेलीकॉम तरंगों की सबसे बड़ी नीलामी की। पहले दिन की बिक्री से 535.31 अरब रुपये की आय।

ग्वालियर की पहाड़ियों की गोद में मुस्करा रहा 'अल्मोड़ा'

- लोकेन्द्र सिंह

उत्तराखंड के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल अल्मोड़ा के बारे में आप सबने सुना होगा। अल्मोड़ा अपने सुरम्य वातावरण के साथ ही साहसिक गतिविधियों के लिए पर्यटकों को आमंत्रित करता है। अल्मोड़ा अपनी समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा और वन्य जीवन के लिए प्रसिद्ध है। यह तो हुई हिमालय की गोद में बसे विश्व प्रसिद्ध अल्मोड़ा की बात। यदि मैं आपसे कहूं कि ग्वालियर में भी एक अल्मोड़ा है, तो आप हैरान रह जाएंगे। जी हां, ग्वालियर में भी सुरम्य वातावरण और ऊंची-नीची पहाड़ियों की गोद में 'अल्मोड़ा' मुस्कुरा रहा है।

आमखो से सटी विशेष सशस्त्र बल (एसएएफ) की पहाड़ियों पर पर्यावरण प्रेमियों ने निरंतर पौधरोपण करके सूखी पहाड़ियों का नाना प्रकार के वृक्षों से शृंगार कर दिया है। यहां कुछ हिस्सों में तो सघन वन विकसित हो गए हैं। ऐसे ही एक हिस्से को पर्यावरण प्रेमी डॉ. नरेश त्यागी ने विकसित किया और उसे नाम दिया है-अल्मोड़ा। यदि आप ट्रैकिंग के शौकीन हैं और प्रकृति की गोद में आनंद आता है, तब यह स्थान अवश्य ही आपके हृदय को प्रसन्नता से भर देगा। 'अल्मोड़ा' के सृजक डॉ. त्यागी को मालूम है कि मुझे जंगल में घुमक्कड़ी खूब भाती है। इसलिए लंबे समय से उनका आग्रह भी था कि "कभी अल्मोड़ा

के लिए समय निकालूं"। अपने ग्वालियर प्रवास के दौरान 28 अगस्त को सामाजिक कार्यकर्ता निरूपम नेवासकर, कमल किशोर शर्मा और ललित जी के साथ हम त्यागी जी के घर 'पारिजात निकेतन' पर धमक पड़े। उनका घर अल्मोड़ा से ही सटा है और उस क्षेत्र में पारिजात के कई वृक्ष हैं। घर के नामकरण की कहानी आपको ध्यान आ गई होगी। हमने यहीं से अल्मोड़ा में प्रवेश किया। पहले चरण में हमने आसपास ही थोड़ा भ्रमण किया। पूरे क्षेत्र की मोटा-माटी जानकारी ली। डॉ. त्यागी जब यहां रहने आए थे, तब बड़े वृक्ष गिनती के थे। कॉलोनी के 'सफाई पसंद लोग' भी अपने घरों का कचरा यहां फेंका करते थे। धीरे-धीरे त्यागी जी ने पड़ोसियों के सहयोग से यहां का वातावरण बदलना शुरू किया। वे निजी विद्यालय में हिन्दी के व्याख्याता हैं और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के समर्पित कार्यकर्ता भी हैं। विद्यालय से आने के बाद थोड़ा समय उन्होंने पौधों को देना शुरू किया। अवकाश के दिन सुबह ही अल्मोड़ा को अपने पसीने से सींचने पहुंच जाते। प्रतिवर्ष दक्खिनी बबूल, कटीला, मकोई आदि के झाड़ उगते थे लेकिन बकरी चरानेवाले और लकड़ी के लिए वृक्षों को नुकसान पहुंचाने वाले, इन झाड़ों को भी बढ़ने नहीं देते थे। जब उन्हें पेड़-पौधों को नुकसान पहुंचाने से रोकने का प्रयत्न किया जाता, तब वे विरोध में खड़े हो जाते। डॉ. त्यागी ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों का साथ लेकर इस चुनौती का समाधान किया। इस कार्य में समाजसेवी रमाकांत महते, सुरेन्द्र यादव, नवनीत शर्मा, कर्नल साहब डॉ. आरएस भदौरिया, बीएम बोहरे, महिपाल सिंह भदौरिया, डॉ. नीरज शर्मा, राजपाल सिंह, शिवरतन सिंह चौहान, केपी सिंह भदौरिया, डॉ. दीपक यादव, हरिशंकर त्यागी, दिनेश शर्मा और पुलिस प्रशासन का उल्लेखनीय सहयोग प्राप्त हुआ। यहां यह भी उल्लेख करना आवश्यक होगा कि पौधों के लालन-पालन में त्यागी जी की धर्मपत्नी कांती त्यागी और पुत्र हिमांशु का सहयोग भी रहा है। मुखिया की अनुपस्थिति में अकसर परिजन ही रोपे गए पौधों की देखभाल करते। उन्हें पानी देते। उनकी बागड़ को व्यवस्थित करते।

सबके प्रयासों से कुछ ही वर्षों में यहां नीम, कचनार, कनेर, आम, जामुन, कदम, पीपल, पाकर, बांस, बरगद, खैर, आंवला, मीठा नीम, कटहल, नींबू सहित कई प्रकार के वृक्ष लहलहाने लगे। कभी बबूल के पेड़ों को देख-देखकर उदास बैठा अल्मोड़ा आज भांति-भांति के वृक्षों से सुशोभित होकर उल्लासित हो उठा है। कभी मंद तो कभी तीव्र हवा के प्रवाह से बांस, पीपल, जामुन की पत्तियां आपस में टकराकर मधुर संगीत की सुर-लहरियां कानों तक पहुंचा रही थीं। आज प्रकृति के सान्निध्य में 'चाय पे चर्चा' का कार्यक्रम था। चाय पर चर्चा के दौरान ही डॉ. नरेश त्यागी और कमल किशोर शर्मा जी ने बताया कि अल्मोड़ा की तरह ही, इससे सटी दूसरी पहाड़ी पर बैंक ऑफ महाराष्ट्र से सेवानिवृत्त दिनेश मिश्रा और उनकी धर्मपत्नी ने 'आनंद वन' विकसित किया है। अपने बेटे के असमय निधन से दुखी मिश्रा दंपति ने पौधों को अपना पुत्र मानकर, उनके पालन-पोषण को ही अपने जीवन का व्रत बना लिया। हिन्दू धर्म में वृक्षों के महत्व को प्रतिपादित करते हुए एक वृक्ष की तुलना दस पुत्रों से की गई है-"दशकूप समावापीः दशवापी समोह्रदः। दशह्रद समःपुत्रो दशपत्र समोद्रुमः। वन विकसित करना सरल कार्य नहीं है कि केवल पौधे रोपने भर से काम पूरा हो जाए। पौधों का पालन-पोषण भी करना होता है। पहाड़ी पर पानी की उपलब्धता नहीं थी, इसलिए सबसे बड़ी चुनौती पौधों को पानी देने की ही थी। इस समस्या का समाधान पर्यावरण प्रेमियों ने रचनात्मक ढंग से किया है। अल्मोड़ा में देवी के दो मंदिर भी हैं। देवी का एक स्थान छोटा है, वहीं दूसरा बड़ा मंदिर है। दोनों ही स्थानों से पुलिस हिल और उसकी तलहटी में बसे इस जंगल की खूबसूरती का विहंगम दृश्य देखा जा सकता है। हमारे लिए सीखने, समझने और प्रेरणा लेने का मामला भी है कि यदि आप चाह लें तो बंजर जमीन को भी हरियाली की चादर ओढ़ा सकते हैं। क्या हम पर्यावरण संरक्षण के इन प्रयासों का अनुकरण नहीं कर सकते? क्या हम अपने आसपास छोटे-छोटे 'अल्मोड़ा' और 'आनंद वन' खड़े नहीं कर सकते? अपने जीवन से उनके लिए थोड़ा समय निकालना ही चाहिए।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर-7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

आकांक्षी कार्यक्रम से बदली 25 करोड़ लोगों की जिंदगी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि 112 जिलों में बदलाव लाने वाला आकांक्षी जिला कार्यक्रम आकांक्षी ब्लॉक के उत्थान के कार्यक्रम का आधार बनेगा और वह इसकी सफलता की समीक्षा करने के लिए अगले साल वापस आएंगे।

आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के क्रियान्वयन से जुड़े 'संकल्प सप्ताह' की शुरुआत के मौके पर एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि आकांक्षी जिला कार्यक्रम ने देश के 112 जिलों में 25 करोड़ से अधिक लोगों की जिंदगी बदल दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये आकांक्षी जिले अब ''प्रेरणादायक जिले'' बन गए हैं। मोदी ने कहा कि इसी तरह अगले एक साल में 500 आकांक्षी ब्लॉक में से कम से कम 100 प्रेरणादायक ब्लॉक बन जाएंगे। उन्होंने विभिन्न मंत्रालयों के अधिकारियों से 100 ब्लॉक का चयन करने और विभिन्न मानकों पर उन्हें राष्ट्रीय औसत से ऊपर लाने का अनुरोध किया।

मोदी ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों से कहा कि मुझे विश्वास है कि 2024 में हम अक्टूबर-नवंबर में दोबारा मिलेंगे... और कार्यक्रम की सफलता का मूल्यांकन करेंगे। मैं अगले साल अक्टूबर-नवंबर में आपसे फिर बात करूंगा। इस कार्यक्रम में देश के हर हिस्से से करीब 3,000 पंचायत और प्रखंड (ब्लॉक) के जन प्रतिनिधियों तथा पदाधिकारियों के अलावा सरकारी अधिकारियों ने हिस्सा लिया। ऐसा बताया गया है कि ब्लॉक और पंचायत स्तर के पदाधिकारियों, किसानों और स्थानीय लोगों समेत करीब दो लाख लोग इस कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि आकांक्षी जिला कार्यक्रम स्वतंत्र भारत के शीर्ष 10 कार्यक्रमों की किसी भी सूची में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज होगा।

भारत मंडपम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मोदी ने कहा कि एक महीने पहले विश्व नेताओं की मेजबानी करने वाला और वैश्विक मामलों पर चर्चा का गवाह बनने वाला यह आयोजन स्थल अब देश के दूरदराज के क्षेत्रों के लोगों की भागीदारी से जमीनी स्तर के मुद्दों पर चर्चा के वास्ते आयोजित कार्यक्रम की मेजबानी कर रहा है। प्रगति मैदान में नवनिर्मित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और प्रदर्शनी केंद्र ने 9-10 सितंबर को जी20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी की थी। मोदी ने जमीनी स्तर पर विकास के लिए संसाधनों के अधिकतम उपयोग और जन भागीदारी की महत्ता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि बहुत कम लोगों को इतने लंबे वक्त तक सरकार चलाने का मौका मिलता है, जैसा कि मुझे मिला है। और मैं अनुभव से यह कहता हूं कि केवल बजट से बदलाव नहीं आता, अगर हम संसाधनों और अभिसारिता का अधिकतम उपयोग करें, तो ब्लॉक के लिए किसी नयी निधि के बिना भी काम किया जा सकता है। उन्होंने संसाधनों के समान वितरण पर भी जोर दिया और लक्ष्य को पूरा करने में जन भागीदार बढ़ाने का आह्वान किया।

मोदी ने तीन आकांक्षी जिलों- बहेड़ी (उत्तर प्रदेश), मनकोट (जम्मू-कश्मीर) और रेसुबेलपाड़ा (मेघालय) के प्रतिनिधियों से बातचीत की। प्रधानमंत्री ने सात जनवरी को देशव्यापी आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम की शुरुआत की थी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए ब्लॉक स्तर पर शासन और सार्वजनिक सेवाओं में सुधार लाना है। इसे देश के 329 जिलों के 500 आकांक्षी ब्लॉक में लागू किया जा रहा है। तीन से नौ अक्टूबर तक चलने वाले 'संकल्प सप्ताह' का हर दिन एक विशिष्ट विकास थीम के लिए समर्पित है, जिस पर सभी आकांक्षी ब्लॉक काम करेंगे।

पीएम सहित हिंदू धर्म पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोपित गिरफ्तार

पटना/मुजफ्फरपुर। बिहार में मुजफ्फरपुर जिले की सकरा थाना क्षेत्र अंतर्गत दरधा गांव से शुक्रवार रात एक मुस्लिम युवक को आपत्तिजनक पोस्ट प्रधानमंत्री और हिंदू देवी देवताओं के खिलाफ करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। आरोपित मोहम्मद आकिब ने सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। पुलिस को युवक के मोबाइल फोन में सोशल मीडिया पर अनेकों भड़काऊ पोस्ट देखने को मिले हैं, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित हिंदू धर्म के देवी देवताओं के खिलाफ अभद्रता पूर्वक टिप्पणी लिखी गई है। फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। इस बाबत डीएसपी पूर्वी ने बताया कि एक युवक ने सोशल मीडिया पर धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचने वाला पोस्ट किया था। इसकी गंभीरता को देखते हुए सकरा थाना पुलिस की टीम ने बीती देर रात उसके घर पर छापेमारी कर पकड़ा है।

हिंदू विरोधी मानसिकता से बाज आए तमिलनाडु सरकार: विहिप

नई दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के केंद्रीय संयुक्त महामंत्री डॉक्टर सुरेन्द्र जैन ने तमिलनाडु सरकार चेतावनी दी कि वह हिंदू विरोधी मानसिकता से बाज आए। अगर वह रवैया नहीं बदलेगी तो विहिप वहां बड़ा आंदोलन छेड़ेगी। जैन ने कहा कि स्टालिन सरकार ने पहले सनातन के विरुद्ध विषवमन किया और अब हिंदू संगठनों के शांतिपूर्ण कार्यक्रमों पर रोक लगाकर अपना एजेंडा पूरा करना चाहती है।

जिस काम को करने में 50 वर्ष लगे, पीएम के नेतृत्व में वो 4 काम 3 महीने में हो गए: शाह

गांधीनगर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने अहमदाबाद महानगर पालिका (एएमसी) और अहमदाबाद शहरी सत्तामंडल (औडा) के कुल 1651 करोड़ की लागत के 39 विकास कार्यों का शनिवार को लोकार्पण और भूमिपूजन किया।

इस अवसर पर गांधीनगर के त्रागड में आयोजित सभा में शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के नेतृत्व में राज्य सरकार और अहमदाबाद महानगर पालिका की समग्र टीम नागरिकों के मांगने से पहले ही सुविधाएं दे रही हैं। गांधीनगर लोकसभा क्षेत्र में पिछले 52 महीने में 17,544 करोड़ रुपये के खर्च से 11000 विकास कामों का लोकार्पण और भूमिपूजन हुआ है। इसके बदले गांधीनगर के सांसद के रूप में उन्होंने राज्य सरकार और स्थानीय लोगों को बधाई दी।

केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि एक काम करने में 50 वर्ष लगे, वैसे 4 काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महज 3 महीने में पूरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि जी-20 समिट के अभूतपूर्व आयोजन से विश्वस्तर की ख्याति मिली। इसमें दिल्ली डेकलेरेशन की स्वीकृति सभी भारतीयों के लिए गर्व की बात है।

उन्होंने कहा कि अफ्रीकन यूनियन को जी-20 में शामिल कर नरेन्द्र मोदी ने विश्व को संदेश दिया कि भारत विकसित और विकासशील देशों के साथ है। जी-20 का यह सफल आयोजन अन्य देशों के लिए चुनौती बन जाएगा। शाह ने चंद्रयान की सफलता, नारी शक्ति वंदन कानून, पीएम विश्वकर्मा योजना का उल्लेख किया।

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि नरेंद्र मोदी और अमित शाह के उत्कृष्ट नेतृत्व और मार्गदर्शन के माध्यम से आधुनिकता के साथ सर्वांगीण विकास के माध्यम से 'आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत' का सपना साकार होगा। उन्होंने कहा कि आज राज्य में सड़कों, पुलों, उद्यानों, झीलों सहित विभिन्न बुनियादी सुविधाओं के माध्यम से शहरी विकास को एक नई दिशा मिली है।

महाराष्ट्र सरकार आरक्षण देते समय ओबीसी और मराठा में टकराव पैदा नहीं होने देगी: फडणवीस

चंद्रपुर (महाराष्ट्र)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार आरक्षण प्रदान करते समय ऐसा कोई रुख नहीं अपनाएगी जिससे अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और मराठा समुदाय के बीच टकराव पैदा हो। फडणवीस ने चंद्रपुर पहुंचकर ओबीसी समुदाय के उन सदस्यों से बातचीत की, जो आरक्षण उद्देश्यों के लिए मराठों को ओबीसी खंड में शामिल नहीं करने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ की छात्र शाखा के प्रमुख रवींद्र टोंगे से मुलाकात की। वह पिछले 19 दिन से भूख हड़ताल कर रहे हैं। फडणवीस द्वारा कलेक्टरेट के सामने जूस की पेशकश करने के बाद टोंगे ने अपना धरना समाप्त कर दिया। फडणवीस के साथ कैबिनेट मंत्री सुधीर मुनगंटीवार, विधायक किशोर जोर्गेवार, विधायक कीर्तिकुमार भांगड़िया, राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ के अध्यक्ष बबनराव तायवाड़े और अन्य लोग थे।

संक्षिप्त खबरें

एम. एस स्वामीनाथन का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया

चेन्नई। भारत में हरित क्रांति के जनक एवं कृषि वैज्ञानिक एम. एस. स्वामीनाथन का शनिवार को यहां राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया किया। इस दौरान पुलिस कर्मियों की एक टुकड़ी ने उन्हें सलामी दी। स्वामीनाथन के परिवार के सदस्यों द्वारा बेसेंट नगर विद्युत शवदाह गृह में उनका अंतिम संस्कार किया गया। स्वामीनाथन का गुरुवार को चेन्नई में निधन हो गया था।

बसों में सवार होकर आंदोलन के लिए दिल्ली रवाना हुए तृणमूल समर्थक

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी की घोषणा के मुताबिक आज शनिवार को बड़ी संख्या में तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता एवं समर्थक दिल्ली में केंद्र के खिलाफ आंदोलन के लिए रवाना हुए। इसके लिए अभिषेक बनर्जी के निर्देश अनुसार बसों को किराए पर लिया गया है। कई बसों में भरकर कार्यकर्ताओं को दिल्ली रवाना किया गया। कोलकाता के धर्मतल्ला में दो हजार से अधिक मनरेगा मजदूरों को 50 से अधिक बसों में बैठा कर यह काफिला दोपहर के समय रवाना हुआ। प्रत्येक बस में पार्टी के बड़े नेताओं को भी बैठाया गया है और मजदूरों के खाने-पीने की भी व्यवस्था की गई है। रविवार शाम तक इन बसों के दिल्ली पहुंचने की संभावना है। इससे पूर्व समर्थकों को दिल्ली ले जाने के लिये तृणमूल की तरफ से एक स्पेशल ट्रेन रिजर्व करने का आवेदन दिया गया था।

लाहौल स्पीति में सीजन का पहला हिमपात, मनाली-लेह रोड बाधित

कुल्लू। जनजातीय जिला लाहौल स्पीति में इस सीजन का पहला हिमपात हुआ है। लाहौल स्पीति में हुए हिमपात के बाद साथ लगते कुल्लू जिला में भी ठंड बढ़ गई है। ताजा बर्फबारी के बाद मनाली - लेह सड़क मार्ग बाधित हो गया है। बर्फ की सफेद चादर बिछने के बाद कई वाहन रास्ते में फंस गए हैं। ताजा बर्फबारी के बाद 430 किलो मीटर लंबी मनाली लेह सामरिक मार्ग ट्रेफिक के लिए बंद हो गया है। बर्फबारी के चलते सरचू, जिंगजिंगबार और पतसेऊ इलाके में कई ट्रक फस गए हैं। इसी के साथ लाहुल स्पीति के रिहायशी इलाकों में भी सीजन की पहली बर्फबारी हुई है। सड़क हादसे की आशंका को देखते हुए लाहुल स्पीति प्रशासन ने बीआरओ की सूचना पर दारचा से आगे लेह की तरफ ट्रेफिक को रोक दिया है। बर्फबारी के बाद लाहुल स्पीति में पारा सामान्य से लगभग 8 डिग्री नीचे लुढ़क गया है जिससे पूरा जनजातीय इलाका शीत लहर की चपेट में आ गया है। सीमा सड़क संगठन के 70 आरसीसी के ओसी मेजर रवि शंकर ने बताया कि दारचा से सरचू के बीच लगभग 15 सेंटीमीटर तक हिमपात हुआ है।

मध्य प्रदेश के बैतूल में वायुसेना के दो कर्मचारियों की झरने में डूबने से मौत

बैतूल। मध्य प्रदेश के बैतूल जिले में पिकनिक के दौरान भारतीय वायुसेना के दो कर्मचारियों की झरने में डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना तब हुई, जब वायुसेना के नौ कर्मचारियों का एक समूह शुक्रवार को बैतूल जिला मुख्यालय से लगभग 35 किलोमीटर दूर धनोरा पारसदोह में पिकनिक मनाने गया था। पुलिस के अनुविभागीय अधिकारी (एसडीओपी) भूपेंद्र सिंह मौर्य ने बताया कि वायुसेना के आमला स्टेशन के कर्मचारी धनोरा पारसडोह में पिकनिक पर थे, तभी उनमें से दो झरने में नहाते समय डूब गए। मौर्य के मुताबिक, वायुसैनिक विष्णु दत्त (20) और योगेंद्र धाकड़ (20) झरने में लापता हो गए। उन्होंने बताया कि अलर्ट मिलने के बाद बचावकर्मी मौके पर पहुंचे और शनिवार सुबह दोनों के शव निकाले।

शिवराज का बड़ा ऐलान, सत्ता में रहे तो प्रदेश के हर परिवार को देंगे नौकरी

भोपाल। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वादा किया है कि अगर राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सत्ता बरकरार रहती है, तो पार्टी प्रत्येक परिवार के एक सदस्य को नौकरी देगी। मुख्यमंत्री की यह घोषणा विपक्षी दल कांग्रेस की लगातार इस आलोचना के बीच आई है कि चौहान के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार बेरोजगारी के मुद्दे से निपटने में विफल रही है।

चौहान ने कहा कि मैं (राज्य के लोगों के) जीवन की कठिनाइयों को दूर कर दूंगा। अगर मैं दोबारा सत्ता में आया, तो हर परिवार से एक व्यक्ति को रोजगार दिया जाएगा, ताकि उन्हें पलायन न करना पड़े। चाहे वह स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से हो या उद्यम क्रांति योजना या सरकारी नौकरियों के माध्यम से, हर परिवार से एक व्यक्ति को नौकरी दी जाएगी। चौहान शुक्रवार को आदिवासी बहुल अलीराजपुर जिले में एक रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वह मध्य प्रदेश की धरती की पूजा करने और जनता की सेवा करने के लिए मुख्यमंत्री बने हैं तथा लोगों के जीवन को बदलने के लिए दिन-रात काम किया है। मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणा के बारे में पूछे जाने पर, प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा ने कहा कि ऐसे बयान केवल युवाओं को गुमराह करने के लिए दिए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार पिछले 18 वर्षों में बेरोजगारों को नौकरी देने में विफल रही है।

नगर निकाय चुनाव में महिलाओं को आरक्षण देने का विधेयक पेश, नगालैंड ने उच्चतम न्यायालय को बताया

नई दिल्ली। नगालैंड सरकार ने उच्चतम न्यायालय को सूचित किया है कि शहरी स्थानीय निकायों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाला विधेयक राज्य विधानसभा में पेश किया गया है। नगालैंड विधानसभा ने 12 सितंबर को नगालैंड नगरपालिका विधेयक, 2023 को चयन समिति के पास भेजने का फैसला किया था। राज्य में लंबे वक्त से शहरी स्थानीय निकाय चुनाव लंबित हैं और आखिरी बार चुनाव 2004 में हुआ था। राज्य सरकार ने शीर्ष न्यायालय को बताया कि यह प्रक्रिया ''16 प्रमुख जनजातियों और सात अल्पसंख्यक जनजातियों के प्रमुखों से एक सितंबर 2023 को किए गए विचार विमर्श'' के कारण संभव हुई, जिन्होंने महिलाओं को एक-तिहाई आरक्षण देने पर सहमति जताई है। नगालैंड के महाधिवक्ता ने न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की पीठ को बताया कि यह मामला चयन समिति के पास भेजा गया है। पीठ ने 26 सितंबर को दिए अपने आदेश में कहा कि उन्होंने (महाधिवक्ता) कहा कि मामले को चयन समिति के पास भेजा गया है, जो जल्द ही अपनी रिपोर्ट देगी। तब तक उन्हें उम्मीद है कि विधानसभा विधेयक पारित कर देगी।

सत्ता में आए तो जाति जनगणना करके ओबीसी की संख्या पता लगाएंगे: राहुल

भोपाल। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि अगर उनकी पार्टी केंद्र में सत्ता में आती है, तो वह देश में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लोगों की सही संख्या जानने के लिए जाति आधारित जनगणना कराएगी।

राहुल मध्य प्रदेश के शाजापुर जिले के कालापीपल विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सत्ता में आने के तुरंत बाद, हम सबसे पहला काम देश में ओबीसी की सही संख्या जानने के लिए जाति-आधारित जनगणना कराएंगे, क्योंकि कोई भी उनकी सही संख्या नहीं जानता है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि देश को कैबिनेट सचिव और सचिवों सहित केवल 90 अधिकारी चला रहे हैं, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसदों और विधायकों की देश में नीतियां और कानून बनाने में कोई भूमिका नहीं है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के निर्वाचित सदस्यों के बजाय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सदस्य और नौकरशाह कानून बना रहे हैं। मध्य प्रदेश को देश में भ्रष्टाचार का 'केंद्र' करार देते हुए राहुल ने कहा कि व्यापमं जैसे घोटालों ने राज्य को हिलाकर रख दिया है। एमबीबीएस की सीट बेची जाती है, परीक्षा के पेपर बेचे जाते हैं, लीक होते हैं और बच्चों के भोजन, गणवेश के अलावा महाकाल लोक कॉरिडोर के निर्माण में भी चोरी की गई। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि मध्य प्रदेश में पिछले 18 वर्षों में 18,000 किसानों ने आत्महत्या की है।

मणिपुर में छात्रों पर बल प्रयोग किया, कर्मियों पर होगी कार्रवाई

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने शनिवार को दोहराया कि दो छात्रों की हत्या के सिलसिले में प्रदर्शन कर रहे छात्रों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान अत्यधिक बल प्रयोग करने में संलिप्त सुरक्षा कर्मियों को दंडित किया जाएगा।

उन्होंने लोगों से एकजुट रहने, शांति बनाए रखने और राज्य के दुश्मनों के साथ मिलकर लड़ने की अपील की। सिंह ने इंफाल क्षेत्र में इस सप्ताह मंगलवार और बुधवार को सुरक्षाबलों के साथ झड़प में 100 से अधिक छात्रों के घायल होने पर स्तब्धता जताई। उन्होंने एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से बातचीत करते हुए कहा कि मैं अत्यधिक बल प्रयोग से वास्तव में स्तब्ध हूं...बच्चों के साथ क्या किया गया है। राज्य के मंत्रियों ने व्यक्तिगत रूप से घायल छात्रों से मुलाकात की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि छात्रों को लगी गंभीर चोट के मामलों की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि छात्रों को गंभीर रूप से घायल करने के लिए जिम्मेदार लोगों को गिरफ्तार किया जाएगा और उनपर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

केरल ट्रेन आगजनी मामला: शाहरुख के खिलाफ एनआईए ने दाखिल की चार्जशीट

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने केरल ट्रेन आगजनी मामले में आरोपित शाहरुख सैफी के खिलाफ शुक्रवार को चार्जशीट दाखिल कर दी। वह केरल के कोझिकोड में ट्रेन में यात्रियों पर ज्वलनशील पदार्थ छिड़ककर आग लगाने के मामले में आरोपित है।

दिल्ली के शाहीन बाग निवासी शाहरुख सैफी पर आरोप है कि उसने दो अप्रैल को अलाप्पुझा-कन्नूर इंटर-सिटी एक्सप्रेस ट्रेन के कोझिकोड स्टेशन से रात लगभग 9.30 बजे रवाना होने के बाद डी-1 डिब्बे के यात्रियों पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी थी। इसमें एक बच्चे सहित तीन लोगों की मौत हो गई थी और नौ अन्य लोग झुलस गए थे। एनआईए का आरोप है कि शाहरुख सैफी ने लोगों को मारने की नीयत से बोगी में आग लगाई थी। एनआईए के मुताबिक वह अलाप्पुझा-कन्नूर इंटर-सिटी एक्सप्रेस ट्रेन में सवार हुआ था। इससे पहले वह 31 मार्च को दिल्ली से केरल की यात्रा कर रहा था। वह दिल्ली से शोरनूर रेलवे जंक्शन पहुंचा था। एनआईए ने जांच में पाया कि उसने शोरनूर में एक पंप से पेट्रोल और रेलवे स्टेशन से लाइटर खरीदा था। चूंकि वह अपनी जिहादी प्रवृत्ति के तहत अपने को मशहूर करना चाहता था, इसलिए भी उसने इस घटना को अंजाम दिया। वह सोशल मीडिया पर जेहादी मानसिकता वाले धर्मगुरुओं के संपर्क में था और वह सोशल मीडिया पर आक्रामक बयान भी दे रहा था।

घटना के बाद शाहरुख सैफी रत्नागढ़ (महाराष्ट्र) भाग गया था, जहां से महाराष्ट्र एटीएस ने गिरफ्तार किया था। शुरुआत में कोझिकोड पुलिस ने इसके खिलाफ मामला भी दर्ज किया था। गृह मंत्रालय के निर्देश पर 17 अप्रैल को यह मामला एनआईए ने अपने हाथ में ले लिया।

समाज में परिवर्तन तब आएगा, जब हम अपने सांस्कृतिक मूल्यों का आदर करेंगे: उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम की आलोचना कर राजनैतिक लाभ अर्जित करने के प्रयास को मानवता के लिए घातक बताया। उपराष्ट्रपति ने भारतीय मूल्यों के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि समाज में परिवर्तन तब आएगा जब हम अपने सांस्कृतिक मूल्यों का आदर करेंगे। उन्होंने कहा भारतीयता और भारत हमारे लिए सर्वोपरि हैं, हमें भारतीय होने पर गर्व करना चाहिए। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को नई दिल्ली में संकल्प फाउंडेशन और पूर्व सिविल सेवा अधिकारी संघ को संबोधित किया। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने वरिष्ठ समाजसेवी माधव विनायक कुलकर्णी 'मधु भाई' को 'ऋषि सम्मान' से सम्मानित करते हुए कहा कि मधु भाई को सम्मानित करना मेरे लिए गौरव की बात है। उन्होंने आगे कहा कि मधु भाई का जीवन सादगी से पूर्ण है और ऐसे व्यक्तित्व का सम्मान करना समाज में स्थापित मूल्यों का सम्मान करना है।

वर्ल्ड कप मैच में धमकी के बाद नरेंद्र मोदी स्टेडियम की सुरक्षा में जुटीं एजेंसियां

अहमदाबाद। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में वर्ल्ड कप क्रिकेट मैच के दौरान खालिस्तानी आतंकियों की धमकी को लेकर राज्य की पुलिस के साथ केंद्रीय एजेंसी अलर्ट है। खालिस्तानी आतंकी ने ऑडिया क्लिप वायरल कर स्टेडियम में खालिस्तानी झंडा फहराने की धमकी दी है। मामले की गंभीरता को लेकर गुजरात पुलिस ने केन्द्रीय एजेंसियों से मदद मांगी है। इसके बाद अब केंद्र की विभिन्न जांच एजेंसी एनआईए, रॉ और सेंट्रल आईबी मिलकर मामले की जांच करेगी।

इस मामले में अहमदाबाद साइबर क्राइम के साथ देश की टॉप जांच एजेंसी मिलकर काम करेगी। अहमदाबाद साइबर क्राइम ने खालिस्तानी समर्थक पन्नू के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। इस केस में अब देश की टॉप जांच एजेंसी एनआईए, रॉ, सेंट्रल आईबी शामिल हो गई है। इसके लिए प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। अहमदाबाद साइबर क्राइम के डीसीपी अजीत राजियाण ने मीडिया को बताया कि साइबर क्राइम के साथ अब सेंट्रल की जांच एजेंसियां जुड़ कर काम करेगी। आगामी 5 अक्टूबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में वर्ल्ड कप क्रिकेट के पहले मैच में खालिस्तानी आतंकी संगठन की घमकी पर अहमदाबाद साइबर क्राइम ब्रांच में प्राथमिकी दर्ज की गई है। खालिस्तानी आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस के आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने वर्ल्ड कप क्रिकेट मैच को लेकर धमकी दी है। क्रिकेट वर्ल्ड कप की शुरुआत आगामी 4 अक्टूबर को होगी। पहले दिन अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में वर्ल्ड कप की ओपनिंग सेरेमनी होगी। इसके बाद 5 अक्टूबर को इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच पहला मैच खेला जाएगा।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में कई जगहों पर एनआईए के छापे

पुंछ। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के ग्राम ढांगरी में हुए आतंकी हमले की जांच के सिलसिले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार को पुंछ जिले में कई जगहों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय पुलिस की सहायता से एनआईए की कई टीमों ने शनिवार को पुंछ जिले में चार अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी की। छापेमारी फिलहाल जारी है। पुंछ जिले के गुरसाई गांव के दो लोगों पर आतंकियों को शरण देने के मामले में एनआईए पहले ही मामला दर्ज कर चुकी है। उल्लेखनीय है कि विगत एक जनवरी को ग्राम ढांगरी में हुए आतंकी हमले में सात लोगों की मौत हो गयी थी और 13 घायल हो गए थे।

भोपाल में गरजे लड़ाकू विमान, वायु सेना ने एयर शो में दिखाई ताकत

भोपाल। राजधानी भोपाल के बड़ा तालाब के ऊपर शनिवार को भारतीय वायुसेना ने अपने शौर्य और करतब का प्रदर्शन किया।

भारतीय वायुसेना के 91वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में यहां बड़ा तालाब के बोट क्लब क्षेत्र में आसमान में वायु सेना के लड़ाकू विमानों ने उड़ान भरी। इस अवसर पर राज्यपाल मंगूभाई पटेल और मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के अलावा वायुसेना के अधिकारी कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहे। सुबह से ही बोट क्लब पर एयर शो को देखने के लिए लोगों की भीड़ पहुंच गई थी। सुबह साढ़े नौ बजे कार्यक्रम शुरू हुआ। एयर शो में तेजस, आकाश गंगा, चिनूक, रुद्र, बादल, शमशेर, त्रिशूल, सारंग, जगुआर, सूर्य किरण जैसे विमान और हेलीकाप्टरों ने हैरतअंगेज कारनामें दिखाये। इस आयोजन में देशभर के करीब 400 पायलटों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने सहभागिता की।

बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के 28वें दीक्षांत समारोह में शामिल हुई कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल

युवाओं के ज्ञान और कौशल से वैश्विक नेतृत्व में भारत निभाएगा अग्रणी भूमिका: राज्यपाल

झांसी। बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के 28वें दीक्षांत समारोह का आयोजन गांधी सभागार में किया गया। कुलाधिपति एवं राज्यपाल, उत्तर प्रदेश सरकार, आनंदीबेन पटेल ने कहा कि वह वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई, झलकारी बाई, आल्हा ऊदल एवं अन्य वीरों की भूमि को प्रणाम करती हैं। आभासी माध्यम से दीक्षांत समारोह में सम्मिलित होते हुए उन्होंने पुरस्कार और पदक प्राप्त करने के साथ ही सभी उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं प्रदान की। सेंसस डाटा रिसर्च वर्कस्टेशन का लोकार्पण किया।

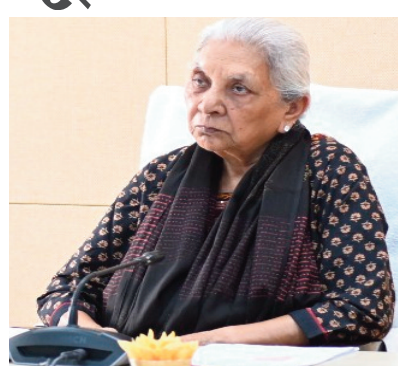

उन्होंने कहा कि जीवन आगे बढ़ने का नाम है आपके ज्ञान और कौशल से देश निश्चित ही वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान सुदृढ़ कर सकेगा। उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित होने से लोकतंत्र की आधी आबादी को राष्ट्रीय नेतृत्व का सुअवसर प्रदान होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं की सुरक्षा में वृद्धि के साथ-साथ उनके जीवन में समृद्धि का नया स्वर्ण काल प्रारंभ हुआ है। उन्होंने चंद्रयान की सफलता के लिए वैज्ञानिकों के परिश्रम एवं लक्ष्य के प्रति एकाग्रता का जिक्र करते हुए कहा कि छात्र भी इस मार्ग पर चलते हुए राष्ट्र गौरव में सहभागी बन सकते हैं। आज जी 20 की अध्यक्षता से भारत ने वैश्विक नेतृत्व में अपने कदम बढ़ा दिए हैं। उन्होंने बुंदेलखंड विश्वविद्यालय द्वारा सूचना एवं प्रौद्योगिकी के समावेश आधारित शिक्षा प्रणाली की प्रशंसा की। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत किए जा रहे प्रयासों को सराहा। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा 100 से अधिक एमओयू करने एवं वर्षा जल संचयन के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने विश्वविद्यालय को विश्वकर्मा जयंती पर भारत सरकार द्वारा जारी की गई पीएम विश्वकर्मा योजना के संभावित लाभार्थियों को जागरूक करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 02 अक्टूबर को 01 घंटे के लिए विशेष रूप से स्वच्छता अभियान मे श्रम दान करने के लिए कहा। अंत में सभी छात्रों एवं बुंदेलखंड विश्वविद्यालय के उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर कुल 34 कुलाधिपति पदक प्रदान किए गए। कुलाधिपति स्वर्ण पदक समस्त परीक्षाओं में सर्वाधिक प्राप्तांक प्रतिशत के लिए अमन सोनी पुत्र संतोष सोनी एमएससी कृषि एंटोमोलॉजी को प्रदान किया गया। समस्त परीक्षाओं में छात्रों में सर्वाधिक प्राप्तांक प्रतिशत के लिए रिशिता द्विवेदी पुत्री मनोज कुमार द्विवेदी एमएससी वनस्पति विज्ञान को प्रदान किया गया। इसके साथ ही 46 विन्यासीकृत पदक प्रदान किए गए। कुल पदकों में छात्राओं ने 68 प्रतिशत एवं छात्रों ने 32 प्रतिशत पदक प्राप्त किये। 100 छात्र छात्राओं को विभिन्न विषयों में पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। विभिन्न संकायों के 61854 छात्र-छात्राओं को स्नातक एवं परास्नातक की परीक्षा उत्तीर्ण करने पर डिग्री प्रदान की गई। इस वर्ष दो विन्यासीकृत पदक प्रारंभ किए गए स्वर्गीय पंडित रमेश कुमार शर्मा स्वर्ण पदक एम ए इतिहास हेतु एवं डॉ मधु श्रीवास्तव लोक कलाविद स्वर्ण पदक ललित कला एमएफए हेतु प्रदान किए गए। इस अवसर पर कुल 34 कुलाधिपति पदक प्रदान किए गए। विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय भी कार्यक्रम में आभासी माध्यम से सम्मिलित हुए। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं दी।कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि रजनी तिवारी राज्य मंत्री उच्च शिक्षा उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा कि यह कार्यक्रम छात्र एवं छात्राओं के लिए किया गया है। इसका उद्देश्य छात्र-छात्राओं को आशीर्वाद प्रदान करना है।

अयोध्या के मणिपर्वत के प्रांगण में स्थापित होगा श्रीराम स्तम्भ

अयोध्या। वाल्मीकि रामायण के प्रसंगों को क्षेत्रीय भाषाओं में अंकित कर रामवन गमन मार्ग पर चिंहित स्थानों पर लगाने के लिये पिंकसैंड स्टोन से निर्मित श्रीराम स्तम्भ रविवार एक अक्टूबर को अयोध्या के कारसेवकपुरम पहुंचेगा। जिसका वैदिक मंत्रोचारण करके पूजन किया जायेगा। विहिप के मीडिया प्रभारी शरद शर्मा ने शनिवार को बताया कि विहिप संरक्षक स्व अशोक सिंहल के जन्मोत्सव सताईस सितंबर से अशोक सिंहल फाउंडेशन द्वारा निशुल्क कृतिम अंग वितरण शिविर लगातार चल रहा है,शिविर का समापन एक अक्टूबर को होगा,जिसमें संत धर्माचार्यों के साथ ही प्रशासनिक अधिकारी और लाभान्वित दिव्यांग उपस्थित रहेंगे।

इसमें सैकड़ों दिव्यांगजनों को ट्राईसाइकिल, व्हील चेयर, बैशाखी, सुनने वाली कान की मशीन,के अलावा कृतिम अंग दिये जायेंगे। उन्होंने बताया इस सामाजिक कार्य की हर ओर सराहना हो रही है,प्रत्येक वर्ष शिविर के आयोजन में संतों और वरिष्ठ नागरिकों का आशीर्वाद भी मिल रहा है। जिससे आयोजक मंडल और व्यवस्था में लगे कार्यकर्ताओं का लगातार उत्साहवर्धन हो रहा है। उन्होंने बताया एक अक्टूबर को शिविर समापन के पूर्व दोपहर बारह बजे अशोक सिंहल फाउंडेशन द्वारा संत धर्माचार्यों और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चम्पतराय सहित विशिष्ट जनों की विशेष उपस्थिति में श्रीराम स्तम्भ का भी अयोध्या धाम पहुंचने पर कारसेकपुरम में पूजन अर्चन किया जायेगा। उसके उपरांत स्तम्भ को मणिपर्वत के प्रांगण में स्थापित कर, श्रीराम वन गमन मार्ग पर लगाने की प्रक्रिया प्रारंभ हो जायेगी।

उन्होंने बताया पिंकसैंड स्टोन्स से निर्मित स्तम्भ आज शनिवार को दोपहर बाद राजस्थान से एक बड़े सुसज्जित ट्रक में रखकर और श्रमिकों के साथ रवाना हो गया है। स्तम्भ की ऊंचाई 15 फिट तथा चौडाई तीन से चार फिट है।

भूसा खरीद में गड़बड़ी को लेकर ईओ, लिपिक समेत 3 निलंबित

जालौन। जिले की कदौरा तहसील में कान्हा गौशाला में गौवंशों के लिए भूसा खरीद में घोटाला हुआ है। इसमें जिलाधिकारी राजेश पांडेय ने कार्रवाई करते हुए ईओ, लिपिक समेत तीन कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है।

कदौरा तहसील में कान्हा गोशाला में गोवंशों के भूसा खरीद में सफाई कर्मी के खाते में रुपये डाले गए थे। इसी मामले में जिलाधिकारी राजेश पांडेय ने बड़ा कदम उठाते हुए नगर पंचायत के निवर्तमान अधिशासी, वरिष्ठ लिपिक व सफाई कर्मी को निलंबित कर दिया है। भूसा खरीद के लिए सफाई कर्मी के खाते में 2 लाख 29 हजार रुपये का भुगतान कर दिया गया था, जो नियम के विरुद्ध था। एनजीटी टीम ने रविवार को निरीक्षण कर जिम्मेदारों से भूसा खरीद के अभिलेख मांगें, जिसमें नगद भुगतान पाया गया। जिलाधिकारी के निर्देश पर उपजिलाधिकारी कालपी की अध्यक्षता में एक टीम ने तीनों को दोषी पाया। इस पर जिलाधिकारी ने निवर्तमान अधिशासी अधिकारी पवन कुमार मौर्य, वरिष्ठ लिपिक राधा बल्लभ चतुर्वेदी और सफाई कर्मी भारत प्रजापति को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

58 लाख रुपये के गबन मामले में मुरादाबाद और जालौन के डीपीआरओ निलंबित

जालौन। जनपद में 58 लाख रुपये के गबन मामले में, मुरादाबाद और जालौन जनपद के डीपीआरओ निलंबित किए गए हैं। जिलाधिकारी राजेश पांडे ने यह कार्रवाई जिला पंचायत राज विभाग में हुए भ्रष्टाचार को लेकर की है। विभाग में 58 लाख रुपये के घोटाले का मामला सामने आया था। जालौन के तत्कालीन जिला पंचायत राज अधिकारी अवधेश सिंह व मुरादाबाद पंचायत राज अधिकारी अभय यादव को निलंबित किया गया है। विभागीय अधिकारियों द्वारा सरकारी धन के हेरफेर का मामला सामने आया था। इस पर जिलाधिकारी ने पूरे मामले में जांच कमेटी बनाई थी। कमेटी से मिली रिपोर्ट को जिलाधिकारी ने शासन को भेजी थी। जांच रिपोर्ट के आधार पर कम्प्यूटर ऑपरेटर व सफाई कर्मी द्वारा 58 लाख 98 हजार रुपये का गबन पाया गया, जिसके बाद इस कार्यवाही को अमल में लाया गया है।

शराब पीने से दो मजदूरों की मौत, एक की हालत नाजुक

उन्नाव। शनिवार को शराब पीने से दो युवकों की मौत का मामला सामने आया है। पुलिस और आबकारी विभाग की टीम ने जांच शुरू कर दी है। बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र के ग्राम गौरिया कला स्थित सरकारी अस्पताल के परिसर में लंबी-लंबी घास को उग आयी है। फार्मासिस्ट ने शुक्रवार को घास को काटने के लिए तीन मजदूर विजय , कौशलेंद्र शुक्ला और प्यारे लाल को लगाया गया था। शनिवार दोपहर को काम करने के बाद विजय और कौशलेंद्र ने गांव के ठेके से शराब खरीदी थी। तीनों ने मिलकर पी और काम करने लगे। एक घंटे के बाद कौशलेंद्र शुक्ला की तबीयत बिगड़ गई। परिजन उसे अस्पताल ले जाने की तैयारी कर रहे थे, तभी उसने दम तोड़ दिया। थोड़ी ही देर बाद विजय की भी हालत बिगड़ने पर परिजन उसे औरास के सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने हालत नाज़ुक देखकर उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। परिजन विजय को इलाज के लिए निजी साधन से लेकर लखनऊ जा रहे थे, तभी रास्ते में दूसरे मजदूर की भी मौत हो गई। तीसरे मजदूर प्यारे लाल ने कम शराब पी थी, इसलिए उसकी जान बच गई। इस मामले में पुलिस का कहना है कि मजदूर किस ठेके से शराब लेकर आये थे, इसको लेकर आबकारी टीम के साथ मामले को लेकर जांच की जा रही है।

फिल्म अभिनेता अनुपम खेर ने अयोध्या पहुंच रामलला के किए दर्शन

अयोध्या। अभिनेता अनुपम खेर ने शनिवार को श्रीराम जन्मभूमि में रामलला के दर्शन किए। इसके बाद उन्होंने मंदिर निर्माण कार्य को देखा। उन्होंने कनक भवन में भी अपनी हाजिरी लगाई। इस दौरान उन्होंने वीडियो कॉल के जरिए अपनी वृद्ध माता को भी कनक बिहारी सरकार के दर्शन कराए। उन्होंने भगवान के साथ सेल्फी भी खींची। अनुपम खेर ने पत्रकारों से कहा कि यह धरती बहुत पवित्र है। यहां के कण-कण में भगवान राम विराजमान हैं।

मेरी पूरे भारत और पूरे विश्व में रहने वाले सनातन धर्मावलंबियों से अपील है कि वह अयोध्या जरूर आएं और यहां आकर रामलला का सानिध्य प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि आज भगवान रामलला से सभी सनातन धर्मावलंबियों के कल्याण के लिए आशीर्वाद मांगा है। मैंने तो उनके लिए भी आशीर्वाद मांगा है, जो सनातन को नहीं मानते हैं। भगवान राम सभी का कल्याण करें।

इसके पहले अनुपम खेर ने अपनी लघु फिल्म को लॉन्च कर हनुमानगढ़ी में दर्शन-पूजन किया और रामलला सदन देव स्थान रामकोट में संतों से आशीर्वाद प्राप्त किया। अयोध्या में दर्शन पूजन के बाद वे लखनऊ के लिए रवाना हुए।

महात्मा गाँधी की जयंती से यूपीनेडा प्रारंभ करेगा हर घर सोलर अभियान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा के निर्देश पर राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की जयन्ती 02 अक्टूबर से यूपीनेडा लखनऊ एवं वाराणसी सोलर सिटी में रहर घर सोलर अभियानर प्रारम्भ करेगा। यह अभियान पूरे माह आयोजित किया जाएगा।

निदेशक यूपीनेडा अनुपम शुक्ला ने शनिवार को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि "हर घर सोलर अभियान" के अंतर्गत पहला बूट कैम्प लखनऊ के विकास भवन में तथा वाराणसी में नगर निगम कार्यालय के निकट आयोजित किया जाएगा। उन्होने बताया कि उपभोक्ताओं के हित में आयोजित इस कैम्प में आवासीय एवम् व्यवसायिक उपभोक्ताओं के साथ-साथ अन्य विभिन्न विभागों के सम्बधित अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा भी प्रतिभाग किया जायेगा। कैम्प के दौरान सोलर रूफटॉप संयंत्र की स्थापना के सम्बन्ध में लोगों को विस्तृत जानकारी प्रदान की जायेगी।

साथ ही आवेदन की प्रक्रिया तथा नेट-मीटर की स्थापना की प्रक्रिया के सम्बन्ध में भी जानकारी दी जायेगी।

कर्मचारियों की पीड़ा के साथ न्याय मानवता की दृष्टि ही कर सकती,व्यवस्था का अहंकार नहीं: वरुण गांधी

अमेठी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद वरुण गांधी ने अमेठी में अपने पिता संजय गांधी के नाम पर बने अस्पताल का पंजीकरण निरस्त करके उसकी सेवाओं पर रोक लगाये जाने पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि अस्पताल के 450 कर्मचारियों और उनके परिवार की पीड़ा के साथ न्याय 'मानवता की दृष्टि' ही कर सकती है, 'व्यवस्था का अहंकार' नहीं।

उत्तर प्रदेश के पीलीभीत से भाजपा सांसद वरुण गांधी ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए लिखा 'सवाल संजय गांधी अस्पताल के 450 कर्मचारियों और उनके परिवार का ही नहीं, प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में इलाज कराने वाले राज्य के आम लोगों का भी है।' इसी पोस्ट में सरकार के फैसले पर निशाना साधते हुए गांधी ने कहा कि उनकी (कर्मचारियों) पीड़ा के साथ न्याय 'मानवता की दृष्टि' ही कर सकती है, 'व्यवस्था का अहंकार' नहीं।' गांधी ने कहा कि कहीं 'नाम' के प्रति नाराजगी लाखों का 'काम' न बिगाड़ दे। गांधी ने इस पोस्ट में एक वीडियो भी साझा किया है जिसमें अस्पताल के कर्मचारियों और स्थानीय नागरिकों को अस्पताल बंद होने पर अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए सुना जा सकता है।

वरुण गांधी पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के पौत्र और संजय गांधी के पुत्र हैं। दिवंगत संजय गांधी अमेठी से सांसद रह चुके हैं। लाइसेंस निलंबन के विरोध में मंगलवार से 400 से अधिक कर्मचारियों ने अस्पताल के गेट पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। इसके पहले वरुण गांधी ने संजय गांधी अस्पताल के लाइसेंस को निलंबित करने के मामले में 22 सितंबर को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक को पत्र लिखकर फैसले पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया था और अस्पताल का लाइसेंस निलंबित करने को अन्यायपूर्ण कार्रवाई करार दिया था। पत्र में अस्पताल की विशेषता का जिक्र करते हुए वरुण गांधी ने कहा था, "इस अस्पताल का शिलान्यास पूर्व प्रधानमंत्री इन्दिरा गांधी ने 1982 में किया था। यह कई दशकों तक अमेठी और इसके पड़ोसी जिलों में लोगों के लिए स्वास्थ्य देखभाल सहायता के एक दृढ़ स्तम्भ के रूप में खड़ा रहा है।

उन्होंने कहा था कि अस्पताल के लाइसेंस निलंबन से क्षेत्र के स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण शून्य पैदा हो जाएगा जिसका हमारे नागरिकों की भलाई पर गहरा प्रभाव पड़ेगा। उत्तर प्रदेश के अमेठी में इलाज में कथित लापरवाही के कारण एक महिला की मौत के बाद संजय गांधी अस्पताल के लाइसेंस को निलंबित करने के खिलाफ कर्मचारियों का धरना शनिवार को भी जारी रहा। अस्पताल के कर्मचारियों ने मंगलवार से धरना शुरू किया था। समाजवादी पार्टी (सपा) के गौरीगंज क्षेत्र से विधायक राकेश प्रताप सिंह कई ग्राम प्रधानों के साथ धरने में शामिल हुए।

छह जिलों के जिलाधिकारी सहित 10 IAS अधिकारियों के तबादले

लखनऊ। राज्य सरकार ने शनिवार को उत्तर प्रदेश में 10 आईएएस अधिकारियों के तबादले कर दिए। इनमें छह जिलों के जिलाधिकारी के बदले गए हैं। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि, एम देवराज प्रमुख सचिव प्राविधिक शिक्षा विभाग के साथ-साथ प्रमुख सचिव, व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया।

डॉ. एमकेएस सुंदरम को प्रमुख सचिव, व्यासायिक शिक्षा तथा कौशल विभाग से प्रमुख सचिव, बेसिक शिक्षा विभाग, पार्थ सारथी सेन शर्मा, प्रमुख सचिव, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण वर्तमान पद के साथ प्रमुख सचिव, चिकित्सा शिक्षा विभाग का अतिरिक्त प्रभार मिला है। बाल कृष्ण त्रिपाठी को विशेष, सचिव, कृषि उत्पादन आयुक्त शाख, से प्रभारी, चित्रकूट धाम मंडल नियुक्त किया है। सी इन्दुमती को मिशन निदेशक, उप्र राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से जिलाधिकारी फतेहपुर बनाया गया है। कृत्तिका ज्योसना, विशेष सचिव, खाद्य एवं रसद विभाग तथा प्रबंध निदेशक, उप्र राज्य खाद्य एवं आवश्यक वस्तु निगम जिलाधिकारी सुलतानपुर बनाया है।

इनके अलावा अनुनाया झा को मथुरा के नगर आयुक्त पद से हटाकर जिलाधिकारी महाराजगंज, सत्येंद्र कुमार को जिलाधिकारी महराजगंज से बाराबंकी जिलाधिकारी, अविनाश कुमार को बाराबंकी जिलाधिकारी से झांसी और रविन्द्र कुमार द्वितीय को झांसी जिलाधिकारी के पद से हटाकर बरेली का नया जिलाधिकारी बनाया गया है।

स्मार्ट कानपुर सिटी बनाने के लिए सीएसए ने बढ़ाए कदम

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर ने सहृदयता दिखाते हुए उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा कानपुर को स्मार्ट सिटी बनाने में किया जा रहे प्रयासों में एक और कदम आगे बढ़ाया है। विश्वविद्यालय ने फसल शोध केंद्र नवाबगंज प्रक्षेत्र की 36.5 एकड़ जमीन को स्थाई रूप से एवं 12 एकड़ जमीन को अस्थाई रूप से मेट्रो रेल कॉरपोरेशन को हस्तांतरित कर दी है।

यह जानकारी शनिवार को मीडिया प्रभारी डॉ.खलील खान ने दी। उन्होंने बताया कि महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि इस जमीन से गेहूं की 42 एवं जौ की 33 प्रजातियों का विकास किया जा चुका है। यही से 2004 में देश का पहला अर्थविद गेहूं के पद का सृजन भी हुआ था, और यह सन 1904 से अद्यतन देश की हरित क्रांति के साथ ही खाद्य सुरक्षा का सहयोगी रहा है। भूमि स्थानांतरण संबंधी अनुबंध पत्र पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय की ओर से निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र प्रोफेसर विजय कुमार यादव तथा कानपुर मेट्रो रेल कारपोरेशन के परियोजना निदेशक अरविंद कुमार सिंह ने 29 सितम्बर को अनुबंध पत्र पर आज हस्ताक्षर किया।

तथा संबंधित अभिलेख एवं अनुबंध पत्रों का आदान-प्रदान भी किया। कुलपति ने मेट्रो कॉरपोरेशन के परियोजना निदेशक से ये भी आश्वासन लिया कि विश्वविद्यालय के सौंदर्यीकरण आदि में मैट्रो अपना सहयोग देती रहे। इस अनुबंध पत्र के अंतर्गत पीडब्ल्यूडी द्वारा चिन्हांकित निर्माण सूची की प्लिंथ एरिया के बराबर विश्वविद्यालय में चिह्नित भूमि पर विभाग, अनुभाग, कार्यालय एवं आवास को कानपुर मेट्रो बनाकर हस्तगत करेगा। साथ ही प्रक्षेत्र पर अवस्थापित सीसी रोड, नलकूप, थ्रेशिंग फ्लोर और जो भी प्रभावित होंगे उन्हें भी विश्वविद्यालय को बनाकर हस्तगत कर दिया जाएगा। विश्वविद्यालय परिक्षेत्र के अंतर्गत वन संपदा का वन विभाग द्वारा मूल्यांकन उपरांत कुल मूल्यांकित धन राशि विश्वविद्यालय के पक्ष में उपलब्ध कराने की सहमति बनी। कानपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन सीएसए में मेट्रो यार्ड के साथ ही मेट्रो स्टेशन को भी भव्यता के साथ बनाएगा।

मेट्रो यार्ड एवं सीएसए मेट्रो स्टेशन से कानपुर यातायात में आधारभूत परिवर्तन के साथ ही स्मार्ट कानपुर सिटी को भी प्रतिबिंबित करेगा।

योगीराज में घटे अपराध,खराब जिलों को चेतावनी

छह वर्षों में जघन्य अपराध हत्या, लूट, डकैती और बलात्कार के मामलों में दर्ज की गई कमी

लखनऊ। यूपी में पिछले छह वर्षों में जघन्य अपराध हत्या, लूट, डकैती और बलात्कार के मामलों में काफी कमी दर्ज की गयी है। राज्य सरकार के प्रवक्ता का कहना है कि छह वर्षों में प्रदेश के अंदर हत्या में नौ प्रतिशत और डकैती में 16 फीसद की कमी आयी है। हाल ही में कानून व्यवस्था की हाई लेवल मीटिंग में यूपी पुलिस के उच्च अधिकारियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष पिछले आठ माह की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि प्रदेश में पिछले 06 वर्षों में जघन्य अपराध हत्या, लूट, डकैती और बलात्कार के मामलों में काफी कमी दर्ज की गयी है। बैठक में इन मामलों में ताबड़तोड़ कार्रवाई करने और लगाम लगाने वाले टॉप फाइव और बॉटम के पांच जिलों की रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खराब प्रदर्शन करने वाले जिलों के अधिकारियों को सुधार लाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि अगले माह की बैठक में उनकी रिपोर्ट संतोषजनक नहीं मिली तो एक्शन लिया जाएगा। चंदौली, औरेया और ललिपुर को मुख्यमंत्री ने दी चेतावनी। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में पिछले आठ माह में हत्या के 1921 अभियोग पंजीकृत किये गये, जिसमें से 1322 में आरोप पत्र एवं 90 में अन्तिम रिपोर्ट लगायी वहीं 509 विवेचनाधीन हैं। पिछले 06 वर्षों में प्रदेश में हत्या में 9.02 प्रतिशत की कमी आयी है। उक्त अभियोगों में संलिप्त 4705 अभियुक्तों में से 4230 अभियुक्तों के खिलाफ कार्यवाही गयी तथा 475 अभियुक्त वांछित हैं, जिसके लिये लगातार छापेमारी की जा रही है।

वहीं महोबा, श्रावस्ती, सीतापुर, जालौन और कौशाम्बी में मामले बढ़े हैं। इस पर मुख्यमंत्री योगी ने इस जिलों के अधिकारियों को इन पर लगाम लगाने के निर्देश दिये हैं। वहीं हत्या के मामलों में ताबड़तोड़ कार्रवाई करने वालों में अमरोहा, झांसी, जालौन और हरदोई शामिल हैं, जबकि चंदौली, औरेया, ललितपुर और बांदा का प्रदर्शन खराब रहा है। इस सीएम ने इन जिलों के अधिकारियों को सुधारने लाने के साथ सख्त चेतावनी दी है। इसी तरह प्रदेश में लूट के 789 अभियोग पंजीकृत किये गये, जिसमें से 589 में आरोप पत्र एवं 20 में अन्तिम रिपोर्ट लगायी। वहीं 180 विवेचनाधीन हैं। पिछले आठ माह में प्रदेश में लूट के 24.61 प्रतिशत की कमी आयी है।

उक्त अभियोगों में संलिप्त 2222 अभियुक्तों में से 2118 अभियुक्तों के खिलाफ कार्यवाही गयी तथा 104 अभियुक्त वांछित हैं, जिसके लिये लगातार छापेमारी की जा रही है। वहीं महाराजगंज, ललितपुर, संतकबीरनगर, बलरामपुर और कासगंज में मामले बढ़े हैं। लूट के मामले में एकाएक कार्रवाई करने वाले जिलों में फिरोजाबाद, पीलीभीत शाहजहांपुर, मुरादाबाद, सहारनपुर शामिल हैं जबकि प्रयागराज कमिश्नरेट, कौशांबी, देवरिया, अमेठी और महोबा का प्रदर्शन खराब रहा।

बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बताया कि प्रदेशभर में डकैती के 30 अभियोग पंजीकृत किये गये, जिसमें 18 में आरोप पत्र दाखिल किए गए हैं। वहीं 12 मामले विवेचनाधीन हैं। पिछले 06 वर्षों में प्रदेशभर में डकैती में 16.22 प्रतिशत की कमी आयी है। इन अभियोगों में संलिप्त कुल 224 अभियुक्तों में से 200 अभियुक्तों के खिलाफ कार्यवाही की गयी तथा 24 अभियुक्त वांछित हैं।

वहीं कुछ जिलों में बढ़ोत्तरी हुई है, जिसमें वाराणसी कमिश्नरेट, झांसी, अमेठी, औरैया और कन्नौज शामिल हैं। वहीं फिरोजाबाद, बाराबंकी, सीतापुर, ललिपुर और कासगंज ने डकैती के मामलों में ताबड़तोड़ कार्रवाई करने में अच्छा प्रदर्शन किया है जबकि कन्नौज, हाथरस, बदायूं, औरैया और प्रयागराज कमिश्नरेट का प्रदर्शन खराब रहा।

रेप के मामलों में भी तेज गति से हुई कार्रवाई

सरकारी प्रवक्ता के अनुसार इसी तरह प्रदेश में रेप के 1869 अभियोग पंजीकृत किये गये, जिसमें 1359 में आरोप पत्र एवं 220 में अन्तिम रिपोर्ट प्रेषित की गयी। वहीं 290 विवेचनाधीन हैं। इन अभियोगों में संलिप्त कुल-2578 अभियुक्तों में से 2325 अभियुक्तों के खिलाफ कार्रवई की गयी तथा 253 अभियुक्त वांछित हैं। बलात्कार में कुछ जिलों में वृद्धि हुई है, जिसमें फतेहगढ़, सीतापुर, खीरी, कौशांबी और हमीरपुर हैं। वहीं बलात्कारियों पर कहर बन तेजी से कार्रवाई करने वाले टॉप 05 जिलों में बदायूं, मुरादाबाद, बिजनौर, अमरोहा और संभल शामिल हैं जबकि प्रयागराज कमिश्नरेट, शाहजहांपुर, बलरामपुर, कौशाम्बी और फतेहपुर का प्रदर्शन काफी खराब रहा।

जिलाधिकारी अभिषेक आनंद के प्रयासों से बदल रही पौराणिक तीर्थ चित्रकूट की तस्वीर

चित्रकूट। उत्तर प्रदेश के तेज तर्रार आईएएस अधिकारियों में शुमार चित्रकूट के जिलाधिकारी अभिषेक आनंद प्रदेश के मुखिया योगी आदित्यनाथ के पावन और मनभावन चित्रकूट की परिकल्पना को साकार रूप देने में जुटे हुए हैं।

अपराध के लिए कुख्यात रहा चित्रकूट आज देश के प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप विख्यात हो चुका है। शहर में बनाये गये सेल्फी प्वाइंट आज देश-विदेश से आने वाले सैलानियों के आकर्षण का केंद्र बन गये हैं। विंध्य पर्वत श्रृंखला के मध्य यूपी-एमपी के बीच बसा बुंदेलखंड का चित्रकूट जनपद चार दशकों तक ददुआ, ठोकिया, बबली कोल आदि दुर्दांत डकैतों के आतंक के शिकार रहा है।

भगवान श्रीराम की तपोभूमि होने के बावजूद दुर्दांत डकैतों की दहशत के चलते विदेशी तो दूर देशी सैलानी भी चित्रकूट आने की हिम्मत नहीं जुटा पाते थे। जिसके चलते विश्व प्रसिद्ध पौराणिक तीर्थ होने के बाद भी चित्रकूट विकास की दृष्टि से खास पिछड़ा क्षेत्र रहा है। प्रदेश में योगी सरकार बनने के बाद बुंदेलखंड के मिनी चम्बल के रूप में चर्चित रहा चित्रकूट डकैतों के आतंक से पूरी तरह से मुक्त हुआ। इसके बाद क्षेत्र में पर्यटन विकास की बयार बहने लगी।

चित्रकूट के जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने जिले की कमान संभालने के बाद क्षेत्र के धार्मिक, पौराणिक और ऐतिहासिक महत्व से जुड़े स्थानों के कायाकल्प की शुरुआत की। देखते ही देखते मंदाकिनी का रामघाट एवं कामदगिरि परिक्रमा मार्ग श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बन गये। तीर्थ क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त बनाने की छेड़ी गई मुहिम आज रंग लाते नजर आ रहीं है। संत गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रामचरित मानस में किये गये कामदगिरि पर्वत की महिमा 'कामद भे गिरि राम प्रसादा, अवलोकत अपहरत विसादा' को डीएम अभिषेक आनंद ने चरितार्थ करने के लिए पूरे कामदगिरि पर्वत को अतिक्रमण मुक्त करा दिया है। ताकि श्रद्धालुओं को परिक्रमा लगाते समय कामदगिरि पर्वत के दर्शन हो सकें और उनकी मनोकामनाएं पूर्ण हो सकें। इसके अलावा चित्रकूट जिला मुख्यालय में बनाये गये धनुष चौराहा और वहां और यूपीटी तिराहा में बना सेल्फी प्वाइंट आज लोगों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

नगर पालिका अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता, जिला सहकारी बैंक के चेयरमैन पंकज अग्रवाल, व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष ओम केशरवानी, समाजसेवी राजेश सोनी, बीपी पटेल एवं ऋषि आर्या आदि ने जिलाधिकारी अभिषेक आनंद द्वारा चित्रकूट के पर्यटन विकास के लिए किये जा रहे कार्यो की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि सही मायने में अब चित्रकूट को उसकी गरिमा के अनुरूप सम्मान मिल रहा है।कहा कि मोदी-योगी सरकार की परिकल्पना के अनुरूप आज चित्रकूट का पर्यटन विकास हो रहा है।

बुंदेलखंड एक्सप्रेस जहां क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित हुआ है। वहीं जल्द शुरू होने जा रहा चित्रकूट का टेबल टॉप एयरपोर्ट बुंदेलखंड के पर्यटन विकास को नई उड़ान देगा। उन्होंने कहा कि चौराहों के सुंदरीकरण से चित्रकूट का आकर्षण बढ़ा है।

योगी सरकार पीएम किसान सम्मान निधि दिलाने को चलाएगी अभियान

न्याय पंचायत व राजस्व ग्रामवार नामित कार्मिक डोर-टू-डोर किसानों से करेंगे संपर्क

लखनऊ। प्रदेश में अधिक से अधिक अन्नदाता किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से लाभान्वित कराने के लिए योगी सरकार 15 अक्टूबर, 2023 तक आधार सीडिंग एवं ई-केवाईसी कराने के लिए सघन अभियान चलाएगी। अभियान के तहत न्याय पंचायत व राजस्व ग्रामवार नामित कार्मिक पेंडिंग ई-केवाईसी की सूची के साथ डोर-टू-डोर किसानों से संपर्क कर ई-केवाईसी एवं आधार सीडिंग के कार्य को पूर्ण कराएंगे। साथ ही ग्राम स्तरीय रबी गोष्ठी एवं किसान पाठशालाओं में भी ई-केवाईसी का अभियान संचालित कराया जाएगा। इस अभियान के संचालन के लिए सरकार की ओर से विस्तृत दिशा निर्देश दिए गए हैं।

उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 15वीं किस्त निर्गत करने से पूर्व सभी पात्र कृषकों के भूलेख अंकन एवं बैंक खाते की आधार सीडिंग के साथ-साथ ई-केवाईसी कराने के लिए आदेश जारी किया है। केंद्र सरकार की ओर से अपेक्षा की गई है कि लैंड सीडिंग से आच्छादित पात्र कृषकों के ई-केवाईसी एवं

उनके बैंक खाते का आधार सीडिंग का कार्य 15 अक्टूबर, 2023 तक पूर्ण कर लिया जाए। केंद्र सरकार की मंशा के अनुरूप योगी सरकार ने प्रदेश में 15 अक्टूबर तक इस अभियान को मिशन मोड में चलाने के निर्देश दिए हैं।

जनपदीय उप कृषि निदेशक अपने जनपद में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक एवं जन सेवा केंद्र के समन्वयक के साथ एक बैठक आयोजित कर सघन अभियान की माइक्रो प्लानिंग कराएंगे। जनपद

साझा की जाएगी मृतक या गांव में नहीं रहने वाले लाभार्थियों की सूची

उप कृषि निदेशक अपने लागिन से कृषकों के सापेक्ष बैंक खाते की आधार सीडिंग एवं ई-केवाईसी पेंडिंग कृषकों की ग्रामवार सूची प्रिंट कराकर जनपद के इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक एवं जन सेवा केंद्र के समन्वयक एवं संबंधित ग्राम के लिए नामित क्षेत्रीय कार्मिकों को उपलब्ध कराएंगे। जो लाभार्थी गांव में निवास नहीं कर रहे हैं अथवा जिनके मृत होने की सूचना प्राप्त होती है। उसके संबंध में प्राप्त सूची में जानकारी देते हुए उप कृषि निदेशक को उपलब्ध कराएंगे, जिसका प्रतिपरीक्षण उप कृषि निदेशक अपने स्तर से कराते हुए मुख्यालय को निर्धारित प्रारूप पर अवगत कराएंगे।

स्तर पर पीएम किसान ई-केवाईसी संतृप्तीकरण अभियान की निगरानी के लिए मुख्य विकास अधिकारी नोडल अधिकारी होंगे, जो प्रतिदिन राजस्व ग्रामवार नामित कार्मिकों के द्वारा एवं जन सूचना केंद्र के माध्यम से कराए गए ई-केवाईसी की प्रगति के साथ-साथ पेंडिंग लैंड सीडेड बैंक आधार अकाउंट के लिंकिंग की भी समीक्षा करेंगे।

जनपदीय उप कृषि निदेशक राजस्व ग्राम के लिए कृषि एवं अन्य विभागों के क्षेत्रीय कार्मिकों को बैंक खाते की आधार सीडिंग एवं ई-केवाईसी पूर्ण कराने के लिए मुख्य विकास अधिकारी से नामित कराएंगे एवं सभी कर्मिकों का मोबाइल पर ई-केवाईसी कराने के लिए एप डाउनलोड कराकर एक्टिवेट कराएंगे। प्रतिदिन प्रत्येक कार्मिक से एप के माध्यम से फेसियल ई-केवाईसी की प्रगति निर्धारित प्रारूप पर संकलित की जाएगी।

जनपद स्तर, तहसील स्तर एवं विकासखंड के राजकीय कृषि बीज भंडार पर स्थापित पीएम- किसान सेवा केंद्र या हेल्प डेस्क यथावत क्रियाशील रहेंगे। समस्त स्तर के हेल्प डेस्क पर फेसियल ई-केवाईसी कराने के लिए कृषि विभाग के कार्मिकों को मोबाइल एप डाउनलोड कराकर प्रशिक्षित कराया जाएगा।

सोशल मीडिया और पारंपरिक मीडिया के माध्यम से होगा प्रचार

इस आशय का संदेश कि 'पीएम किसान की 15वीं किश्त के लिए भूलेख अंकन, ई-केवाईसी पूर्ण एवं बैंक खाते की आधार सीडिंग किया जाना अनिवार्य है। ई-केवाईसी न कराने की स्थिति में आगामी किश्तों का भुगतान नही किया जाएगा' का प्रचार प्रसार प्रेस विज्ञप्ति, सोशल मीडिया ग्रुप के माध्यम से सुनिश्चित किया जाएगा। अक्टूबर के प्रथम सप्ताह से प्रारंभ होने वाली ग्राम स्तरीय रबी गोष्ठी एवं किसान पाठशालाओं में भी निर्धारित तिथियों पर जन सुविधा केंद्र एवं पोस्ट ऑफिस के प्रतिनिधि को सूचित करते हुए उनका सक्रिय योगदान लिया जाएगा। ग्राम स्तरीय रबी गोष्ठी एवं किसान पाठशालाओं की योजना के दो दिन पहले ग्राम पंचायत में डुग्गी पिटवाकर या लाउडस्पीकर के माध्यम से पीएम- किसान ई-केवाईसी संतृप्तीकरण अभियान का प्रचार प्रसार भी कराया जाएगा।

भाजपा ने दिया है ओबीसी समाज को सम्मान : राकेश

हरिद्वार। भाजपा ओबीसी मोर्चे के प्रदेश अध्यक्ष राकेश गिरी ने मंडल प्रवास कार्यक्रम के अंतर्गत हरिद्वार ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के जमालपुर कला में आयोजित बैठक के दौरान मंडल कार्यकर्ताओं से कहा कि भाजपा ही ओबीसी समाज की सच्ची हितैषी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा देने के साथ अपनी कैबिनेट में ओबीसी समाज के 27 प्रतिशत मंत्रियों को शामिल किया। राकेश गिरी ने कहा कि मंडल प्रवास कार्यक्रम से पूरे प्रदेश में ओबीसी मोर्चे द्वारा पार्टी को ऊर्जा दी जा रही है।

गिरी ने प्रदेश सोशल मीडिया सहप्रभारी अनीता वर्मा को शुभकामनाएं दी। पूर्व विधायक स्वामी यतीश्वरानंद ने बैठक में शामिल कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि 2024 में

प्रधानमंत्री मोदी को जिताने के लिये सक्रियता से काम करें।

भाजपा जिला अध्यक्ष संदीप गोयल ने कहा कि राकेश गिरी सफल संगठनकर्ता और कार्यकर्ताओं को गढ़ने वाले नेता हैं। मोर्चे के जिला अध्यक्ष डा. प्रदीप कुमार ने अपनी टीम के साथ प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष मास्टर जगपाल सिंह सैनी, प्रदेश सोशल सह मीडिया प्रभारी अनीता वर्मा सहित भाजपा के मंडल अध्यक्ष प्रणव यादव, भाजपा ओबीसी मोर्चे के मंडल अध्यक्ष मिथुन चौधरी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

तीन तस्कर गिरफ्तार, हाथी दांत बरामद

रुद्रपुर (उधम सिंह नगर)। काशीपुर आईटीआई थाना पुलिस और वन विभाग की टीम को एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। हाथी दांत की तस्करी कर रहे तीन आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। उनके पास से हाथी दांत को बरामद किया गया है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय कीमत 12 लाख रुपये बताई जा रही है। काशीपुर के थाना आईटीआई में मामले का खुलासा करते हुए पुलिस अधीक्षक अभय प्रताप सिंह ने बताया कि थाना आईटीआई पुलिस और वन विभाग की संयुक्त टीम ने काशीपुर के पास बांसखेड़ा स्थित फ्लाईओवर पुल के नीचे मोटरसाइकिल संख्या यूके04 एम 7027 पर एक महिला समेत दो अन्य लोगों को रोका तो उनके पास एक हाथी दांत (जिसकी लंबाई 34 इंच यानी 2 फीट 8 इंच) बरामद हुआ। उसकी अंतरराष्ट्रीय कीमत 12 लाख रुपये है। पुलिस ने हल्द्वानी निवासी आरोपित देवेंद्र सिंह और मनोज वोरा सहित सुखमणि देवी पत्नी राम सिंह रावत जो की चंपावत की बताई जा रही हैं, उनको गिरफ्तार किया है। थाना आईटीआई पुलिस और आलाधिकारी हाथी दांत के तीनों तस्करों से गहन पूछताछ में जुटे हैं।

संक्षिप्त खबरें

डाकघर के गार्ड ने पुलिसकर्मी पर चलाई गोली

बिजनौर। बिजनौर के प्रमुख डाकघर में उसे समय अफरा तफरी मच गई जब डाकखाने में ड्यूटी पर तैनात गार्ड ने एक पुलिसकर्मी पर गोली चला दी। गोली एक महिला को लगते-लगते बची। पुलिस दोनों को पूछताछ के लिए अपने साथ थाने ले गई है। बताया जाता है कि चांदमणि नाम का पुलिसकर्मी जो बरेली में तैनात है, डाकघर में अपने बच्चों का आधार कार्ड बनवाने के लिए आया था, जिसकी गार्ड के साथ किसी बात को लेकर कहा-सुनी हो गई । गार्ड ने सिपाही पर बंदूक से फायर कर दिया, जिससे वह बाल-बाल बच गया, वहीं डाकघर में आई एक औरत भी गोली का शिकार होने से बची। सूचना पर स्थानीय कोतवाली पुलिस तथा एसपी सिटी प्रवीन रंजन डाकघर पहुंचे तथा दोनों को हिरासत में ले लिया। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज देखकर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

बिजली चोरी कर आटा चक्की चलाने वाले आरोपित को 6 माह की सजा

हरिद्वार। सत्र न्यायाधीश सिकंद कुमार त्यागी ने विद्युत चेकिंग के दौरान एलटी लाइन पर केबिल डालकर आटा चक्की के लिए बिजली चोरी करते पकड़े गए आरोपित को दोषी पाते हुए 6 माह कैद की सजा सुनाई है। विद्युत विभाग के विशेष अभियोजक केपी शर्मा ने बताया कि विद्युत विभाग के उपखंड अधिकारी सजल अटवाल ने 4 अप्रैल 2018 को भगवानपुर थाने में एक मुकदमा दर्ज कराया था। जिसके अनुसार वे लाइनमैन सचिन कुमार एवं ऊर्जा भवन देहरादून से आए सहायक अभियंता सतर्कता धनंजय कुमार के साथ क्षेत्र में निरीक्षण करने आए थे। तभी उन्होंने ग्राम अलावलपुर के रहने वाले ऋषिपाल पुत्र स्वर्गीय ईलम चंद को एलटी लाइन पर डायरेक्ट केबल डालकर आटा चक्की चलाने के लिए बिजली चोरी करते पकड़ा था। ऋषिपाल के खिलाफ विद्युत अधिनियम की धारा 135 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले से संबंधित मुकदमे में विद्युत विभाग की ओर से पांच गवाह तथा बचाव पक्ष द्वारा तीन गवाहों के बयान कराए गए। दोनों पक्षों को सुनने के बाद सत्र न्यायाधीश सिकंद कुमार त्यागी ने आरोपी ऋषि पाल को एलटी लाइन पर केबिल डालकर 5.222 किलोवाट विद्युत भार की विद्युत चोरी करने का दोषी पाते हुए 6 माह की कैद की सजा सुनाई है।

नैनीताल-हल्द्वानी राष्ट्रीय राजमार्ग पर नैना गांव के पास धू-धू कर जली कार

नैनीताल। नैनीताल-हल्द्वानी राष्ट्रीय राजमार्ग 109-ई पर शनिवार को एक कार में भीषण आग लग गई। इससे कार धू-धू कर जल गयी। सूचना मिलने पर पहुंचे अग्निशमन कर्मियों ने आग पर नियंत्रण प्राप्त किया, लेकिन अग्निकांड में कोई जनहानि नहीं हुई। जिला मुख्यालय से करीब 15 किलोमीटर दूर नैना गांव के पास एक निशान कार संख्या डीएल9सीएम-6944 में भीषण आग लग गई। आग ने विकराल रूप ले लिया, गनीमत रही कि आग लगने पर कार में सवार दोनों लोग सुरक्षित बाहर निकल आये। इस सूचना पर नैनीताल से पहुंचे उमेश कुमार, जसवीर सिंह, अरविंद कुमार, विक्रांत सिंह व मोहन सिंह आदि अग्निशमन कर्मियों ने मोटर फायर इंजन से पानी की बौछार कर आग को शांत किया।

राष्ट्र के विकास की एक अहम कड़ी होता है मतदाता: रविन्द्र

ऋषिकेश। हिमालयीय विश्वविद्यालय में चुनावी साक्षरता क्लब के माध्यम से मतदाता जागरूकता अभियान कार्यक्रम पर शनिवार को व्याख्यान हुआ। विश्वविद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं शिक्षकों और कर्मचारियों ने मतदान की महत्ता पर व्याख्यान सुना।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रविन्द्र बेलवाल, सदस्य सलाहकार समिति देहरादून हवाई अड्डा ने वोट की महत्व एवं मतदाता की पूर्ण सहभागिता के विषय में अपने विचार व्यक्त किये। साथ ही छात्र-छात्राओं को लोकतंत्र को मजबूत बनाने में सभी का मतदान करना कितना आवश्यक है, इस विषय में बताया। मतदाता राष्ट्र के विकास की एक अहम कड़ी होता है, जो पांच वर्षों के लिए राष्ट्र की कमान स्वयं द्वारा चुने गए प्रतिनिधि के हाथों में सौंपता है। विद्यार्थियों को निर्वाचन प्रणाली की जानकारी देते हुए बताया कि वोटर लिस्ट में सभी वोटरों का पंजीकरण सुनिश्चत किए जाने और मतदान के प्रति मतदाताओं को जागरूक करने पर बल दिया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के हिमालयीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो काशीनाथ जेना,प्रतिकुलपति डॉ. राजेश नैथानी, नोडल अधिकारी डा शिव कुमार श्रीवास्तव, विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक /संकायाध्यक्ष डॉ. अनूप बलूनी, कैम्पस अम्बेसडर डॉ. मनीषा अग्रवाल, आदि सभी शिक्षक एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

25 हजार के इनामी सहित 3 बदमाश गिरफ्तार

मथुरा। मथुरा पुलिस के साथ दो अलग-अलग स्थानों पर हुई मुठभेड़ में गोली लगने से तीन बदमाश घायल हो गए। जिनमें से एक 25 हजार रुपये का इनामी भी शामिल है। पुलिस ने शनिवार को इनामी सहित तीनों बदमाशों को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा है।

उल्लेखनीय है कि थाना कोसी क्षेत्र में 16 दिसंबर, 2016 को कोसी कस्बा में व्यापारी कृष्ण पाल सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में 7 साल से हत्या की वारदात को अंजाम देने वाला बदमाश गोपाल फरार चल रहा था। शुक्रवार रात कोसी पुलिस और स्वाट टीम को सूचना मिली कि हत्या की वारदात में फरार 25 हजार रुपये का इनामी बदमाश गोपाल कोटवन की तरफ से गोपाल बाग नहर की पटरी से कोसी आ रहा है। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। वहां जब पुलिस ने गोपाल को आता देखा तो उसे सरेंडर करने के लिए कहा, लेकिन आरोपी ने पुलिस पर फायर कर दिया। जवाब में पुलिस ने भी फायर किया, जिसमें एक गोली गोपाल के पैर में लग गई। वह घायल हो गया। पुलिस ने गोपाल को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस की गिरफ्त में आए इनामी बदमाश गोपाल ने पुलिस को बताया कि वह

कभी उज्जैन, कभी हरिद्वार, ऋषिकेश और केदारनाथ में रहकर फरारी काट रहा था। गोपाल को पुलिस ने गिरफ्तार कर इलाज के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने गोपाल के पास से 315 बोर का तमंचा और 4 कारतूस बरामद किए।

आरोपी पर थाना कोसी में 11 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस की दूसरी मुठभेड़ बलदेव क्षेत्र में हुई। यहां एसओजी टीम और बलदेव थाना पुलिस की लुटेरों से मुठभेड़ हो गई। इसमें दो बदमाश गोली लगने से घायल हो गए, जबकि तीसरे ने पुलिस के आगे समर्पण कर दिया। बलदेव में हुई मुठभेड़ में घायल हुए बदमाशों ने 21 अगस्त 2023 को बाइक लूट की वारदात को अंजाम दिया था। इस मामले में पुलिस को बदमाशों की तलाश थी। शुक्रवार की रात को जब पुलिस दौलतपुर अंडर पास के नीचे चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान दो बाइक पर तीन बदमाश आते दिखाई दिए। जिनसे पुलिस की मुठभेड़ हो गई।

पुलिस से हुई मुठभेड़ में गौरव निवासी नंदूगढ़ी और अनुज सिंह निवासी गढ़ी सहीराम गोली लगने से घायल हो गए। जबकि मंजीत शर्मा निवासी नंदूगढ़ी ने समर्पण कर दिया। पुलिस ने बदमाशों के पास से 2 लूटी हुई बाइक, एक मोबाइल, 3 तमंचा और 12 कारतूस बरामद किए। पुलिस ने घायल बदमाशों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

बाघ के हमले में एक युवक की मौत

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी जिले में दुधवा बफर जोन के मैलानी परिक्षेत्र के जंगल में बाघ के हमले में एक युवक की मौत हो गयी। वन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को इसकी पुष्टि की। मैलानी थाना के अंतर्गत ग्रांट नंबर तीन गांव के निवासी राम मिलन (27) पर शुक्रवार को दुधवा बफर जोन के मैलानी रेंज के जंगल के पास एक बाघ ने हमला किया और उन्हें मार डाला। सूत्रों ने बताया कि बाघ गन्ने के खेत में छिपा था और जब युवक खेत में पहुंचा तो उसने उस पर हमला कर दिया। इसके बाद बाघ उसे गन्ने की फसल के काफी अंदर खींच ले गया। जब ग्रामीणों ने लाठी-डंडों के साथ बाघ का पीछा किया तो वह शव को छोड़कर भाग गया और गन्ने की फसल में कहीं छिप गया। उपमंडल अधिकारी (एसडीओ) सतीब खान, रेंज अधिकारी अमित कुमार और अन्य वन कर्मचारी पीड़ित परिवार के सदस्यों को सांत्वना देने और प्रारंभिक पूछताछ करने के लिए मौके पर पहुंचे। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

शांतिकुंज में स्काउट गाइड का राज्य पुरस्कार शिविर शुरू

हरिद्वार। शांतिकुंज में भारत स्काउट एवं गाइड का पांच दिवसीय राज्यपाल पुरस्कार जांच शिविर का शुभारंभ हुआ। इस शिविर में 19 गाइड व 14 स्काउट प्रतिभाग कर रहे हैं। प्रशिक्षुओं को स्काउट गाइड के नियम, प्रतिज्ञा, सिद्धांत, प्राथमिक चिकित्सा आदि विषयों पर प्रशिक्षण दिया जायेगा और जांच होगी।

शिविर के उद्घाटन सत्र में गायत्री विद्यापीठ की प्रबंधन समिति की अध्यक्षा शेफाली पण्ड्या ने कहा कि स्काउट/गाइड का लक्ष्य राष्ट्र के लिए अच्छे नागरिकों का निर्माण करना हैं। उन्होंने कहा कि युगऋषि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य के आदर्श को अपनाते हुए गायत्री विद्यापीठ में पाठ्यक्रम के इतर विद्यार्थियों के चहुंमुखी विकास के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित होती हैं।

जिला मुख्यायुक्त, युगनिर्माण स्काउट-गाइड संगठन शांतिकुंज के सीताराम सिन्हा, प्रादेशिक संगठन आयुक्त वीरेन्द्र सिंह बिष्ट, गाइड विभाग की लीडर ऑफ द कोर्स श्रीमती कल्पना धामी, नरेंद्र ठाकुर ने अपने विचार रखे। इस अवसर पर जिला प्रशिक्षण आयुक्त नरेन्द्र सिंह, विनय कुमार शर्मा और प्रादेशिक प्रशिक्षक अस्सुद्दीन की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन जिला संगठन आयुक्त, शांतिकुंज मंगलसिंह गढ़वाल ने किया।

नुक्कड़ नाटक से दिया डेंगू से बचाव का संदेश

एनएचएम के तहत पांच माह से चल रहा डेंगू जागरूकता अभियान

रुद्रप्रयाग। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तत्वावधान में बीते पांच माह से जारी डेंगू रोकथाम व नियंत्रण अभियान के तहत शनिवार को रुद्रप्रयाग, अगस्त्यमुनि, सुमाड़ी व मयाली बाजार में नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुतियां के जरिए जरूरी एहतियाती उपायों पर अमल करने का संदेश दिया गया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एचसीएस मर्तोलिया ने बताया कि डेंगू रोकथाम व नियंत्रण अभियान की कड़ी में शनिवार को सूचना विभाग में पंजीकृत नाट्य दलों के माध्यम से चार स्थानों पर डेंगू रोकथाम जागरूकता को लेकर नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया गया। नाट्य दल देवभूमि सांस्कृतिक कलामंच द्वारा रुद्रप्रयाग बस अड्डा व अगस्त्यमुनि बाजार में, एक्सल डेवलपमेंट एंड एजुकेशन सोसायटी ने सुमाड़ी बाजार और रुद्र कला समिति ने मयाली बाजार में डेंगू रोग

रोकथाम बचाव व नियंत्रण विषयक पर नुक्कड़ नाटकों की प्रस्तुति दी।

नाट्य दल के कलाकारों ने डेंगू रोग के लक्षण, बचाव व रोकथाम के बारे में बताया कि डेंगू का मच्छर साफ पानी में पनपता है, इसलिए घर के आस-पास पानी बिल्कुल भी जमा होने देने, घरों में गमलों, गमलों की ट्रे आदि में पानी ठहरने न देने, कूल का पानी नियमित रूप से बदलते रहने, बेकार वर्तन, खुली बोतलें, डिब्बे, टूटे हुए प्लास्टिक, पुराने टायर आदि को घर में एकत्र न करने, पानी की टंकियों व बर्तनों को अच्छी तरह से ढक कर रखने, ऐसे कपड़े पहनने जो शरीर को ज्यादा से ज्यादा ढक सके, मच्छर भगाने वाली क्रीम का उपयोग करने का संदेश दिया। नाटकीय मंचन के जरिए कलाकारों ने तेज बुखार, सर दर्द, बदन दर्द, मांसपेशियों में दर्द, आंख के पिछले भाग में दर्द, शरीर पर लाल चक्कते, जी मचलाना और उल्टी जैसे लक्षण के विषयक में जानकारी दी व डेंगू के लक्षण होने पर चिकित्सकीय परामर्श लेने, अधिक मात्रा में पानी पीने, पौष्टिक आहार का सेवन करने व अधिक से अधिक आराम करने की सलाह के नुक्कड़ नाटकों का समापना हुआ।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एचसीएस मर्तोलिया ने कहा कि पिछले पांच माह से सभी संभव माध्यमों से डेंगू बचाव व रोकथाम के विषयक आशा, एएनएम, सीएचओ व अन्य स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा सामुदायिक स्तर पर छोटी-छोटी गोष्ठियों, स्कूलों में प्रार्थना सभाओं में जागरूकता सत्रों के आयोजन व अन्य माध्यम से जागरूकता को लेकर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नगर पालिका व नगर पंचायतों के सहयोग से भी लगातार जरूरी स्थानों पर फॉगिंग कराई जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल को 1,016 करोड़ रुपये के ऑर्डर मिले

नई दिल्ली। कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल और उसकी इकाइयों को 1,016 करोड़ रुपये के ऑर्डर मिले हैं। कंपनी ने एक बयान में कहा कि कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल लिमिटेड (केपीआईएल) और उसकी अंतरराष्ट्रीय अनुषंगी कंपनियों को 1,016 करोड़ रुपये के नए ऑर्डर मिले हैं। बयान के अनुसार, कंपनी को भारत और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में टीएंडडी (पारेषण एवं वितरण) कारोबार में 552 करोड़ रुपये के ऑर्डर मिले हैं। कंपनी को भारत में बीएंडएफ (निर्माण और कारखाना) कारोबार में 464 करोड़ रुपये के ऑर्डर मिले हैं। केपीआईएल के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मनीष मोहनोट ने एक बयान में कहा कि उपरोक्त ऑर्डर के साथ, हमारा वाईटीडी (चालू वर्ष से आज तक) चालू वित्त वर्ष में ऑर्डर प्रवाह लगभग 8,400 करोड़ रुपये है।

यूआईडीएआई सीईओ अमित अग्रवाल को मिला एक साल का सेवा विस्तार

नई दिल्ली। वरिष्ठ नौकरशाह अमित अग्रवाल को भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के तौर पर एक साल का सेवा विस्तार दिया गया है। एक आधिकारिक सूचना में यह जानकारी दी गई। अग्रवाल छत्तीसगढ़ कैडर के 1993 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी हैं। कार्मिक मंत्रालय के एक आदेश के अनुसार मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने यूआईडीएआई के सीईओ के रूप में अग्रवाल के कार्यकाल को दो नवंबर, 2023 से आगे एक वर्ष के लिए यानी दो नवंबर, 2024 तक बढ़ाने को मंजूरी दे दी है।

सरकार ने सीबीडीटी चेयरमैन नितिन गुप्ता का कार्यकाल नौ महीने बढ़ाया

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सीबीडीटी चेयरमैन नितिन गुप्ता का कार्यकाल अनुबंध के आधार पर जून 2024 तक नौ महीने के लिए बढ़ा दिया है। उन्हें शनिवार को उनकी निर्धारित सेवानिवृत्ति के दिन सेवा विस्तार दिया गया। गुप्ता (60) आयकर विभाग के 1986 बैच के भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के अधिकारी हैं। उन्हें पिछले साल जून में केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) प्रमुख नियुक्त किया गया था। वह 30 सितंबर को सेवानिवृत्त होने वाले थे। एक सरकारी आदेश में कहा गया कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने एक अक्टूबर 2023 से 30 जून 2024 तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, अनुबंध के आधार पर गुप्ता को सीबीडीटी चेयरमैन के रूप में फिर से नियुक्त करने की मंजूरी दी है।

एजिलस डायग्नोस्टिक्स ने आईपीओ के लिए सेबी में दस्तावेज दाखिल किए

नई दिल्ली। एजिलस डायग्नोस्टिक्स ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए धन जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी के पास दस्तावेज दाखिल किए हैं। मसौदा दस्तावेज (डीआरएचपी) के अनुसार, पहला सार्वजनिक निर्गम पूरी तरह से बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित है। इसके तहत शेयर बेचने वालों में इंटरनेशनल फाइनेंस कॉर्प, एनवाईएलआईएम जैकब बाल्स इंडिया फंड-3 एलएलसी और रिसर्जेंस पीई इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड हैं। आईपीओ पूरी तरह ओएफएस होने के कारण इससे मिली राशि मौजूदा शेयरधारकों तक ही रहेगी। क्रिसिल की रिपोर्ट के अनुसार, पूर्व में एसआरएल लिमिटेड के नाम से प्रसिद्ध एजिलस डायग्नोस्टिक्स जांचशालाओं की संख्या के मामले में देश के सबसे बड़ी डायग्नोस्टिक्स सेवा प्रदाताओं में से एक है और कारोबार के मामले में दूसरी सबसे बड़ी डायग्नोस्टिक्स कंपनी है।

गोदरेज एग्रोवेट 300 करोड़ से तेलंगाना में एकीकृत पाम तेल परिसर स्थापित करेगी

मुंबई। गोदरेज एग्रोवेट लिमिटेड (जीएवीएल) ने शनिवार को कहा कि वह अगले 3-4 वर्षों में 300 करोड़ रुपये के निवेश से तेलंगाना में एक एकीकृत पाम तेल परिसर स्थापित करेगी। जीएवीएल ने एक बयान में कहा कि तेलंगाना के खम्मम जिले में स्थापित किया जाने वाला पाम ऑयल परिसर 125 एकड़ में फैला है और इसमें कच्चे पाम तेल मिल के साथ ही निकट भविष्य में एक रिफाइनरी भी स्थापित की जाएगी। कंपनी बीज उत्पादन और अनुसंधान इकाई के अलावा प्रति वर्ष सात लाख पौधों की क्षमता वाली एक नर्सरी भी स्थापित करेगी।

एस्पायर हॉस्पिटैलिटी की 2024-25 तक 20 होटलों के संचालन की योजना

मुंबई। एस्पायर हॉस्पिटैलिटी ग्रुप 560 करोड़ रुपये के निवेश से 2024-25 तक 20 परिचालन संपत्तियां बनाने की योजना बना रहा है। समूह के एक शीर्ष अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। समूह के ब्रांडों जाना, कंट्री इन एक्सप्रेस और कंट्री इन प्रीमियर के तहत किया जाएगा। ग्रुप के सीईओ अखिल अरोड़ा ने कहा, कि फिलहाल हमारे पास पांच-सितारा लक्जरी रिजॉर्ट ब्रांड 'जाना - ए लक्जरी एस्केप्स' और चार-सितारा ब्रांड 'कंट्री इन होटल्स एंड रिजॉर्ट्स' के तहत कुल 780 कमरों के साथ 10 होटल हैं। उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष में हम कुल 980 कमरों वाले 13 होटलों तक पहुंचने के लिए तीन जाना रिजॉर्ट्स जोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि समूह के मौजूदा होटलों को नवीकरण, पट्टे और उन्नयन पर भी निवेश किया जाएगा। अरोड़ा ने कहा कि समूह गोवा, उत्तराखंड, राजस्थान और हिमाचल जैसे राज्यों में नए होटल शुरू करने के साथ-साथ पुराने होटलों को जोड़ने पर भी काम कर रहा है।

ई-गेमिंग पर आज से 28 प्रतिशत GST लगेगा, सरकार का आदेश

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार देर रात ई-गेमिंग, कैसिनो और घुड़सवारी के लिए जीएसटी कानून के संशोधित प्रावधानों के क्रियान्वयन के लिए एक अक्टूबर की तारीख अधिसूचित की है। केंद्रीय जीएसटी अधिनियम में संशोधनों के अनुसार ई-गेमिंग, कैसिनो और घुड़सवारी को लॉटरी, सट्टेबाजी तथा जुए की तरह 'कार्रवाई योग्य दावों' के रूप में देखा जाएगा और 28 प्रतिशत जीएसटी (माल एवं सेवा कर) लगेगा।

हालांकि, ई-गेमिंग कंपनियों ने कहा कि चूंकि कई राज्यों ने अभी तक अपने संबंधित राज्य जीएसटी (एसजीएसटी) कानूनों में संशोधन पारित नहीं किया है तो सीजीएसटी और आईजीएसटी कानूनों में केंद्र सरकार की यह अधिसूचना भ्रम पैदा करेगी। केंद्रीय जीएसटी अधिनियम में बदलाव के अनुसार, ऑनलाइन गेमिंग, कैसीनो और घुड़दौड़ को लॉटरी, सट्टेबाजी और जुए के समान 'कार्रवाई योग्य दावों' के रूप में माना जाएगा और दांव के पूर्ण अंकित मूल्य पर 28 प्रतिशत जीएसटी के अधीन होगा। एकीकृत

जीएसटी कानून में संशोधनों के अनुसार विदेशी ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म के लिए भारत में पंजीकरण कराना और घरेलू कानून के अनुसार कर भुगतान करना अनिवार्य होगा।

एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) अधिनियम में संशोधन से ऑफशोर ऑनलाइन गेमिंग मंचों के लिए भारत में पंजीकरण कराना और घरेलू कानून के अनुसार 28 प्रतिशत कर का भुगतान करना अनिवार्य हो गया है। केंद्र और राज्यों के वित्त मंत्रियों वाली जीएसटी परिषद ने जुलाई और अगस्त में अपनी बैठकों में ऑनलाइन गेमिंग, कैसीनो और घुड़दौड़ को कर योग्य कार्रवाई योग्य दावों के रूप में शामिल करने के लिए कानून में संशोधन को मंजूरी दी थी, और स्पष्ट किया था कि ऐसी आपूर्ति पर पूर्ण दांव मूल्य पर 28 प्रतिशत कर लगेगा।

परिषद के निर्णय को प्रभावी बनाने के लिए संसद ने पिछले महीने केंद्रीय जीएसटी और एकीकृत जीएसटी कानूनों में संशोधन पारित किया। इसके बाद, इन कंपनियों द्वारा मूल्यांकन के नियमों को भी छह सितंबर को अधिसूचित किया गया था। राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा को लिखे एक पत्र में ऑल इंडिया गेमिंग फेडरेशन (एआईजीएफ) ने पूछा है कि लगभग 15 राज्यों ने अभी तक अपने संबंधित राज्य जीएसटी कानूनों में बदलाव नहीं किया है, ऐसे में पंजीकृत ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों द्वारा उन राज्यों में उन राज्यों के खिलाड़ियों से प्राप्त जमा राशि के संबंध में अपनाई जाने वाली जीएसटी कार्रवाई क्या होगी।

फेडरेशन ने केंद्र से अनुरोध किया कि वह इन अधिसूचनाओं पर पुनर्विचार करे और उन्हें तब तक निलंबित रखे जब तक कि सभी राज्य जीएसटी की योजना और भारत के सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के अनुरूप अपने संबंधित संशोधनों को पारित नहीं कर देते और इस बीच, आवश्यक स्पष्टीकरण के माध्यम से उपरोक्त मुद्दों का समाधान करें।

इंडस ऐप स्टोर डेवलपर प्लेटफॉर्म के लॉन्च की घोषणा

नई दिल्ली। फोनपे ने इंडस ऐपस्टोर डेवलपर प्लेटफॉर्म लॉन्च करने की घोषणा की। इस लॉन्च के साथ, इंडस ऐपस्टोर सभी एंड्रॉइड ऐप डेवलपर्स को स्व-सेवा डेवलपर प्लेटफॉर्म का उपयोग करके अपने ऐप को पंजीकृत करने और अपलोड करने के लिए आमंत्रित करता है।

इन ऐप्स को जल्द ही लॉन्च होने वाले मेड-इन-इंडिया इंडस ऐपस्टोर पर सूचीबद्ध किया जाएगा, जो 12 भाषाओं में स्थानीय अनुभव प्रदान करेगा, जो पूरी तरह से भारतीय ग्राहकों के लिए अनुकूलित है। पहले साल में, इंडस ऐपस्टोर डेवलपर प्लेटफॉर्म पर ऐप लिस्टिंग मुफ्त होगी। इसके बाद नाममात्र वार्षिक शुल्क लागू होगा। इंडस ऐपस्टोर इन-ऐप पेमेंट के लिए डेवलपर से कोई प्लेटफ़ॉर्म शुल्क या कमीशन नहीं लेगा। डेवलपर्स किसी भी पेमेंट गेटवे को अपने ऐप्स में एकीकृत कर सकते हैं।

आकाश डोंगरे, सीपीओ और सह-संस्थापक, इंडस ऐपस्टोर ने लॉन्च पर बात करते हुए कहा, भारत 2026 तक 1 बिलियन से अधिक स्मार्टफोन उपयोगकर्ताओं के लिए तैयार है, जो हमारे लिए एक आधुनिक, स्थानीयकृत एंड्रॉइड ऐप स्टोर बनाने का एक बड़ा अवसर प्रदान करेगा। हम आज इंडस ऐपस्टोर डेवलपर प्लेटफ़ॉर्म लॉन्च करने के लिए उत्साहित हैं, और सभी डेवलपर्स को मेड इन इंडिया ऐपस्टोर पर अपने ऐप सूचीबद्ध करने के लिए आमंत्रित करते हैं।

डेल की बेंगलुरु में निवेश करने की योजना, कर्नाटक सरकार से मांगा सहयोग

बेंगलुरु। प्रौद्योगिकी कंपनी डेल कर्नाटक में अपनी उपस्थिति को और मजबूत करने के लिए बेंगलुरु में अपने अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) केंद्र में नए निवेश पर विचार कर रहा है। कर्नाटक के बड़े और मध्यम उद्योग तथा बुनियादी ढांचा मंत्री एम बी पाटिल के कार्यालय ने यह जानकारी दी। कंपनी पहले से ही बेंगलुरु में एक प्रमुख आरएंडडी केंद्र संचालित कर रही है।

वैश्विक स्तर पर डेल लगभग 25 विनिर्माण इकाइयों का संचालन करती है, जिनमें से 14 इकाइयां पूरी तरह से आरएंडडी के लिए हैं। मंत्री के कार्यालय ने एक बयान में कहा कि डेल के वरिष्ठ अधिकारियों ने शुक्रवार को अमेरिका के ऑस्टिन में पाटिल के साथ बैठक की और विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) के परिचालन पर लगाए गए प्रतिबंधों से बचने के लिए प्रदेश सरकार से सहयोग मांगा। पाटिल की अगुआई में एक

व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल राज्य में निवेश आकर्षित करने के लिए अमेरिका के विभिन्न राज्यों का दौरा कर रहा है।

बयान के अनुसार, प्रतिनिधिमंडल ने अग्रणी सेमीकंडक्टर विनिर्माण कंपनी ग्लोबल फाउंड्रीज (जीएफ) के वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात की। कंपनी ने 200 कुशल श्रमिकों को शामिल करके बेंगलुरु में अपने कार्यबल को बढ़ाने की इच्छा जताई।

नाइक ने एलएंडटी के चेयरमैन पद से इस्तीफा दिया

नई दिल्ली। एएम नाइक ने शनिवार को एलएंडटी समूह के चेयरमैन पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने मुंबई में एक कार्यक्रम के दौरान 23 अरब अमेरिकी डॉलर के कारोबारी समूह की बागडोर एस एन सुब्रमण्यन को सौंपी। नाइक (81) अब कर्मचारी ट्रस्ट के चेयरमैन होंगे। एक बयान में कहा गया कि अब वह कई परोपकारी पहलों को आगे बढ़ाने पर ध्यान देंगे। इस अवसर पर इंडिया पोस्ट ने नाइक पर एक डाक टिकट जारी किया। आने वाले वक्त में नाइक अपनी परोपकारी पहलों पर ध्यान देंगे, जिसमें नाइक चैरिटेबल ट्रस्ट शामिल है। यह ट्रस्ट वंचितों की शिक्षा और कौशल-निर्माण के क्षेत्र में काम करता है। इसके अलावा निराली मेमोरियल मेडिकल ट्रस्ट रियायती लागत पर स्वास्थ्य देखभाल की सुविधा के लिए काम करता है। नाइक 1965 में एक जूनियर इंजीनियर के रूप में कंपनी में शामिल हुए थे और इसके समूह चेयरमैन बने।

चालू वित्त वर्ष में आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के लिए 100 करोड़ रुपये स्वीकृत

नई दिल्ली। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम (एबीपी) के लिए 100 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि इसका उद्देश्य नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता को बेहतर करने के लिए ब्लॉक स्तर पर शासन में सुधार करना है।

आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम देश के 329 जिलों के 500 आकांक्षी ब्लॉकों में लागू किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सात जनवरी को इस राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम की शुरुआत की थी। अधिकारी ने बताया कि सरकार ने 2023-24 में आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के लिए 100 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं... उम्मीद है कि सभी 500 पिछड़े ब्लॉक विकास के मामले में राज्य के औसत तक पहुंच जाएंगे। इन

500 आकांक्षी ब्लॉकों में से 160 ब्लॉक 112 महत्वाकांक्षी जिलों का हिस्सा हैं। इस कार्यक्रम के तहत सर्वाधिक 68 ब्लॉक उत्तर प्रदेश में और उसके बाद 61 ब्लॉक बिहार में हैं। अधिकारी ने बताया कि नीति आयोग प्रत्येक तिमाही में ब्लॉक के प्रदर्शन के आधार पर उनकी रैंकिंग तय करेगा। पीएम मोदी ने शनिवार को कहा कि आकांक्षी जिला कार्यक्रम ने देश के 112 जिलों में 25 करोड़ से अधिक लोगों के जीवन को बदल दिया है और इसकी सफलता अब आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम का आधार बनेगी।

मोदी ने यहां भारत मंडपम में आकांक्षी ब्लॉकों के लिए सप्ताह भर चलने वाले0 कार्यक्रम 'संकल्प सप्ताह' का शुभारंभ करते हुए यह टिप्पणी की।

मिनोशा इंडिया लिमिटेड ने की लेज़र प्रिंटर्स की स्मार्ट रेंज लॉन्च

नई दिल्ली। भारत में रिको प्रोडक्ट्स की विशिष्ट पार्टनर कंपनी, मिनोशा इंडिया लिमिटेड ने अगली पीढ़ी के लेज़र प्रिंटर्स की एक असाधारण रेंज पेश की है। यह पेशकश भारत में ऑफिस प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी को नया रूप देने की दिशा में उठाया गया कदम है। इस महत्वपूर्ण उत्पाद के दो विशिष्ट सेगमेंट हैं: मोनो और कलर। प्रत्येक सेगमेंट को ऑफिस प्रिंटिंग का स्वरूप बदलने, उत्पादकता बढ़ाने और असाधारण गुणवत्ता प्रदान करने के लिए बड़ी सावधानी से तैयार किया गया है। ये अभिनव प्रिंटर्स टेक्नोलॉजी में महत्वपूर्ण प्रगति के प्रतीक हैं। ये प्रिंटर्स उत्कृष्टता और उन्नति के जोश को प्रस्तुत करते हैं जिसके लिए मिनोशा और रिको, दोनों मशहूर हैं। नवीनता, बहुपयोगिता और सुरक्षा पर निरंतर फोकस के साथ मिनोशा इंडिया लिमिटेड सम्पूर्ण भारत में व्यवसायों की गतिशील जरूरतों से आगे बढ़कर डिजाइन किये गए ऑफिस प्रिंटिंग समाधानों का एक नया युग आरम्भ कर रही है। सभी प्रिंटर वाई-फाई समर्थित हैं। इन प्रिंटर्स के लिए ग्राहकों को उद्योग में सर्वश्रेष्ठ ऑनसाइट सर्विस प्रदान किया जाता है, जिनमें एक स्मार्ट डिवाइस कनेक्टर, रिमोट डिवाइस मैनेजर, और एक मजबूत राष्ट्रव्यापी सर्विस पार्टनर्स का मजबूत नेटवर्क शामिल है।

अक्टूबर महीने में 16 दिन बंद रहेंगे बैंक

नई दिल्ली। अक्टूबर महीने के 31 दिनों में 16 दिन बैंक बंद रहने वाले हैं। इन 16 दिनों में शनिवार और रविवार की छुट्टियां भी शामिल हैं। इसके अलावे अलग-अलग पर्व त्योहारों पर अलग-अलग राज्यों में बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। आइए जान लेते हैं आपके शहर में अक्तूबर महीने में किस-किस दिन बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। आरबीआई की बैंक छुट्टियों की लिस्ट देखें तो अक्तूबर महीने की शुरुआत ही छुट्टियों के साथ हो रही है। 1 अक्टूबर को रविवार होने की वजह से देशभर के बैंक बंद रहेंगे। इसके अलावा 8, 15, 22 और 29 अक्टूबर को भी रविवार की वजह से बैंक बंद रहेंगे।

इसके अलावा 14 और 28 अक्टूबर को दूसरा और चौथा शनिवार है तो जिसकी वजह से देशभर में बैंक शाखाएं बंद रहेंगी। दो अक्तूबर को गांधी जयंती पर बैंकों में छुट्टी रहेगी। इसके अलावे अक्तूबर महीने में बैंकों में महालया, काती बीहू, दुर्गा पूजा, दशहरा, लक्ष्मी पूजा और सरकार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर भी बैंक बंद रहें।

अक्टूबर महीने की बैंक छुट्टियों की लिस्ट

- 2 अक्टूबरः (सोमवार)- गांधी जयंती- राष्ट्रीय अवकाश
- 14 अक्टूबरः (शनिवार)- महालया- कोलकाता में बैंक बंद
- 18 अक्टूबरः (बुधवार)- कटि बिहू- असम में बैंक बंद
- 21 अक्टूबरः (शनिवार)- दुर्गा पूजा (महा सप्तमी)- त्रिपुरा, असम, मणिपुर और बंगाल में बैंक बंद
- 23 अक्टूबरः (सोमवार)- दशहरा (महानवमी)/आयुध पूजा/दुर्गा पूजा/विजय दशमी- त्रिपुरा, कर्नाटक, उड़ीसा, तनिलनाडु, असम, आंध्र प्रदेश, कानपुर, केरल, जरकाखंड, बिहार में बैंक बंद
- 24 अक्टूबरः (मंगलवार)- दशहरा/दशहरा (विजयादशमी)/दुर्गा पूजा- आंध्र प्रदेश, मणिपुर को छोड़कर सभी राज्यों में बैंक बंद
- 25 अक्टूबरः (बुधवार)- दुर्गा पूजा (दसैन)- सिक्किम में बैंक बंद
- 26 अक्टूबरः (गुरुवार)- दुर्गा पूजा (दसैन)/विलय दिवस- सिक्किम, जम्मू-कश्मीर में बैंक
- 27 अक्टूबरः (शुक्रवार) दुर्गा पूजा (दसैन)- सिक्किम में बैंक बंद
- 28 अक्टूबरः (शनिवार)- लक्ष्मी पूजा- बंगाल में बैंक बंद
- 31 अक्टूबरः (मंगलवार)- सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्मदिन- गुजरात में बैंक बंद

बैंकों की ऑनलाइन सेवाएं काम करती रहेंगी

अक्टूबर महीने में भी बैंक छुट्टियों के दौरान बैंकों की ऑनलाइन सेवाएं हर दिन की तरह काम करती रहेंगी। ऐसे में आप अपना काम निपटाने के लिए उसका इस्तेमाल कर सकते हैं। घर बैठे सारी जरुरी ऑनलाइन सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। इसके अलावा आप क्रेडिट और डेबिट कार्ड से भी डिजिटल पेमेंट कर सकते हैं।

8 अक्टूबर से शुरू होगा अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल

टीवी पर मिलेगी 60 प्रतिशत की छूट, बड़ी खरीदारी पर 7,500 रुपये तक का कैशबैक

नई दिल्ली। अमेजन ने घोषणा की है कि अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल (जीआईएफ) 8 अक्टूबर से शुरू होगा, जिसमें प्राइम मेंबर्स के लिए 24 घंटे पहले का अर्ली एक्सेस होगा। किक स्टार्टर डील के जरिए कस्टमर्स को 6 अक्टूबर तक 25,000 से ज्यादा प्रोडक्ट्स तक एक्सेस मिलेगा। अमेजन के भारतीय उपभोक्ता व्यवसाय के उपाध्यक्ष और कंट्री मैनेजर मनीष तिवारी ने एक बयान में कहा, कस्टमर्स को लीडिंग ब्रांड्स और हजारों नए लॉन्च तक एक्सेस मिलेगा।

हमारे डिलीवरी एसोसिएट्स सहित हमारी टीमें अमेजन ग्रेट इंडिया फेस्टिवल 2023 को पूरे भारत में लाखों कस्टमर्स के लिए अब तक का सबसे बड़ा फेस्टिवल बनाने के लिए उत्साहित हैं। ग्रेट इंडियन फेस्टिवल में 5,699 रुपये से शुरू होने वाले लेटेस्ट स्मार्टफोन, 8,999 रुपये से शुरू होने वाले 5जी मोबाइल, 99 रुपये से शुरू होने वाले इलेक्ट्रॉनिक्स और एक्सेसरीज, अप्लायंसेज पर 65 प्रतिशत

तक की छूट, टीवी पर 60 प्रतिशत तक की छूट, डेली नीड्स आइटम्स पर 60 प्रतिशत तक की छूट, टॉप मोबाइल, टीवी, अप्लायंसेज, लैपटॉप, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य पर 18 महीने तक नो कॉस्ट ईएमआई का फीचर होगा। कस्टमर्स को अपनी पसंद की आठ भाषाओं में भी खरीदारी करने का मौका मिलेगा, जिनमें अंग्रेजी, हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़, बांग्ला और मराठी शामिल हैं। सेल के दौरान, अमेजन बिजनेस कस्टमर्स जीएसटी इनवॉयस के साथ 28 प्रतिशत तक अतिरिक्त बचत कर सकते हैं और लैपटॉप, डेस्कटॉप और मॉनिटर, अप्लायंसेज जैसी अन्य कैटेगिरीज में अपनी खरीदारी पर डिस्काउंट के साथ 40 प्रतिशत ज्यादा की बचत कर सकते हैं।

कंपनी ने उल्लेख किया है कि मौजूदा अमेजन डॉट इन ऑफर जैसे डील, बैंक ऑफर और कूपन के अलावा, बिजनेस कस्टमर्स को बड़ी खरीदारी पर 7,500 रुपये तक का बोनस कैशबैक मिलेगा।

श्रीलंका को इस साल 2018 से अधिक पर्यटकों के आने की उम्मीद

मुंबई। श्रीलंका अपनी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए पर्यटन उद्योग पर बड़ा दांव लगा रहा है और उसे इस साल 2018 से अधिक पर्यटकों के आने की उम्मीद है। श्रीलंका कन्वेंशन ब्यूरो के महाप्रबंधक कृष्णथा फर्नांडो ने शनिवार को यह बात कही। पड़ोसी देश के पर्यटन उद्योग को अप्रैल 2019 में ईस्टर के मौके पर हुए घातक बम विस्फोटों से और बाद में कोविड-19 महामारी से भारी नुकसान पहुंचा था। फर्नांडो ने बताया कि श्रीलंका में धीरे-धीरे हालात ठीक हो रहे हैं और उसने 10 लाख अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की मेजबानी की है, जिसमें से 1.8 लाख यात्री भारत से थे। उन्होंने एक कार्यक्रम के मौके पर कहा कि इस साल 2018 के स्तर को पार करने की उम्मीद है और यह साल पर्यटन क्षेत्र के लिए सबसे अच्छे वर्षों में एक है। उन्होंने कहा कि इस समय श्रीलंका में आने वाले पर्यटकों के लिहाज से भारत सबसे आगे है और उसके बाद यूरोप तथा रूस का स्थान है।

एयरटेल 5जी नेटवर्क के पांच करोड़ ग्राहक हुए, सभी जिलों में उपलब्ध हैं 5जी प्लस सेवाएं

नई दिल्ली। भारती एयरटेल ने शनिवार को कहा कि उसके 5जी नेटवर्क पर पांच करोड़ ग्राहक हो गए हैं। कंपनी ने बताया कि एयरटेल 5जी प्लस सेवा शुरू करने के एक साल के अंदर ही उसने यह उपलब्धि हासिल की है। सुनील मित्तल की अगुवाई वाली दूरसंचार कंपनी ने कहा कि एयरटेल 5जी प्लस सेवाओं की पहुंच देश के सभी जिलों में हो गई है। कंपनी ने एक बयान में कहा, "एयरटेल ने पांच करोड़ ग्राहकों का आंकड़ा जोड़ते हुए 5जी खंड में वृद्धि का सिलसिला जारी रखा है।" यह उपलब्धि सबसे तेजी से हासिल करते हुए एयरटेल 5जी प्लस सेवाएं अब सभी राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों में उपलब्ध है। भारती एयरटेल के मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (सीटीओ) रणदीप सेखों ने कहा कि कंपनी लाखों ग्राहकों द्वारा 5जी को अपनाने की गति से रोमांचित है। 'हम इस मील के पत्थर तक लक्ष्य से पहले पहुंच रहे हैं।'

दलित प्रेरणा स्थल पर घूमना आज से हो जाएगा महंगा

दर्शकों के लिए घूमने के समय में एक घंटे की कटौती भी की गई

❖ जनभावना टाइम्स

नोएडा। नोएडा एक्सप्रेस-वे के किनारे स्थित राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल पर एक अक्टूबर से प्रवेश शुल्क महंगा हो जाएगा। अब लोगों को दलित प्रेरणा स्थल पर घूमने के लिए 20 रुपये शुल्क देना होगा। अभी तक दलित प्रेरणा स्थल पर लोगों से 15 रुपये शुल्क लिया जाता था। वहीं, अब दलित प्रेरणा स्थल पर प्रत्येक वर्ष पांच रूपये प्रवेश शुल्क में इजाफा किया जाएगा।

दलित प्रेरणा स्थल की प्रबंधक पारूल सेन ने बताया कि एक अक्टूबर से प्रवेश शुल्क में पांच रुपये का इजाफा किया गया है। लोग अभी सुबह 11 से रात 9 बजे तक घूम सकते हैं। लेकिन, एक

नवंबर से दलित प्रेरणा स्थल पर घूमने के समय में एक घंटे की कटौती की गयी है। दलित प्रेरणा स्थल पर एक नवंबर से रात आठ तक खुला रहेगा। गौरतलब है कि बीते दिनों दलित प्रेरणा स्थल पर शादी की अनुमति दिए जाने की चर्चा काफी तेज चली थी। लेकिन, अभी नोएडा के दलित प्रेरणा स्थल पर शादी की अनुमति को लागू नहीं किया गया है। अभी लखनऊ स्थित दलित प्रेरणा स्थल पर इस व्यवस्था को ट्रायल के रूप में शुरू किया गया है।

एक हजार से ज्यादा लोग आते हैं रोजाना

दलित प्रेरणा स्थल का उद्घाटन उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने किया था। मायावती के शासनकाल में ही नोएडा एक्सप्रेस-वे के किनारे दलित प्रेरणा स्थल बनाया गया। इसका उद्घाटन 14 अक्टूबर 2011 को किया गया। दलित प्रेरणा स्थल पर रोजाना एक हजार से भी ज्यादा लोग आते हैं।

33 एकड़ जमीन पर बने दलित प्रेरणा स्थल के अंदर मिनी संग्रहालय भी है खास

राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल में एक मिनी संग्रहालय भी बनाया गया है। यह 33 एकड़ भूमि पर बनाया गया है। इसमें संत कबीर, भीमराव अंबेडकर, छात्रपति शाहूजी महाराज, ज्योतिबा फूले, काशीराम और मायावती की बड़ी-बड़ी प्रतिमा लगी हुई है। इसके अलावा हाथी और घोड़े भी लगाए गए हैं। राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल को बनाने में करीब 680 करोड़ रुपये की लागत आयी थी।

ससुराल से दिल्ली लौट रहे बाइक सवार के साथ हादसा

युवक को सांड ने मारी टक्कर, ट्रक से कुचलकर युवक की मौत

❖ जनभावना टाइम्स

ग्रेटर नोएडा। ससुराल से वापस दिल्ली लौट रहे बाइक सवार के सामने अचानक एक सांड़ आ गया। सांड से टकराने के बाद युवक गिर गया और ट्रक ने युवक को कुचल दिया। इस घटना में मौके पर युवक की मौत हो गयी।

पुलिस ने ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, बादलपुर थाना पुलिस इस मामले की जांच में जुट गयी है। दिल्ली का रहने वाला 30 वर्षीय नसरुद्दीन बुलंदशहर अपनी ससुराल गया था। वह बाइक से वापस घर लौट रहा था। बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग-91 पर एक कंपनी के गेट के सामने एक सांड आ गया। सांड़ से टकराने के बाद मोटर साइकिल का संतुलन बिगड़ गया और बाइक सड़क पर कई मीटर घसीटने के बाद डिवाइडर से

टकराकर गिर गयी। इस दौरान बुलंदशहर की तरफ से आ रहे ट्रक ने नसरुद्दीन को कुचल दिया।

इसके बाद सांड़ वहां से चला गया। हादसे में नसरुद्दीन की मौके पर ही मौत हो गयी। बादलपुर कोतवाली के एसएचओ ब्रह्मपाल सिंह ने बताया कि मृतक के परिजनों को घटना के बारे में जानकारी दे दी गयी है। पूरी घटना नजदीक के लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गयी।

नौकरानी की हत्या करने के दो आरोपी शूटर मुठभेड़ में घायल

❖ जनभावना टाइम्स

ग्रेटर नोएडा। दादरी में हापुड़ के दो सुपारी किलर और थाना दादरी पुलिस की मुठभेड़ हो गयी। पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में पुलिस की गोली लगने से दोनों बदमाश घायल हो गए। पुलिस को इनके कब्जे से बाइक, दो तमंचे, कारतूस और 50 हजार रुपये बरादम हुए हैं।

दोनों शार्प शूटरों ने पांच दिन पहले दादरी में एक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी थी।डीसीपी ग्रेटर नोएडा साद मियां खान ने बताया कि बीते दिनों सरस्वती विहार में बाइक सवार दो बदमाशों में राजकुमारी नामक महिला को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया था। इस मामले के खुलासा के लिए पुलिस टीम लगातार

सर्च अभियान चला रही थी। जांच के दौरान महिला के पड़ोसी कपिल का नाम अब तक सामने आया था। शनिवार को पुलिस को सूचना मिली थी कि हत्या की वारदात को अंजाम देने वाले शूटर सुपारी के बकाया पैसे लेने के लिए दादरी आ रहे हैं।

सूचना के आधार पर पुलिस ने कोट नहर के पास वाहनों की चेकिंग शुरू कर दी। इस दौरान मुखबिर के इशारे पर पुलिस ने बाइक सवार दो युवकों को रोकने की कोशिश की। पुलिस को देखकर बाइक सवार भागने लगे पीछा करने पर इन्होंने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाशों के पैर में गोली लग गयी। जिसके बाद पुलिस ने दोनों बदमाशों को गिरफ्तार किया। तलाशी में उनके पास से एक-एक तमंचा और कारतूस बरामद किया है।

25 हजार के इनामी बदमाश को पुलिस ने किया गिरफ्तार

नोएडा। फर्जी जीएसटी फर्म बनाकर सरकार को करोड़ों रुपये का चूना लगाने वाले एक शातिर अपराधी को थाना सेक्टर 20 की पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए शातिर पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। नोएडा के थाना सेक्टर 20 पुलिस को बीट पुलिसिंग के माध्यम से सूचना मिली कि पिछले दिनों नोएडा में हुए फर्जी जीएसटी फर्म घोटाले में वांछित चल रहा एक आरोपी नोएडा आया हुआ है। जिसके बाद पुलिस ने फर्जी रूप से जीएसटी फर्म घोटाले में सलिप्त पिछले कई माह से फरार चल रहा 25 हजार का इनामी शातिर प्रवीण कुमार पुत्र ओम प्रकाश निवासी खिरसा डोह तहसील परासिया थाना परासिया जिला छिन्दवाड़ा मध्य प्रदेश को नोएडा के सेक्टर 37 बोटेनिकल गार्डन से गिरफ्तार किया गया है।

लोकसभा चुनाव से पहले अखिलेश यादव जिले के कार्यकर्ताओं को देंगे जीत का मंत्र

❖ जनभावना टाइम्स

नोएडा। आगामी 2024 लोक सभा चुनाव को देखते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है। एक तरफ समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव सोशल मीडिया के माध्यम से भाजपा पर जमकर हमला बोल रहे हैं।

दूसरी तरफ प्रदेश भर के कार्यकर्ताओं के साथ बैठकों का दौर भी लगातार कर रहे हैं। इस बैठकों के दौरान सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव कार्यकर्ताओं को लोक सभा चुनावों के दौरान जीत का मंत्र भी दे रहे हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष

अखिलेश यादव रविवार को नोएडा दौरे पर रहने वाले हैं।

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के आगमन की सूचना पर कार्यकर्ताओं ने इसकी तैयारी भी शुरू कर दी है। महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता ने बताया कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव दोपहर करीब दो बजे नोएडा में रहेंगे। सपा कार्यकर्ता डीएनडी पर राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत करेंगे। इसके बाद काफिलों के साथ विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे।

अखिलेश यादव सेक्टर 73 में गांव सर्फाबाद जाएंगे। यहां पर हीरादई और किशन सिंह यादव की मूर्ति का अनावरण करेंगे। उसके बाद कार्यकर्ताओं के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष बैठक भी करेंगे।

सात महीने में दूसरी बार नोएडा दौरे पर आ रहे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष

सात महीने पहले सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव नोएडा आए थे। इस दौरान उन्होंने सेक्टर 63 में हजरत वाजिदपुर में राजपाल यादव की प्रतिमा का अनावरण किया था। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष ने गौतमबुद्ध नगर के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक भी की थी। दूसरी तरफ लोक सभा चुनाव में अपनी मजबूत दावेदारी कायम करने के लिए सपा कार्यकर्ताओं ने अपनी पूरी ताकत झोक दी है। इस बात के काफी ज्यादा कयास लगाए जा रहे कि पार्टी की मजबूती को लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव गौतमबुद्ध नगर के कार्यकर्ताओं के साथ विस्तार से बैठक कर सकेत हैं।

एडिशनल डीसीपी ने शहर में चलाया चेकिंग अभियान

❖ जनभावना टाइम्स

नोएडा। बॉटेनिकल गार्डन मेट्रो स्टेशन, सेक्टर 15, 16 और सेक्टर 18 मेट्रो स्टेशन पर एडिशनल डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने पुलिस बल के साथ चेकिंग अभियान चलाया

इस चेकिंग अभियान के दौरान मेट्रो स्टेशन परिसर में सुरक्षा पर तैनात सभी सुरक्षा कर्मचारियों को कई आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। एडिशनल डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने निर्देश देते हुए कहा कि सीसीटीवी के माध्यम से प्रत्येक आने और जाने वाले व्यक्ति पर अपनी नजर बनाए रखें। किसी भी व्यक्ति के संदिग्ध प्रतीत होने पर तुरंत उसकी सघनता पूर्वक चेकिंग की जाए।

वहीं, एडीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने मेट्रो परिसर के आसपास महिलाओं से संवाद किया। इस दौरान एडिशनल डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने सुरक्षा के प्रति महिलाओं से विस्तार से जानकारी भी प्राप्त की।

रेड जोन में पहुंचा ग्रेनो का वायु प्रदूषण

❖ जनभावना टाइम्स

ग्रेटर नोएडा। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में दिवाली के बाद प्रदूषण का स्तर काफी तेजी के साथ बढ़ता है। लेकिन, इस बार दिवाली से पहले ही नोएडा और ग्रेटर नोएडा में प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है।

नोएडा और ग्रेटर नोएडा में प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ने से अब लोगों का सांस लेना काफी मुश्किल होता जा रहा है। ग्रेटर नोएडा का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) भी रेड जोन में पहुंच गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा जारी आकंड़ों के मुताबिक, ग्रेटर नोएडा का एक्यूआई 380 दर्ज किया गया।

इस प्रदूषण के स्तर को सीपीसीबी द्वारा बेहद खराब श्रेणी में दर्ज किया जाता है। एक अक्टूबर से ग्रेडेड रेस्पांस एक्शन प्लान (ग्रैप) को एनजीटी द्वारा लागू किया जा रहा है। लेकिन, अब तक नोएडा और ग्रेटर नोएडा में कई टूटी सड़कों की मरम्मत नहीं हो सकी है। ट्रैफिक जाम से निपटने और प्रतिबंधित जनरेटर के प्रयोग पर कार्रवाई करने के लिए कोई भी विस्तार के साथ कार्ययोजना अब तक तैयार नहीं की गयी है।

तापमान गिरने के साथ प्रदूषित हवा में सांस लेना हो जाता है बेहद मुश्किल

नोएडा और ग्रेटर नोएडा में लगातार तापमान गिरने के साथ ही प्रदूषित हवा में लोगों का सांस लेना काफी मुश्किल हो जाएगा। इसके बाद भी जिला प्रशासन के अधिकारियों द्वारा किसी भी प्रकार की कोई नई रणनीति तैयार नहीं की गयी है। जिला प्रशासन के अधिकारी अभी केवल एक अक्टूबर से लागू होने वाले ग्रैप पर निर्भर हैं। जिला प्रशासन की आधी अधूरी तैयारियां नोएडा और ग्रेटर नोएडा के निवासियों को काफी ज्यादा भारी पड़ सकती है।

सीएमओ की सलाह, मास्क लगाना शुरू करें

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि नोएडा और ग्रेटर नोएडा में वायु प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। वायु प्रदूषण के दौरान सबसे ज्यादा बीमार लोगों को ध्यान रखने की आवश्यकता है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा के निवासी के चेहरे पर मास्क लगाना एक बार फिर शुरू कर दें। इसके अलावा हाथ साबुन से धोते रहें और आंखों को ताजा पानी से धोते रहे। जिससे लोगों की आंखों पर जलन ना हो सके।

स्वच्छता अभियान को लेकर भाजपा ने की बैठक

❖ जनभावना टाइम्स

नोएडा। सेक्टर 35 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं ने एक बैठक का आयोजन किया। यह बैठक भाजपा के महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता और भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष रामनिवास यादव के नेतृत्व में आयोजित की गयी।

भाजपा के महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता ने बताया कि पीएम मोदी के आह्वान पर एक अक्टूबर को सभी मंडलों में होने वाले स्वच्छता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस स्वच्छता कार्यक्रम के दौरान भाजपा के सभी कार्यकर्ता शामिल रहेंगे।

इस मौके पर भाजपा जिला महामंत्री उमेश त्यागी, गणेश जाटव, जिला मंत्री चमन अवाना, युवा मोर्चा जिला महामंत्री अनुज प्रधान, मंडल अध्यक्ष सूर्य शर्मा, मोनू जोगी, विपिन प्रधान, कपिल धारीवाल, आकाश शर्मा, सचिन भाटी और उमेश यादव समेत कई लोग मौजूद रहे।

सांसद महेश शर्मा के जन्मदिन पर भव्य कार्यक्रम में उमड़े लोग

❖ जनभावना टाइम्स

नोएडा/ग्रेटर नोएडा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद डॉ. महेश शर्मा का जन्मदिन काफी धूमधाम के साथ मनाया गया। इस दौरान ग्रेटर नोएडा में एक भव्य कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। ग्रेटर नोएडा के इस कार्यक्रम में गौतमबुद्ध नगर के सभी भाजपा कार्यकर्ताओं के अलावा नोएडा और ग्रेटर नोएडा के सभी सम्मानित सदस्यों और समाजसेवी शामिल हुए।

सांसद डॉ. महेश शर्मा के जन्मदिन पर ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क-5 में स्थित गोल्डन ड्रीम बैंक्वेट हॉल में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम डॉ. महेश शर्मा फैंस क्लब द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डॉ. महेश शर्मा को बधाई देने के लिए नोएडा और ग्रेटर नोएडा से भारी संख्या में समर्थक पहुंचे। सांसद डॉ. महेश शर्मा के जन्मदिन पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान देश के प्रसिद्ध राजनी कलाकार प्रीतम नागर ने देशभक्ति गती "एक

सूत में बांध दिया सारा हिंदुस्तान तने" गाकर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके अलावा दर्जनों की संख्या में कलाकारों ने रागिनी और गीतों के द्वारा अपने शब्दों को प्रकट कर कार्यक्रम में समा बांध दिया।

कार्यक्रम के शुरूआत से ही नोएडा और ग्रेटर नोएडा के अलावा दूर-दूर से आए सैकड़ों की संख्या में लोग लाइन लगाकर सांसद को फूलों की माला और पुष्प गुच्छ भेंटकर फोटो खिंचवाई। लगातार 3 घंटे तक डॉ. महेश शर्मा का अपने समर्थकों के साथ फोटो सेशन जारी रहा। इसके बाद डॉ. महेश शर्मा ने केक काटकर अपने जन्मदिन को मनाया।लोगों के खाने के लिए इटालियन सलाद से लेकर रसगुल्ला, मूंग की दला का हलवा, टिक्की, दही भल्ले और कोल्ड ड्रिंक समेत कई स्वादिष्ट व्यंजनों की व्यवस्था की गयी।

इस दौरान दादरी क्षेत्र से दो बार विधायक रहे सतबीर गुर्जर, दादरी विधायक तेजपाल नागर, राजवीर भाटी, दीपक यादव, अभिषेक शर्मा, गौरव पटेल, सौरभ भाटी, पूर्व मंत्री वेदराम भाटी, नवीन शर्मा, नीलम सिंह नागर, गौरव पटेल, भाजपा कार्यकर्ता धर्मवीर सिंह, मनोज उपाध्याय, मुकेश शर्मा, गणेश यादव, सुरेंद्र नागर, राकेश शर्मा, विधान परिषद सदस्य व शिक्षक नेता श्रीचंद्र शर्मा और डॉ. महेश शर्मा फैंस क्लब के संस्थापक प्रशांत त्यागी समेत कई लोग मौजूद रहे।

क्रिकेटर सबा करीम और भुवनेश्वर कुमार ने वॉकथान में लोगों को किया जागरूक

❖ जनभावना टाइम्स

नोएडा। तेज रफ्तार जिंदगी और बदलती जीवन शैली से कई गंभीर बीमारियों हो सकती है। इसमें हृदय रोग भी शामिल हैं। पहले यह बीमारी उम्र दराज लोगों को ही अक्सर होती थी। अब कम उम्र के लोग भी इस बीमारी के चपेट में आ रहे हैं। लोगों को जागरूक करने के लिए नोएडा के यथार्थ अस्पताल में 'चलता रहे मेरा दिल' वॉकथान का आयोजन किया गया। भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी शबा करीम और भुवनेश्वर कुमार समेत सैकड़ों की संख्या में लोगों ने सड़कों पर वॉक कर एक जागरूकता संदेश दिया।

इस दौरान नोएडा की सड़कों पर वॉक कर रहे महिला और पुरुषों ने इस दौरान लोगों को जागरूक करते हुए उन्होंने कहा कि इस बीमारी से किसी भी व्यक्ति को घबराने की आवश्यकता नहीं है। 'चलता रहे मेरा दिल' वॉकथान की शुरूआत में क्रिकेट खिलाड़ी शबा करीम और भुवनेश्वर कुमार ने दिल के आकार का एक बैलून भी उड़ाया।

पुलिस विभाग के अधिकारी भी हुए शामिल

वॉकथान में शहर के सैकड़ों लोगों के साथ ही पुलिस विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। पुलिस विभाग के अधिकारी भी वॉक करते हुए नजर आ रहे थे। इस दौरान पुलिस विभाग के अधिकारियों ने कहा कि हमें अपने दिल का हमेशा ख्याल रखना चाहिए। उसके लिए खान-पान पर ध्यान रखना चाहिए। हमें हमेशा वॉक करते रहना चाहिए।

क्रिकेटर शबा करीम ने कहा कि स्वस्थ रहे और एक्सरसाइज करते रहें। भोजन करते समय अनुशासन का पालन करें। स्वस्थ हृदय के लिए जांच करते रहे। वहीं, भुवनेश्वर कुमार ने बताया कि आप अपनी सेहत का ध्यान रखें और लोगों में जागरूकता फैलाएं।

सेक्टर 27 में श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन

नोएडा। सेक्टर 27 स्थित क्लब में आरडब्ल्यूए द्वारा श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। वृंदावन धाम से पधारे भागवत भ्रमर आचार्य श्री मनीष कौशिक जी महाराज ने कहा कि पितृपक्ष में भागवत कथा श्रवण करने से हमारे पितरों की कभी दुर्गति नहीं होती है। महात्म कथा में ज्ञान वैराग्य भक्ति देवी के कष्ट का निवारण भागवत के तत्प्रभाव से हो गया। कथा का श्रवण करना कलयुग में भगवान को पाने का आसान तरीका है। कथा के श्रवण मात्र से सारे कष्ट और दुष्प्रभाव दूर हो जाते हैं। इस मौके पर राजीव गर्ग, मदन लाल शर्मा, एसके वर्मा, राजीव जैन, सुशील शर्मा, एससी गुप्ता, आलोक कुमार, कपिल जैन, सरोज चौरसिया, सीमा सिंघल और लता गोयल समेत कई लोग मौजूद रहे।

'रॉकी भाई' के रूप में फिर नजर आएंगे सुपरस्टार यश

'केजीएफ 1' और 'केजीएफ 2' के बाद इसके सीक्वल को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई। दर्शक उनकी अगली घोषणा के लिए उत्सुक थे। फिल्म के लीड एक्टर यश ने एक इंटरव्यू के दौरान साफ किया था कि वह दोबारा रॉकी भाई के किरदार में नजर नहीं आएंगे। इस बात से फैंस काफी नाराज हुए थे। लेकिन अब अगले एपिसोड को लेकर नया अपडेट सामने आया है और हर कोई इस खबर को सुनने के लिए उत्साहित हो जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, हम्बल फिल्म्स द्वारा निर्मित फिल्म 'केजीएफ 3' की शूटिंग अगले साल यानी 2024 में शुरू होगी। होमबल फिल्म्स के मालिक विजय किरगंदूर ने हाल ही में सुपरहिट केजीएफ सीरीज की अगली किस्त की रिलीज डेट की घोषणा की है। इतना ही नहीं इस साल के अंत तक फिल्म की घोषणा भी होने की संभावना है। मीडिया से बातचीत में विजय ने इस बारे में बड़ा संकेत दिया। उन्होंने यह भी बताया कि इस फिल्म की शूटिंग अक्टूबर 2024 में शुरू होगी और फिल्म 2025 में रिलीज होगी। उन्होंने यह भी घोषणा की कि 'केजीएफ 3' का प्री-प्रोडक्शन अभी चल रहा है और जल्द ही इसकी घोषणा की जाएगी। इस घोषणा से इस सीरीज और यश के प्रशंसक बहुत खुश हैं। 'केजीएफ चैप्टर 1' और 'केजीएफ चैप्टर 2' के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात करें तो दोनों ही फिल्मों ने जबरदस्त बॉक्स ऑफिस कलेक्शन किया है। चैप्टर 1 ने दुनिया भर में 238 करोड़ की कमाई की, वहीं 'केजीएफ 2' ने 1215 करोड़ की कमाई कर इतिहास रच दिया। अब दर्शकों को तीसरे एपिसोड का बेसब्री से इंतजार है।

विराट कोहली के घर आने वाली है खुशखबरी
फिर से मां बनने वाली हैं अनुष्का शर्मा!

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा और विराट कोहलीकी जोड़ी इंडस्ट्री की पॉपुलर जोड़ियों में से एक है। इनके कपल गोल्स को काफी पसंद किया जाता है। ऐसे में अब इस जोड़ी को लेकर खबर सामने आ रही है कि विराट-अनुष्का एक बार फिर से पैरेंट्स बनने वाले हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो कुछ दिन पहले ही एक्ट्रेस को पति विराट कोहली के साथ एक क्लिनिक के बाहर देखा गया था। दो साल पहले ही कपल पहले बच्चे का पैरेंट्स बना था। दोनों की एक बेटी वामिका है। कहा जा रहा है कि अनुष्का शर्मा और विराट कोहली के घर में एक फिर से बच्चे की किलकारी गूंजने वाली है। ऐसे में अगर ये खबर सच होती है तो वामिका को जल्द ही भाई या बहन मिलने वाला है। रिपोर्ट्स ये भी बताया जा रहा है कि वो सेकेंड ट्राइमेस्टर में हैं और इन दिनों प्रेग्नेंसी टाइम को काफी इन्जॉय कर रही हैं। कहा जा रहा है कि कपल पिछली बार की तरह ही आखिरी में ही गुड न्यूज शेयर करेगा। हालांकि, अभी तक अनुष्का की प्रेग्नेंसी को लेकर कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुआ है। आपको बता दें कि अनुष्का शर्मा और विराट कोहली ने 6 साल पहले 11 दिसंबर, 2017 में इटली में शादी की थी। इनके वेडिंग फंक्शन केवल चुनिंदा लोग ही पहुंचे थे। कपल शादी के बाद हनीमून के लिए रोम गया था और हफ्ते भर के बाद वहां से लौटा था। उन्होंने दो रिसेप्शन भी ऑर्गेनाइज किए थे। इसमें एक रिसेप्शन दिल्ली में और दूसरा मुंबई में दिया था। गौरतलब है कि अनुष्का शर्मा और विराट कोहली ने शादी के बाद 2020 में पहली बार प्रेग्नेंसी का ऐलान किया था। कपल ने एक फोटो को शेयर कर लिखा था, 'और अब हम तीन हो जाएंगे।' फिर 2021 की शुरुआत में यानी कि 11 जनवरी, 2021 को एक्ट्रेस ने वामिका को जन्म दिया था।

प्यार, धोखे और साजिश की कहानी बेकाबू-3
रिया सेन और राहुल सुधीर की दिखेगी हॉट केमिस्ट्री

मुंबई। डिजिटल एंटरटेनमेंट की दुनिया में लोकप्रिय ऑल्ट ने मोस्ट-अवेटेड सीरीज बेकाबू की लेटेस्ट इंस्टॉलमेंट बेकाबू 3 के साथ वापसी करने का ऐलान किया है। पिछले सफल सीजन को आगे बढ़ाते हुए, नया सीजन दर्शकों को और भी ज्यादा एंटरटेनिंग और थ्रिलिंग एक्सपीरियंस देने का वादा करता है। यह दर्शकों को रोमांचित करेगा।शानदार कलाकारों से सजी बेकाबू 3 में चित्रा के किरदार में रिया सेन, ईशा के किरदार में नवीना बोले, अर्जुन के किरदार में राहुल सुधीर, यूडी के किरदार में इमरान खान और अलीशा के किरदार में निकिता घाग हैं। कलाकारों ने दमदार परफॉर्मेंस देने का वादा किया है, जो दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देगा और उन्हें अपनी सीटों से बांधे रखेगा।बेकाबू 3 ह्यूमन नेचर में गहराई से उतरती है, एक ऐसी दुनिया में जहां कोई भी वैसा नहीं है, जैसा वे होने का दिखावा करते हैं। यहां झूठ और विश्वासघात है। कहानी एक मासूम पत्नी तापसी और उसके पति अर्जुन, जो उसका बॉस होता है, के इर्द-गिर्द घूमती है। स्टोरी में धोखे और इच्छा का जाल है।अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए, रिया सेन ने कहा, बेकाबू 3 में चित्रा का किरदार निभाना मेरे लिए बेहद रोमांचकारी रहा है। चित्रा एक ऐसा करेक्टर है, जो बहुआयामी, रहस्यमय और आश्चर्य से भरपूर है। मुझे चित्रा की मानसिकता को गहराई से समझने और उसकी जटिलताओं को पर्दे पर जीवंत करने में मजा आया। सीरीज में दर्शक देख सकेंगे कि चित्रा भावनाओं के किस उतार-चढ़ाव से गुजरती है और इस मनोरंजक कहानी में उनका चरित्र कैसे सामने आता है। बेकाबू 3 एक ऐसा अनुभव है, जो किसी अन्य से अलग नहीं है और मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को इ से देखने में उतना ही आनंद आएगा, जितना मुझे चित्रा का किरदार निभाने में आया।राहुल सुधीर ने कहा, बेकाबू 3 में अर्जुन का किरदार निभाना एक अविस्मरणीय अनुभव रहा है। अर्जुन एक ऐसा करेक्टर है, जो रहस्यमय और विरोधाभासी है और वह कहानी के रहस्य और नाटक में एक अनूठी परत जोड़ता है। ऐसे प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ काम करना सौभाग्य की बात है, और मेरा मानना है कि हमारे दर्शक पहले एपिसोड से ही इससे जुड़ जाएंगे।

मंदिरों के लिए फेमस है बेंगलुरु

बेंगलुरु अपने लाइफस्टाइल, बेहतरीन फूड और मार्डन शॉपिंग मॉल के लिए दुनिया भर में फेमस है। अपनी इन्हीं खासियतों की वजह से बेंगलुरु में आपको हर वक्त चहल-पहल देखने को मिलेगी। मार्डन होने के साथ-साथ बेंगलुरु धार्मिक तौर पर भी बहुत आगे है। आपको यहां ऐसे बहुत से मंदिर देखने को मिलेंगे जहां जाकर आपको एक दम शांति महसूस होगी।

डोडा गणेश मंदिर : बुल टेंपल रोड पर स्थित डोडा मंदिर अपनी खूबसूरती की वजह से दुनिया भर में फेमस है। यह मंदिर गणेश जी को समर्पित है। यहां पर आपको गणपति जी की लगभग 18 फीट ऊंची मूर्ति के दर्शन करने को मिलेंगे। इस मूर्ति की एक और खास बात है कि इसका निर्माण एक चट्टान को तोड़कर किया गया है। मंदिर में भगवान दर्शन के लिए सुबह 6 से दोपहर 12 बजे और शाम 5:30 बजे से रात 9 बजे तक का समय सबसे बेहतर रहता है।

इस्कॉन मंदिर : इस्कॉन एक संस्था का नाम है, जिसके अंदर विश्वभर के कृष्ण मंदिर आते हैं। इस संस्था का केवल एक ही महत्व है कि लोगों को शांत और सरल जगह प्रदान करना है। बेंगलुरु के इस इस्कॉन मंदिर की स्थापना वर्ष 1997 में की गई थी। मंदिर के अलावा, यहां पर आपको भगवान कृष्ण के जीवन के बारे में पाठ, प्रार्थनाओं और मंत्रोच्चार का आयोजन, भक्तों के लिए ठहरने के लिए कमरे, एक संग्रहालय और एक थिएटर भी मिलेगा जहां आपको कृष्ण जी से जुड़ी खास बातें विस्तार में बताई जाएंगी।

शिवोहम शिव मंदिर : कुछ अलग देखने के शौकीन लोगों के लिए बेंगलुरु किसी गिफ्ट से कम नहीं हैं। यहां आपको एक नहीं बल्कि अनेक अलग-अलग तरह की ईमारतें, घर और न जाने और कितनी चीजें देखने को मिलेंगी। शिवोहम शिव मंदिर भी बेंगलुरु की उन्हीं खास जगहों में से एक है। प्रवेश द्वार पर शुद्ध सफेद रंग की शिव की प्रतिमा के बाद आपको वहां पर 35 फीट ऊंची भगवान गणेश की प्रतिमा भी देखने को मिलेगी। अगर आप शांति के साथ-साथ वास्तुकला का अद्भुत संगम देखना चाहती हैं तो शिवोहम शिव मंदिर जरूर जाएं।

श्रीगिरि श्री शंखमुख मंदिर : यह मंदिर अपने छह मुख वाले शानदार शंख की वजह से दुनिया भर में फेमस है। इस मंदिर में क्रिस्टल के साथ सजाया गया एक और विशाल गुंबद है। जो दिन के समय तो चमकता है ही, साथ ही रात्रि में एलईडी में भी इसकी चमक देखते ही बनती है। मंदिर के प्रवेश द्वार पर आपको मोर की मूर्तियाँ देखने को मिलेंगी। इस मंदिर की खासियत है कि यहां सूर्य किरण के साथ शंखमुख को अभिषेक किया जाता है। जब सूरज की किरणें शंख पर पड़ती हैं तो उस समय मंदिर की खूबसूरती अजब नजारे पेश करती है।

बैठने वाली जॉब करने वाले जरूर करें ये योगासन

जैसे-जैसे तकनीक विकसित होती जा रही है, बहुत सारे काम अब एक ही जगह बैठकर किए जाने लगे हैं। इसी तरह पढ़ने वाले स्टूडेंट्स, दुकानदार और डेस्क जॉब वाले लोगों को दिनभर एक ही जगह बैठे-बैठे काम करना पड़ता है। काम के दबाव के कारण न तो अपनी फिटनेस के बारे में सोचने का वक्त होता है और न ही जिम जाकर एक्सरसाइज करने का समय होता है। ऐसे में देखा गया है कि थोड़े समय बाद इन लोगों में पीठ दर्द, कमर दर्द, कंधा दर्द या कोहनी और उंगलियों का दर्द शुरू हो जाता है।

हस्तोत्तासन करें : हस्तोत्तासन को आप कहीं भी और कभी भी कर सकते हैं। इसे करने के लिए सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं और हाथों को ऊपर आकाश की तरफ उठा लें। अह दोनों हाथों के पंजों को मिलाते हुए एड़ियों को ऊंचा करें और हाथों को और ऊपर की तरफ खींचें। इसके बाद एड़ियों को जमीन पर रख दें। अब हाथों को ऊपर उठाए हुए ही दाईं तरफ क्षमतानुसार घूम कर स्ट्रेच करें। फिर इसी तरह बाईं तरफ क्षमतानुसार स्ट्रेच करें। हर 3 घंटे के अंतराल पर ऐसा 2-3 बार कर लें, तो आपको कभी भी कमर और पीठ की समस्या नहीं होगी।

सुप्त पवनमुक्तासन : चटाई बिछाकर सीधे लेट जाएं। अपने घुटनों से टांगें मोड़ लें और उन्हें अपनी छाती के करीब लाएं। अपनी टांगों के आसपास अपनी बाहें लपेटें। चाहें तो अब आंखें भी बंद कर सकती हैं। गहरी सांस लें। इसी मुद्रा में 1 मिनट के लिए रहें। अब सांस छोड़ें और अपना सिर इतना उठाएं कि आपकी नाक घुटनों को छू सके। इस मुद्रा में 5 सेकंड तक रहें। सांस लेते हुए अब अपना सिर पीछे ले जा सकती हैं। इसे 5 बार दोहराएं। इस आसन से पेट, छोटी और बड़ी इंटेस्टाइन, लिवर, पेनक्रियाज़, गॉलब्लैडर और पेल्विक की मांसपेशियों की खुद-ब- खुद मालिश हो जाती है।

पदसंचालनासन : यह आसन मोटापे के इलाज में बहुत कारगर है। इसके अभ्यास से पीठ, हिप्स, टांगें, होठ, पेट और पेल्विस मजबूत होते हैं। चटाई बिछा लें और उस पर सीधी लेट जाएं। हथेलियां नीचे की तरफ हों। सामान्य रूप से सांस लें और अपनी दोनों टांगों को ऐसे हवा में चलाएं, मानो लेटे हुए साइकिल चला रही हों। इसके 10-12 राउंड्स करें। अब शवासन में आएं, यानी लेट जाएं और दो मिनट तक धीरे-धीरे सांस लें।

चेहरे के बाल हटाने के लिए नुकसानदायक है वैक्सिंग

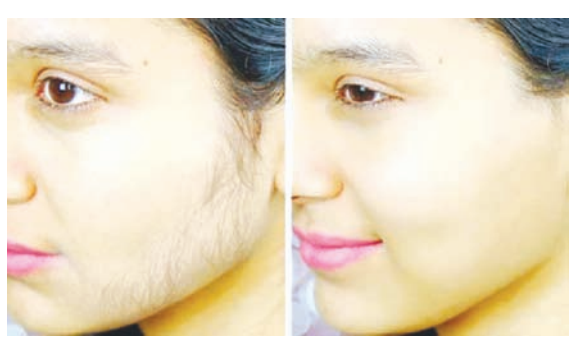

मुंहासें, दाग-धब्बे और झुर्रियां जैसी कई चीजें आपके चेहरे की सुंदरता को कम कर देती हैं। जिन्हें दूर करने के लिए आप कई तरीके अपनाते हैं। इन सभी चीजों की तरह चेहरे पर मौजूद अनचाहे बाल भी आपकी चेहरे की सुंदरता को कम कर देती हैं। चेहरे से बाल हटाने के लिए महिलाएं कई तरीके अपनाती हैं। इनमें से कुछ घरेलू उपाय होते हैं। मगर कुछ महिलाएं चेहरे से अनचाहे बालों को हटाने के लिए वैक्सिंग भी करवाती हैं। हाथ, पैर और अंडरआर्म्स से बालों को हटाने के लिए आपने वैक्सिंग के बारे में तो सुना ही होगा। अब चेहरे से बाल हटाने के लिए भी वैक्सिंग कराई जाती है। चेहरे पर वैक्सिंग करने के होने वाले नुकसानों के बारे में बताते हैं।

रैशेज : चेहरे पर वैक्सिंग करने से कुछ समय के लिए रैशेज और जलन होना सामान्य होता है। हालांकि यह रैशेज साइड इफेक्ट होते हैं। यह रैशेज एक दिन तक रहते हैं। अगर यह रैशेज ज्यादा समय तक रहते हैं तो उस प्रोडक्ट का इस्तेमाल करना बंद कर दें।

सन सेंसिटिविटी : अगर आपको सन बर्न हुआ है तो उस दौरान चेहरे पर वैक्स नहीं करनी चाहिए। उस दौरान आपको अपनी त्वचा का खास ध्यान रखना चाहिए। साथ ही अगप आपने अगर चेहरे पर वैक्स कराई है तो धूप में निकलने से बचना चाहिए। चेहरे पर वैक्सिंग के दौरान बालों के साथ त्वचा की ऊपरी परत एपिडर्मिस भी हट जाती है। जिसकी वजह से आपकी त्वचा सूरज की रोशनी में ज्यादा संवेदनशील हो जाती है।

इनग्रोन हेयर : शेविंग के साथ वैक्सिंग की वजह से भी इनग्रोन हेयर की समस्या हो जाती है। वैक्सिंग के दौरान इनग्रोन हेयर से बचने के लिए बालों के विपरीत तरफ स्ट्रिप खीचें। कई बार बालों की जड़ें मजबूत होने की वजह से यह वैक्सिंग की मदद से पूरी तरह निकल नहीं पाते हैं जिससे इनग्रोन हेयर रह जाते हैं।

दर्द : वैक्सिंग की वजह से दर्द बहुत होता है। ऐसा तब होता है जब बहुत जल्दी वैक्स स्ट्रिप को हटा दिया जाता है। इस दौरान संवेदनशील त्वचा पर सबसे ज्यादा दर्द होता है।

इंफेक्शन : कुछ लोगों को वैक्सिंग की वजह से इंफेक्शन हो जाता है। कई बार वैक्सिंग के दौरान त्वचा से खून आने लगता है या त्वचा खराब हो जाती है। अगर किसी जगह पर पहले से कट है तो वहां वैक्स लगाने से इंफेक्शन होने की संभावना बढ़ जाती है।

आज का राशिफल

मेष राशि :- कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और सहयोगियों की मदद से सभी कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृषभ राशि :- आपकी कार्यशैली से अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। कार्यभार की अधिकता से दिन भागदौड़ में बीतेगा।

मिथुन राशि :- परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। सामाजिक और धार्मिक कार्यों के प्रति रूझान बढ़ेगा।

कर्क राशि :- परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन हो सकता है। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें और सेहत का ध्यान रखें।

सिंह राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी और धनलाभ की स्थिति रहेगी।

कन्या राशि :-आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा और कारोबार विस्तार की योजनाएं बनेंगी।

तुला राशि :- नए कार्यों की शुरुआत करने से बचें, वरना बड़ा नुकसान होने की संभावना रहेगी।

वृश्चिक राशि :- कार्यों में सफलता मिलने से धनलाभ होगा, अनावश्यक धन व्यय की भी अधिकता रहेगी।

धनु राशि :- रुका हुआ पैसा मिल सकता है। उधार लेन-देन से बचें। परिश्रम और प्रयासों से सभी कार्यों में सफलता मिलेगी।

मकर राशि :- परिजनों का भरपूर सहयोग मिलेगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

कुम्भ राशि :- आय में वृद्धि के योग भी बन रहे हैं। कार्यभार की अधिकता रहेगी और कार्यों सफलता के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ेगा।

मीन राशि :- परिजनों और मित्रों का भी भरपूर सहयोग मिलेगा। जोखिम लेने से नुकसान उठाना पड़ सकता है।

-ज्योतिषाचार्य: पंडित जितेंद्र तिवारी

भारतीय खिलाड़ी लंबी कूद, 1500 मीटर, महिला 100 मीटर बाधादौड़ के फाइनल में

हांगझोउ। भारतीय बाधा धाविका ज्योति याराजी और नित्या रामराज ने एशियाई खेलों में महिलाओं की सौ मीटर बाधा दौड़ के फाइनल में प्रवेश कर लिया जबकि लंबी कूद में मुरली श्रीशंकर और जेस्विन एलड्रिन ने फाइनल में जगह बनाई । एशियाई चैम्पियन याराजी 13 . 03 सेकंड का समय निकालकर अपनी हीट में दूसरे स्थान पर रही । चीन की युवेइ लिन शीर्ष रही । नित्या रामराज अपनी हीट में पांचवें स्थान पर रही लेकिन 13 . 30 सेकंड के समय के साथ दूसरी सबसे तेज लूजर के रूप में क्वालीफाई कर लिया ।

लंबी कूद में राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक विजेता श्रीशंकर ने स्वतः क्वालीफिकेशन मार्क 7 . 90 मीटर से ऊंची कूद लगाकर फाइनल में जगह बनाई । श्रीशंकर का सर्वश्रेष्ठ निजी प्रदर्शन 8 . 41 मीटर है । उन्होंने 7 . 97 मीटर की कूद लगाई । वहीं जेस्विन एलट्रिन ने 7 . 67 मीटर की कूद लगाई थी जो स्वतः क्वालीफिकेशन के लिये पर्याप्त नहीं थी । वह शीर्ष 12 में अपनी हीट में दूसरे स्थान पर रहकर क्वालीफाई कर गए । पुरूषों के 1500 मीटर वर्ग में जिंसन जॉनसन और अजय कुमार ने क्वालीफाई किया । जॉनसन 3 : 56 . 22 का समय निकालकर स्वतः क्वालीफाई करने में कामयाब रहे । वहीं अजय कुमार अपनी हीट में दूसरे स्थान पर रहकर फाइनल में पहुंचे । इनके फाइनल रविवार को होंगे ।

कुराश : पिंकी बलहारा क्वार्टर फाइनल में हारी, केशव और सुचिका भी बाहर

हांगझोउ। जकार्ता एशियाई खेल 2018 की रजत पदक विजेता भारत की पिंकी बलहारा एशियाई खेलों की कुराश स्पर्धा में महिलाओं के 52 किलो क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हो गई । पिंकी को उजबेकिस्तान की सितोरा एल्मुरोडोवा ने हराया । इससे पहले पिंकी ने दक्षिण कोरिया की जो यि ली को 5 . 3 से हराया । उसने अंतिम 32 में एशिरिन हेडारोवा को 5 . 0 से मात दी थी । भारत के बाकी खिलाड़ी हारकर बाहर हो गए । सुचिका तरियाल महिलाओं के 52 किलो वर्ग में अंतिम 32 से ही बाहर हो गई । उन्हें फिलीपींस की चार्मिया किलिनो ने 8 . 3 से हराया । वहीं पुरूषों के 66 किलोवर्ग में केशव को दक्षिण कोरिया के जेडियोग क्वोन ने 10 .0 से मात दी । अब रविवार को विशाल रूहील (81 किलो), यश कुमार चौहान (90 किलो) और ज्योति टोकस (87 किलो) पर भारत की उम्मीदों का दारोमदार होगा । 33 वर्ष की सुचिका जूडो में पांच बार की राष्ट्रीय चैम्पियन है लेकिन एशियाई खेलों में उनका भारवर्ग नहीं होने से कुराश में भाग लिया । उन्होंने कहा ,'' मैने विश्व कप, विश्व चैम्पियनशिप, एशियाई चैम्पियनशिप और राष्ट्रमंडल खेलों में भी भाग लिया है । मेरा भारवर्ग एशियाई खेलों में जूडो में नहीं था लिहाजा मुझे खेल बदलना पड़ा ।'' उन्होंने कहा ,'' मैं जूडो में लौटूंगी और दोनों खेलों में भाग लूंगी ।

रोमांचक मुकाबले में पाकिस्तान को दी मात

स्क्वैश में भारत का गोल्डन शॉट

हांगझोउ। अभय सिंह ने उतार चढ़ाव भरे मैच में गजब का संयम दिखाते हुए नूर जमां को हराकर अपने करियर की सबसे बड़ी फतह हासिल की जिससे शीर्ष वरीय भारत ने शनिवार को यहां एशियाई खेलों की पुरुष टीम स्क्वाश स्पर्धा में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को रोमांचक मुकाबले में हराकर स्वर्ण पदक जीत लिया। टूर्नामेंट शुरु होने से पहले भारतीय पुरुष टीम के आठ साल बाद शीर्ष स्थान पर रहने की उम्मीद थी जिसमें उसके सामने सबसे बड़ी चुनौती मलेशिया और पाकिस्तान की थी। सौरव घोषाल की अगुआई वाली टीम इन दोनों प्रतिद्वंद्वियों की चुनौती से निपटकर सोना हासिल करने में सफल रही। पाकिस्तान के खिलाफ भारत को लीग चरण में इस चिर प्रतिद्वंद्वी से हार मिली थी।

जमां (113 रैंकिंग) ने लीग चरण के मैच में दुनिया के 69वें नंबर के खिलाड़ी अभय को हराया था और शनिवार को भी मैच में ज्यादातर हिस्से में यह पाकिस्तानी खिलाड़ी मुकाबले में भारी दिख रहा था। एकल में नासिर इकबाल की जीत के बाद घोषाल स्कोर को 1-1 से बराबर करने में सफल रहे जिससे स्वर्ण पदक का फैसला अभय और जमां के बीच मुकाबले से होना था। दिन के नायक चेन्नई के अभय रहे जिन्होंने उतार चढ़ाव भरे निर्णायक मैच में गजब का संयम दिखाते हुए जमां को 3-2 से पराजित किया। जमां चौथे गेम में 9-7 से और निर्णायक गेम में 10-8 से आगे चल रहे थे। लेकिन भारतीय खिलाड़ी अभय किसी तरह वापसी कर 64 मिनट तक मैराथन मुकाबले में 11-7, 9-11, 8-11, 11-9, 12-10 के स्कोर से यादगार जीत दर्ज की। इस जीत के बाद उन्होंने अपना रैकेट हवा में उछाल दिया। अभय ने कहा, ''हमें तीन रात पहले भी जीत दर्ज करनी चाहिए थी क्योंकि हमारी टीम भारत के सबसे ऊंची 19 रैंकिंग वाले खिलाड़ी घोषाल ने कहा, ''परिस्थितियों को देखते हुए यह निश्चित रूप से अभय के करियर की सबसे बड़ी जीत है। '' अभय 2017 में पेशेवर बने थे और उनके बारे में लोग ज्यादा नहीं जानते लेकिन शनिवार की इस जीत से इसमें काफी बदलाव आना चाहिए। मैच 2-2 की बराबरी के बाद यह साफ दिख रहा था कि उन्हें अपने साथी खिलाड़ियों से कोई सलाह नहीं चाहिए। पहले एशियाई खेलों में वह काफी आत्मविश्वास से भरे दिख रहे थे।

इससे पहले अनुभवी घोषाल ने मोहम्मद असीम खान पर 3-0 (11-5, 11-1, 11-3) की जीत से भारत को मुकाबले में वापसी करायी क्योंकि महेश मंगावंकर शुरुआती मैच में इकबाल नासिर से इसी अंतर (8-11, 2-11. 3-11) से हार गये थे। भारत ने इस तरह लीग चरण में पाकिस्तान से मिली शिकस्त का बदला चुकता किया। भारत ने इंचियोन 2014 चरण में पुरुष टीम स्क्वाश स्वर्ण पदक जीता था जबकि पाकिस्तान ने पिछला स्वर्ण पदक ग्वांग्झू 2010 में जीता था। घोषाल अपना छठा एशियाड खेल रहे हैं और अब उनका ध्यान व्यक्तिगत स्पर्धा में पहला स्वर्ण पदक जीतने का होगा। वह बुसान 2002 एशियाड से एकल में तीन कांस्य और एक रजत पदक जीत चुके हैं।

टेनिस में बोपन्ना-भोसले की जोड़ी ने जीता सोना

हांगझोउ। अनुभवी रोहन बोपन्ना और रूतुजा भोसले ने पहला सेट हारने के बाद वापसी करते हुए चीनी ताइपै के सुंग हाओ हुआंग और एन शुओ लियांग को 2 . 6, 6 . 3, 10 . 4 से हराकर एशियाई खेलों की मिश्रित युगल स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीत लिया। अब भारतीय टेनिस दल कम से कम एक स्वर्ण पदक लेकर लौटेगा । इस बार एशियाई खेलों में टेनिस में भारत की झोली में दो ही पदक गिरे जिनमें पुरूष युगल का रजत शामिल है । पहले सेट में भोसले को अपनी सर्विस और रिटर्न में काफी दिक्कत हुई और चीनी ताइपै के खिलाड़ियों ने उसे ही निशाना बनाया । उसने हालांकि दूसरे सेट में अपने खेल में जबर्दस्त सुधार करके कुछ शानदार रिटर्न लगाये । बोपन्ना ने कहा ,'' हमें एक दूसरे की कमजोरियों और ताकत को समझना था । हम आज पहला सेट हार गए तो मैने कहा कि साइड बदल लेते हैं । हमें कुछ तो बदलाव करना ही था ।'' उन्होंने कहा ,''वे बहुत अच्छा खेल रहे थे । मुझे ऐसा लग रहा था मानो मेरा पहला या दूसरा एशियाई खेल है । इतने साल खेलने के बाद मैं खुद को जल्दी ढाल लेता हूं । इस तरह के मैचों में यह बहुत जरूरी भी है ।'' उन्होंने कहा कि अब वह भारत और पाकिस्तान का हॉकी मैच देखेंगे । उन्होंने कहा ,'' मैं कुछ मैच देखना चाहता हूं । अभी तक मौका नहीं मिला लेकिन अब देखूंगा । '' भारत ने टेनिस में 2002 में बुसान में चार, 2006 में दोहा में चार, 2010 में ग्वांग्झू में पांच, 2014 में इंचियोन में पांच और 2018 में जकार्ता में तीन पदक जीते थे । साकेत माइनेनी और रामकुमार रामनाथन ने पुरूष युगल में रजत जीता है । एकल वर्ग में अंकिता रैना और सुमित नागल पहले ही हारकर बाहर हो गए । वहीं पुरूष युगल में बोपन्ना और युकी भांबरी भी शुरूआती दौर में उलटफेर का शिकार हो गए ।

हॉकी में भारत की पाकिस्तान पर सबसे बड़ी जीत

एशियाड ग्रुप स्टेज में 10-2 से हराया

हांगझोउ। एशियाई खेलों में पुरुष हॉकी में भारत ने पाकिस्तान को 10-2 से रौंद दिया है। हरमनप्रीत सिंह की अगुआई में टीम इंडिया ने लगातार चौथी जीत हासिल की। इसी के साथ भारत ने सेमीफाइनल के लिए भी क्वालिफाई कर ली है। अब भारत का आखिरी पूल-ए मुकाबले में बांग्लादेश से सामना होगा। टीम इंडिया के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने चार गोल दागे, जबकि वरुण ने दो गोल दागे। ललित, शमशेर, मनदीप और सुमित ने एक-एक गोल किया। यह भारत-पाकिस्तान हॉकी मैच में पहली बार है जब दोनों में से किसी एक टीम ने 10 गोल दागे हैं। भारत ने यह कीर्तिमान रचा है। पहले क्वार्टर में भारत ने आठवें मिनट में ही पहला गोल दाग दिया था। मनदीप सिंह ने फील्ड गोल किया और टीम इंडिया को 1-0 की बढ़त दिला दगी। इसके बाद 11वें मिनट में पाकिस्तानी गोलकीपर के

फाउल पर भारत को पेनल्टी स्ट्रोक मिला। इस पर कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने गोल दाग भारतीय टीम को 2-0 से आगे कर दिया। पहले क्वार्टर में भारतीय टीम ने 2-0 की बढ़त बना रखी थी। दूसरे क्वार्टर में 17वें मिनट में भारत के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर पर ड्रैग फ्लिक से शानदार गोल किया और टीम इंडिया की बढ़त 3-0 की कर दी। इसके बाद 30वें मिनट यानी दूसरे क्वार्टर के आखिरी क्षणों में सुमित, ललित और गुरजंत की जुगलबंदी से भारत ने चौथा गोल स्कोर किया। हाफटाइम तक भारत ने पाकिस्तान पर 4-0 की बढ़त बना ली थी।

सरबजोत और दिव्या ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम में रजत पदक जीता

हांगझोउ। अपना जन्मदिन मना रहे भारत के सरबजोत सिंह और दिव्या टीएस एशियाई खेलों की 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा के फाइनल में चीन की जोड़ी से हार गए और रजत पदक से ही संतोष करना पड़ा । भारत ने इन खेलों में निशानेबाजी में छह स्वर्ण, आठ रजत और पांच कांस्य समेत 19 पदक जीत लिये हैं । भारतीय जोड़ी को चीन के विश्व चैम्पियन झांग बोवेन और जियांग रेशिन की जोड़ी ने फाइनल 16 . 14 से हराया ।

पुरूषों की 10 मीटर एयर पिस्टल टीम स्पर्धा में अर्जुन सिंह चीमा और शिवा नरवाल के साथ स्वर्ण पदक जीतने वाले सरबजोत भारत को स्वर्ण दिलाने के करीब थे लेकिन दिव्या ने आखिर में कुछ खराब निशाने लगाये जिससे चीन ने बढत बना ली । आखिरी शॉट पर 9.9 लगाने वाले 22 वर्ष के सरबजोत ने कहा ,'' मैं थोड़ा नर्वस था । बहुत ज्यादा दबाव था ।

मैने मैच के पहले और बाद में पेट से सांस लेने का अभ्यास किया ।'' दिव्या ने कहा ,'' हमने अच्छा प्रदर्शन किया । फाइनल्स में अपने प्रदर्शन से मैं खुश हूं । पहले से आखिरी शॉट तक मुझे मजा आया ।'' महिला दस मीटर एयर पिस्टल टीम स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाली दिव्या ने कहा ,'' अगले साल पेरिस ओलंपिक है और मैं क्वालीफाई करने की पूरी कोशिश कर रही हूं । हमारे पास अच्छे कोच हैं जिन्हें मैं धन्यवाद देना चाहती हूं ।'' क्वालीफिकेशन में सरबजोत ने 291 स्कोर किया जबकि दिव्या का स्कोर 286 रहा । दोनों का कुल स्कोर 577 रहा और वे क्वालीफिकेशन में चीन से एक अंक आगे रहे थे लेकिन फाइनल में चीनी जोड़ी ने बाजी मार ली ।

वहीं ट्रैप स्पर्धा के पहले दिन कीनान चेनाई 75 में से 73 स्कोर करके दूसरे स्थान पर है । पुरूषों की व्यक्तिगत ट्रैप स्पर्धा के क्वालीफिकेशन में 25 . 25 शॉट के तीन दौर में जोरावर सिंह संधू 72 स्कोर करके छठे स्थान पर रहे । भारत के पृथ्वीराज टोंडाइमान 70 अंक लेकर 19वें स्थान पर रहे । भारतीय तिकड़ी कुल 215 अंक के साथ कुवैत से दो अंक पीछे दूसरे स्थान पर है । रविवार को 25 . 25 शॉट के दो दौर और खेले जायेंगे जिससे टीम पदक विजेताओं का निर्धारण होगा । क्वालीफिकेशन में शीर्ष छह स्थान पर रहे निशानेबाज फाइनल में जगह बनायेंगे । महिलाओं के व्यक्तिगत ट्रैप में प्रीति रजक छठे, मनीषा कीर 12वें और राजेश्वरी कुमारी 16वें स्थान पर रही । राजेश्वरी के खराब प्रदर्शन से भारत टीम वर्ग में चौथे स्थान पर खिसक गया ।

सुर्तीथा-अयहिका ने इतिहास रचा, महिला युगल के सेमीफाइनल में एंट्री

हांगझोउ। सुर्तीथा मुखर्जी और अयहिका मुखर्जी ने शनिवार को यहां एशियाई खेलों में चेन मेंग और यिदी वांग की चीन की विश्व चैम्पियन जोड़ी को हराकर उलटफेर करते हुए भारत के लिए ऐतिहासिक टेबल टेनिस पदक पक्का किया। क्वार्टरफाइनल में सुर्तीथा और अयहिका ने 11-5, 11-5, 5-11, 11-9 से जीत हासिल की और दुनिया की दूसरे नंबर की जोड़ी के खिलाफ यह जीत इसलिये भी अहम है क्योंकि भारत ने एशियाड में महिला युगल स्पर्धा में कभी भी पदक नहीं जीता है। भारतीय खिलाड़ियों ने अपने से बेहतर प्रतिद्वंद्वियों को शुरू से ही सहज नहीं होने दिया और पहला गेम महज आठ मिनट में जीत लिया। दूसरे गेम में भी भारतीयों ने महज नौ मिनट में जीत दर्ज की जिसें चीन की खिलाड़ियों ने काफी अनफोर्स्ड गलतियां कीं। घरेलू टीम ने वापसी करते हुए तीसर गेम जीता लेकिन सुतीर्था और अयहिका ने एकजुट होकर चौथा गेम जीतकर इतिहास रच दिया। इससे पहले राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता मनिका बत्रा महिला एकल टेबल टेनिस स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर हो गई ।

मनिका को दुनिया की चौथे नंबर की खिलाड़ी चीन की यिडि वांग ने 11 - 8, 10-12, 11-6, 11-4, 12-14, 11-5 से हराया । इसके साथ ही एकल वर्ग में भारतीय चुनौती भी समाप्त हो गई । पुरूष युगल में भारत के मानुष शाह और मानव ठक्कर को दक्षिण कोरिया के वूजिन जांग और जोंगहुन लिम के हाथों 8-11, 11-7, 10-12, 11- , 9-11 से पराजय झेलनी पड़ी । हार के बाद मानुष ने कहा ,'' हमने अच्छा मुकाबला किया और आखिरी सेट 9 - 9 हो गया था । हम जीत के करीब थे लेकिन चूक गए । यहां से सबक लेकर जायेंगे ।''

एशियाड: कोरिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के लिए तैयार है भारतीय महिला हॉकी टीम

हांगझू। 19वें एशियाई खेलों में अपने पहले दो मैचों में शानदार जीत दर्ज करने के बाद भारतीय महिला हॉकी टीम को अपने तीसरे मैच में इस बार कोरियाई पक्ष के खिलाफ एक कठिन चुनौती का सामना करना पड़ेगा। अपने पहले दो मैचों में प्रभावशाली जीत के साथ, भारत अपनी जीत की लय बरकरार रखना चाहेगा, जबकि कोरिया टूर्नामेंट में अपना दबदबा जारी रखने के लिए उत्सुक है। भारत ने अपने शुरुआती मैच में सिंगापुर के खिलाफ 13-0 की शानदार जीत के साथ अपनी श्रेष्ठता का प्रदर्शन किया, इसके बाद शुक्रवार को मलेशिया पर 6-0 की शानदार जीत दर्ज की। दूसरी ओर, कोरिया भी शानदार फॉर्म में है, उसने सिंगापुर के खिलाफ 4-0 से जीत

दर्ज की है और अपने पिछले मैचों में हांगकांग को 7-0 से हराया। जब आमने-सामने की भिड़ंत की बात आती है, तो दोनों पक्षों के बीच खेले गए 19 मैचों में 11 जीत के साथ कोरिया का पलड़ा भारी है। भारत ने छह जीत हासिल की हैं, और दो मैच ड्रॉ पर समाप्त हुए हैं। यह इतिहास आगामी मुकाबले में एक दिलचस्प आयाम जोड़ता है, जिसमें भारत अपने कोरियाई समकक्षों के खिलाफ अपने रिकॉर्ड में सुधार करने के लिए उत्सुक है। भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता ने आगामी चुनौती पर कहा, ₹कोरिया का सामना करना हमेशा कठिन होता है, और इतिहास बताता है कि उनका पलड़ा भारी रहा है। हालांकि, अब हम एक अलग टीम हैं, आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प से भरे हुई हैं। हम मैदान पर अपना सब कुछ देने और अपने देश को गौरवान्वित करने के लिए तैयार हैं। हमारा लक्ष्य अपनी सर्वश्रेष्ठ हॉकी खेलना और जीत हासिल करना है। भारतीय महिला हॉकी टीम की उप कप्तान दीप ग्रेस एक्का ने कहा, ₹टीम इस मैच की तैयारी के लिए अथक प्रयास कर रही है। हम कोरिया की क्षमताओं का सम्मान करते हैं, लेकिन हमें अपनी क्षमताओं पर भी भरोसा है। पहले के खेलों में हमारी जीत ने हमारा मनोबल बढ़ाया है, और हम इस

मीराबाई चानू का अभियान निराशाजनक तरीके से समाप्त, चौथे स्थान पर रहीं

हांगझोउ। भारत की शीर्ष भारोत्तोलक मीराबाई चानू का एशियाई खेलों में अभियान निराशानजक तरीके से समाप्त हुआ जिसमें यह ओलंपिक पदक विजेता शनिवार को महिलाओं की 49 किग्रा स्पर्धा में खुद को चोटिल कर बैठी और चौथे स्थान पर रहीं। स्नैच में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद चानू दबाव में थीं और क्लीन एवं जर्क में 117 किग्रा वजन उठाने की कोशिश कर रही थीं जिससे तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता भारोत्तोलक कांस्य पदक जीत सकती थीं लेकिन दो बार ऐसा करने में विफल रहीं।

अंतिम प्रयास में वह अपनी पीठ के बल गिर गयीं और कोचिंग स्टाफ को उन्हें स्टेज से ले जाना पड़ा। चानू ने कुल 191 किग्रा (83 किग्रा +108 किग्रा) का वजन उठाया जिससे वह चौथे स्थान पर रहीं। उनकी कैबिनेट में सिर्फ एशियाड पदक की कमी है और वह इस बार इसे पूरा करने की कोशिश कर रही थीं। स्नैच वर्ग में उन्होंने 83

किग्रा का वजन उठाकर शुरुआत की लेकिन यह इस वर्ग में उनका एकमात्र वैध प्रयास रहा। वह 86 किग्रा उठाने के दो प्रयासों में विफल रहीं। अंतिम स्नैच में वह 'स्क्वैट पाजीशन' से उठ ही नहीं सकीं और आगे की ओर गिर गयी जिससे 'बार' उनकी पीठ पर गिर गया। स्नैच में चानू छठे स्थान पर रहीं और तीन भारोत्तोलकों ने 90 किग्रा या इससे ज्यादा का वजन उठाया।

दो बार की विश्व चैम्पियन चीन की जियांग हुईहुआ ने स्नैच में सर्वश्रेष्ठ 94 किग्रा का भार उठया जो चानू के प्रयास से 11 किग्रा ज्यादा था और यह खेलों का रिकॉर्ड भी है। चानू को अपने कमजोर स्नैच की भरपायी क्लीन एवं जर्क स्पर्धा में करनी थी जिसमें भी वह अच्छा नहीं कर सकीं। उत्तर कोरिया की रि सूंग गम ने क्लीन एवं जर्क में 124 किग्रा के विश्व रिकॉर्ड से एशियाड खिताब का बचाव किया। उनका कुल वजन 216 किग्रा (92 किग्रा +124 किग्रा) रहा। उन्होंने स्थानीय प्रबल दावेदार हुईहुआ 213 किग्रा (94 किग्रा + 119 किग्रा) को पछाड़ा जिन्होंने रजत पदक जीता। थाईलैंड की थानयाथोन सुकचारो ने 199 किग्रा (90 किग्रा + 109 किग्रा) के वजन से कांस्य पदक हासिल किया।

रक्षा संबंधों को मिलेगी रफ्तार, जयशंकर ने अमेरिकी रक्षा मंत्री से की सार्थक चर्चा

वाशिंगटन। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन से मुलाकात की और रक्षा सामग्री के सह-उत्पादन समेत द्विपक्षीय रक्षा सहयोग मजबूत करने सहित कई मुद्दों पर उनसे सार्थक चर्चा की। दोनों नेताओं के बीच वैश्विक सुरक्षा मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान भी हुआ। जयशंकर ने अमेरिका की वाणिज्य मंत्री जीना रैमंडो से भी मुलाकात की।

पेंटागन (अमेरिका के रक्षा विभाग का मुख्यालय) में शुक्रवार को ऑस्टिन से मुलाकात के बाद जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर कहा कि हमारे द्विपक्षीय रक्षा सहयोग पर सार्थक चर्चा की। वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। ऑस्टिन ने कहा कि मुझे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका-भारत के बीच सहयोग पर चर्चा करने के लिए आज पेंटागन में भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर की मेजबानी करके खुशी हुई। पेंटागन ने बताया कि दोनों नेताओं ने पूर्वी एशिया और हिंद महासागर क्षेत्र में हाल के घटनाक्रम समेत सुरक्षा के कई मुद्दों पर अपने विचार साझा किए।

पेंटागन की उप प्रेस सचिव सबरीना सिंह ने कहा कि ऑस्टिन और जयशंकर ने रक्षा औद्योगिक सहयोग बढ़ाने और रक्षा सामग्री के सह-उत्पादन, परिचालन सहयोग बढ़ाने के लिए सुव्यवस्थित लॉजिस्टिक प्रक्रियाओं समेत द्विपक्षीय रक्षा सहयोग मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की। जयशंकर ने वाणिज्य मंत्री से मुलाकात में इस साल तकनीकी भागीदारी और आर्थिक साझेदारी में अहम प्रगति की सराहना की। उन्होंने कहा कि सहयोग की गति बढ़ाने पर सहमति जताई।

जयशंकर ने एक दिन पहले अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन, व्यापार प्रतिनिधि कैथरीन ताई और विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से मुलाकात की थी।

वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए दुनिया को एक साथ लाने की जरूरत : जयशंकर

वाशिंगटन। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और आर्थिक प्रगति जैसी बड़ी वैश्विक चुनौतियों से अलग रहकर प्रभावी रूप से नहीं निपटा जा सकता तथा विश्व को एक साथ लाना और ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है। जयशंकर ने यहां विश्व संस्कृति महोत्सव में भाग ले रहे हजारों लोगों को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। इस महोत्सव का चौथा संस्करण अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन के ऐतिहासिक नेशनल मॉल में आयोजित किया जा रहा है। अगले तीन दिन में 100 से अधिक देशों के 10 लाख से अधिक लोगों के इस विशाल सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने और 180 से ज्यादा देशों के 17,000 से अधिक कलाकारों की प्रस्तुति देखने की संभावना है। जयशंकर ने 'आर्ट ऑफ लिविंग' को बधाई देते हुए कहा कि वह आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर के मार्गदर्शन में ''हम सभी को एक साथ लेकर आयी है। उन्होंने कहा कि जब 'मैं अपने आसपास देखता हूं' तो यह वैश्विक विचार और अंतरराष्ट्रीय समझ स्पष्ट होती है। उन्होंने कहा कि मानवता सही मायने में एक विविध समूह है और इसे संस्कृति, परंपरा, विरासत और पहचान के जरिए व्यक्त किया जाता है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, आर्थिक प्रगति या सामाजिक कल्याण जैसी बड़ी चुनौतियों से अलग रहकर प्रभावी तरीके से नहीं निपटा जा सकता।' जयशंकर ने कहा कि दुनिया को एक साथ लाना और अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। इस रुख के साथ भारत ने जी20 की अध्यक्षता की जिम्मेदारी संभाली और हमारी थीम : एक पृथ्वी, एक कुटुम्ब और एक भविष्य आज सांस्कृतिक रूप से हमारे सामने बहुत अच्छी तरह से प्रस्तुत है। उन्होंने कहा कि दुनिया अधिक लोकतांत्रिक बन गयी है और उनके बीच परस्पर सम्मान आनुपातिक रूप से बढ़ गए हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि वैश्वीकरण और प्रौद्योगिकी ने हमें बेहतर तरीके से एक-दूसरे को जानने में मदद की है।

युद्धाभ्यास शुरू: मैदान में उतरीं भारत और अमेरिका की सेनाएं

जुनो। अमेरिकी राज्य अलास्का में भारत और अमेरिका की सेनाएं एक साथ युद्ध के मैदान में उतरी तो संयुक्त रणनीतिक विश्लेषण और युद्ध कौशल देखते ही बन रहा था। 8 अक्टूबर तक चलने वाले भारत और अमेरिका के संयुक्त युद्धाभ्यास के दौरान दोनों सेनाओं ने मिलकर अभ्यास किया।

इस अभ्यास का लक्ष्य दोनों सेनाओं की ताकत को बढ़ाना और उनके रिश्ते को मजबूत करना है। अमेरिका और भारत के बीच वार्षिक युद्धाभ्यास के 19वें संस्करण में भारतीय सेना के 350 सैनिकों का दल भाग ले रहा है। भारत की मराठा लाइट इन्फेंट्री रेजिमेंट और अमेरिका की ओर से फर्स्ट ब्रिगेड कॉम्बेट टीम की 1-24 इन्फेंट्री बटालियन ने इस संयुक्त युद्धाभ्यास की थीम 'पर्वत व चरम मौसम के हालात में संयुक्त सैनिक समूह की तैनाती' रखी है। इस दौरान दोनों देशों की सैन्य ड्रिल की श्रेष्ठ पद्धतियों और दृष्टिकोण को एक-दूसरे के सामने रखा जाएगा। सैन्य कौशल, युद्ध से जुड़ी इंजीनियरिंग, लड़ाकू कार्रवाइयों के दौरान बाधाएं हटाने और इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से युद्ध के तौर-तरीके भी आपस में साझा किये जाएंगे। दोनों पक्ष टैक्टिकल ड्रिल की शृंखला का अभ्यास करेंगे।

यह संयुक्त राष्ट्र शांति सेना की कार्रवाइयों में दोनों को साथ तैनात करने में मदद करेगा। अभ्यास के बाद चुने हुए विषयों पर अकादमी चर्चाएं होंगी। अपने अनुभवों और श्रेष्ठ कार्य पद्धतियों के बारे में भी आपस में विस्तृत बातचीत होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह जमीनी युद्धाभ्यास दुश्मन सेना के सामने ब्रिगेड स्तर पर एक मिली-जुली सेना का प्रदर्शन जांचने में मदद करेगा। इससे ब्रिगेड व बटालियन स्तर पर संयुक्त निगरानी प्रणाली की जांच हो सकेगी। इसके अलावा युद्धाभ्यास के दौरान हेलिकॉप्टर या विमानों से सैन्य कार्रवाइयों में सैनिक उतारने व सैन्य ताकत बढ़ाने की क्षमताएं परखी जाएंगी। ऊंचे स्थलों और चरम मौसम के हालात में सैन्य कार्रवाई के दौरान रसद सामग्री की जरूरतों, हताहत सैनिकों के लिए प्रबंधन, बचाव अभियानों, युद्ध के समय चिकित्सा सहायता पहुंचाने व अन्य पहलुओं का भी परीक्षण होगा।

संक्षिप्त खबरें

पाक में एक आतंकवादी मारा गया, एक सैनिक की भी मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में दो सैन्य अभियानों में कम से कम एक आतंकवादी कमांडर मारा गया तथा एक सैनिक की मृत्यु हो गयी। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने शुक्रवार की रात बताया कि सुरक्षा बलों के जवानों गुरुवार रात प्रांत में दो अलग-अलग स्थानों पर आतंकवादी समूहों से मुठभेड़ हुई। आईएसपीआर ने कहा कि सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर मर्दन जिले के कटलांग क्षेत्र में अभियान चलाया और इस दौरान फैसल नामक आतंकवादी मारा गया।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की हालत नाजुक

ढाका। बांग्लादेश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की अध्यक्ष खालिदा जिया की हालत नाजुक है। 78 वर्षीय खालिदा जिया का पिछले 50 दिन से राजधानी ढाका के एवरकेयर अस्पताल में इलाज चल रहा है। उनके स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार नहीं हुआ है। इलाज के लिए परिवार उन्हें विदेश ले जाने की तैयारी में हैं। परिवार ने इसके लिए सरकार से अनुमति मांगी है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स में यह जानकारी दी गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सरकार से अनुमति मिलते ही खालिदा जिया को विदेश ले जाया जाएगा। वह लीवर सिरोसिस बीमारी से जूझ रही हैं। परिवार की इच्छा उन्हें जर्मनी ले जाने की है।

यूक्रेनी इलाकों को रूस में शामिल करने की पुतिन ने मनाई सालगिरह

कीव। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शनिवार को कहा कि एक साल पहले रूस में मिलाए गए यूक्रेन के चार क्षेत्रों ने 'स्वेच्छा से रूस को अपनी पितृभूमि' स्वीकार किया है। यूक्रेन के चार क्षेत्रों का रूस में विलय करने की पहली सालगिरह पर देर रात जारी बयान में पुतिन ने जोर देकर कहा कि उनके देश ने इलाकों को शामिल करने के लिए 'अंतरराष्ट्रीय नियमों का पूरी तरह से पालन किया है।' उन्होंने दावा कि दोनेत्स्क, लुहांस्क, जेपोरीजिया और खेरसॉन के लोगों ने एक बार फिर इस महीने के शुरू में हुए स्थानीय चुनाव में रूस का हिस्सा होने की इच्छा जताई है। रूस के केंद्रीय निर्वाचन आयोग ने बताया कि उक्त चार क्षेत्रों के चुनाव में देश में सत्तारूढ़ पार्टी ने अधिकतर सीट पर जीत दर्ज की है। हालांकि, पश्चिमी देशों ने पिछले साल हुए कथित जनमत संग्रह और इस साल हुए मतदान को अस्वीकार करते हुए उसे शर्मनाक करार दिया है। यूक्रेन के चार क्षेत्रों को रूस में शामिल होने की सालगिरह पर शुक्रवार को मॉस्को के मशहूर रेड स्क्वायर पर 'कंसर्ट' का आयोजन किया गया लेकिन पुतिन ने इसमें हिस्सा नहीं लिया।

अमेरिकी संसद की अनूठी पहल ईसाई पादरी की जगह सिख ग्रंथी की प्रार्थना से शुरू हुई सदन की कार्यवाही

वाशिंगटन। अमेरिकी संसद में एक अनूठी पहल की गयी है। संसद सत्र की कार्यवाही ईसाई पादरी की जगह सिख ग्रंथी की प्रार्थना से शुरू हुई। अमेरिकी संसद के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में हर स्तर के पहले दिन सदन की कार्यवाही औम तौर पर एक ईसाई पादरी द्वारा प्रार्थना के साथ की जाती है। इस बार अमेरिका ने एक ऐतिहासिक कदम उठाया। अमेरिकी संसद सत्र की कार्यवाही की शुरुआत इस बार कुछ अलग तरीके से हुई।

न्यूजर्सी के पाइन हिल गुरुद्वारा के ग्रंथी ज्ञानी जसविंदर सिंह ने प्रार्थना करके सदन की कार्यवाही शुरू की। सदन के अध्यक्ष केविन मैकार्थी ने घोषणा की कि जसविंदर सिंह कार्यवाही शुरू करेंगे। जसविंदर सिंह अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में प्रार्थना करने वाले पहले सिख पादरी हैं। प्रार्थना के तुरंत बाद सदन में प्रवेश करते हुए सांसद डोनाल्ड नॉरक्रॉस ने इसे ऐतिहासिक अवसर बताया। उन्होंने कहा कि आज का दिन इस बात की याद दिलाता है कि अमेरिका धर्म की स्वतंत्र अभिव्यक्ति का स्वागत करता है और उसके मूल्यों को लेकर प्रतिबद्ध रहेगा। सिख समन्वय समिति ईस्ट कोस्ट के मीडिया प्रवक्ता हरजिंदर सिंह ने कहा कि अमेरिकी संसद के इतिहास में आज पहली बार सदन का सत्र सिख प्रार्थना के साथ शुरू हुआ। यह पूरे वैश्विक सिख समुदाय के लिए बहुत खुशी का अवसर है।

एक दिन नहीं, अब सिर्फ डेढ़ घंटे के अंदर भारत को नेपाल से मिल सकेगी 632 मेगावॉट तक बिजली

काठमांडू। भारत के एनर्जी एक्सचेंज ने नेपाल को पहली बार रियल टाइम पर बिजली बेचने की अनुमति दी है। भारत के प्रतिस्पर्धी ऊर्जा बाजार में अब तक डे अहेड यानी एक दिन पहले सूचना देकर नेपाल अपनी बिजली भारत को बेच रहा था लेकिन पहली बार अब रियल टाइम यानी डेढ घंटा पहले की सूचना पर भी बिजली बेचने की अनुमति मिली है, जिससे नेपाली ऊर्जा उत्पादकों में काफी खुशी है।

भारत के ऊर्जा मंत्रालय अन्तर्गत केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण की तरफ से शनिवार को रियल टाइम के आधार पर बिजली बेचने की अनुमति दिए जाने की जानकारी नेपाल विद्युत प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कुलमान घिसिंग ने दी है। उन्होंने बताया कि पहले दिन से ही नेपाल के निजी क्षेत्र और सरकारी उपक्रम के विद्युत उत्पादकों ने बिडिंग में हिस्सा भी लिया है। आज पहले दिन ही नेपाल के दो निजी क्षेत्रों के बिजली उत्पादक कंपनी को रियल टाइम के आधार पर बिजली बेचने के लिए खरीदार भी मिल गया।

घिसिंग ने बताया कि 19.4 मेगावाट क्षमता के लोवर मोदी हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट और 24.25 मेगावाट क्षमता वाले काबेली बी हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट के करीब 44 मेगावाट बिजली बेचने के लिए रियल टाइम मार्केट मिल गया है। विद्युत व्यापार निगम के निदेशक प्रबल अधिकारी ने कहा कि डे अहेड के आधार पर बिजली बेचने का समय आज समाप्त हो रहा था और भारत के तरफ से आज ही डे अहेड के साथ साथ रियल टाइम मार्केट में भी बिजली बेचने की अनुमति मिलना नेपाल के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

नेपाल विद्युत प्राधिकरण आज तक 110 मेगावाट बिजली एनटीपीसी के विद्युत व्यापार निगम को बेच रहा है। प्रबल अधिकारी ने बताया कि कल से इसे भी रियल टाइम में बेचने के लिए प्रतिस्पर्धा की जाएगी। यह बिजली हरियाणा राज्य के लिए बेचे जाने की जानकारी दी गई है। इसके अलावा ढल्केबर मुजफ्फरपुर प्रसारण लाइन से 562 मेगावाट बिजली नियमित बेची जा रही है। नेपाल विद्युत प्राधिकरण ने अगस्त-सितम्बर में भारत को बिजली बेचकर 543 करोड़ रुपये कमा चुका है।

भारी बारिश से न्यूयॉर्क में आई बाढ़, कई इलाके डूबे, इमरजेंसी घोषित

न्यूयॉर्क। भारी बारिश ने न्यूयॉर्क महानगरीय क्षेत्र को चौंका दिया जिससे कई क्षेत्रों में बाढ़ जैसी हालात पैदा हो गए। सड़कें झील बन गए, कई सबवे और कम्यूटर रेल लाइनें बाधित हो गईं, राजमार्गों पर ड्राइवर फंस गए, बेसमेंट में पानी भर गया। दशकों में शहर के सबसे अधिक बारिश वाले दिनों में से एक में उड़ानें भी बाधित हुईं। स्कूल में बच्चों को ऊपरी मंजिल पर भेजना पड़ा। मैनहट्टन, ब्रुकलिन, क्वींस, ब्रोंक्स, स्टेटन द्वीप और लॉन्ग आइलैंड में अचानक बाढ़ की चेतावनी जारी की गई है।

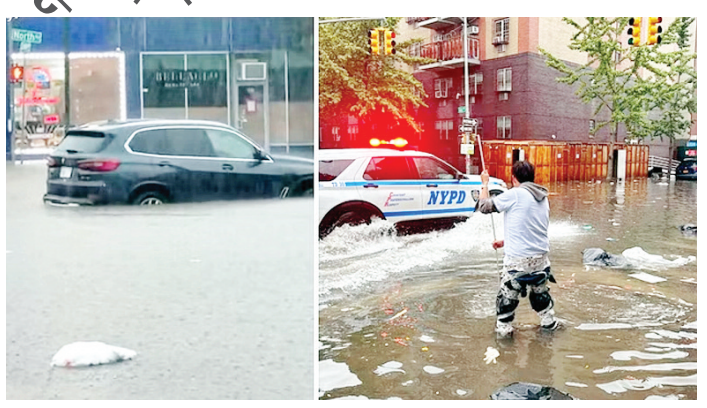

मौसम और शहर के अधिकारियों के अनुसार, दोपहर तक ब्रुकलिन के कुछ हिस्सों में लगभग 7 इंच (18 सेंटीमीटर) बारिश हो चुकी थी, एक घंटे में कम से कम एक स्थान पर 2।5 इंच (6 सेंटीमीटर) बारिश हुई। राष्ट्रीय मौसम सेवा ने कहा कि जॉन एफ कैनेडी हवाई अड्डे पर लगभग 8 इंच (20 सेंटीमीटर) की बारिश ने सितंबर के किसी भी दिन के अपने रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। गर्वनर कैथी होचुल ने आपाताकाल की स्थिति घोषित करते हुए न्यूयॉर्कवासियों से घर पर रहने की अपील की। बेसमेट में रहने वाले लोगों को सबसे खराब स्थिति से निपटने को तैयार रहने के लिए कहा गया।

न्यूयॉर्क शहर के मेयर एरिक एडम्स ने कहा, यदि आप घर पह हैं तो घर ही रहें। अधिकारियों ने कहा कि न्यूयॉर्क के कुछ लोगों को बाढ़ में डूबी कारों और बेसमेंट अपार्टमेंट से बचाया गया है लेकिन कोई गंभीर चोट या मौत नहीं हुई है। मेट्रोपॉलिटिन ट्रांसपोर्टेशन अथॉरिटी ने कहा कि सबवे में केवल बेहद 'सीमित सेवा उपलब्ध' है और एमट्रैक ग्राहकों को न्यूयॉर्क शहर के अंदर और बाहर ट्रेनों में देरी के लिए तैयार रहने के लिए कहा गया है। केंद्रीय उड्डन प्रशासन के मुताबिक लगार्डिया एयरपोर्ट के ईंधन क्षेत्र और आसपास की सड़कों पर पानी भर गया और कम से कम 259 उड़ानें रद्द हुई हैं और जॉन एफ कैनेडी इंटरनेशल एयरपोर्ट पर कम से कम 94 उड़ानें रद्दे हुई हैं।

अमेरिका में शटडाउन का संकट, ठप हो सकता है काम

वाशिंगटन। अमेरिका के सामने एक नया संकट मुंह बाए खड़ा है। अक्टूबर की पहली तारीख से अमेरिका में शट डाउन की संभावना के चलते पूरा कामकाज ठप हो सकता है। शट डाउन टालने के लिए अमेरिकी संसद में पेश तात्कालिक उपायों को मंजूरी न मिलने से स्थितियां खतरनाक मानी जा रही हैं।

दरअसल जब-जब अमेरिकी सरकार की वित्तीय स्थितियों (फंडिंग) को लेकर गतिरोध पैदा होता है, अमेरिका में सरकार के शट डाउन होने की नौबत आ जाती है। पिछले कुछ वर्षों में ऐसी स्थितियां बार-बार आ रही हैं। इन स्थितियों में सारे नेशनल पार्क बंद हो जाते हैं और केंद्रीय सरकार के करीब 40 लाख कर्मचारियों का वेतन रुक जाता है। साथ ही अमेरिका की केंद्रीय सरकार की वित्तीय मदद से चलने वाले वैज्ञानिक शोध कार्यों समेत कई तमाम काम प्रभावित हो जाते हैं। इस बार एक अक्टूबर से शट डाउन का संकट एक बार फिर मुंह बाए खड़ा है। ऐसे में कुछ आपातकालीन सेवाओं को छोड़कर केंद्रीय एजेंसियों से जुड़े ज्यादातर काम रुकने की संभावना जताई जा रही है।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में बाइडेन से 19 अंक आगे निक्की हेली

वाशिंगटन। भारतीय-अमेरिकी पूर्व साउथ कैरोलिना गवर्नर निक्की हेली स्वतंत्र मतदाताओं के बीच व्हाइट हाउस के लिए जो बाडेन को हराने के लिए सर्वश्रेष्ठ रिपब्लिकन उम्मीदवार हैं। यह बात एक नये सर्वेक्षण से सामने आई है।

इस सप्ताह दूसरी रिपब्लिकन बहस से बाहर आने के बाद, हेली ने डेली मेल के लिए जेएल पार्टनर्स के नवीनतम सर्वेक्षण में मौजूदा राष्ट्रपति को दो अंकों 38 प्रतिशत के मुकाबले 40 प्रतिशत से पछाड़ दिया है। 15 से 20 सितंबर तक 1,000 संभावित मतदाताओं के बीच सर्वेक्षण किया गया था।बाइडेन पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डेसेंटिस और दक्षिण कैरोलिना के सीनेटर टिम स्कॉट से एक अंक पीछे थे, लेकिन उद्यमी विवेक रामास्वामी और पूर्व उपराष्ट्रपति माइक पेंस से क्रमशः तीन और आठ अंक आगे रहे। हेली की बढ़त निर्दलीय मतदाताओं में सबसे प्रमुख थी।

डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार, इस समूह में उन्होंने बाइडेन को 19 अंकों से हराया, जो कि रिपब्लिकन पूल में सबसे बड़ा अंतर है। इस महीने की शुरुआत में जारी हार्वर्ड कैप्स-हैरिस पोल सर्वेक्षण में संयुक्त राष्ट्र के पूर्व राजदूत को राष्ट्रपति जो बाइडेन से आगे पाया गया। जब 2024 में हेली और बाइडेन के बीच एक काल्पनिक मुकाबले के बारे में पूछा गया, तो 41 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि वे उनका समर्थन करेंगे, जबकि 37 प्रतिशत ने कहा कि वे वर्तमान राष्ट्रपति का समर्थन करेंगे।

कहा जा रहा है कि बाइडेन की टीम हेली को लेकर चिंतित है। अगस्त में, टीम के करीबी एक वरिष्ठ डेमोक्रेटिक रणनीतिकार ने पोलिटिको को बताया कि अगर वे निक्की हेली को नामांकित करते हैं, तो हम मुश्किल में पड़ जाएंगे।

पोलिटिको अखबार के अनुसार, जिस तरह से वह दौड़ रही है, उस तरह से कोई और नहीं दौड़ रहा है। वह अपने व्यक्तिगत पृष्ठभूमि के मार्मिक अंशों के साथ आप्रवासन पर कड़ी बातचीत को संयमित करती है, 'पहचान की राजनीति' के झोंके के साथ भीड़ को छोड़े बिना अपनी पहचान पर निर्भर रहती है। हिल, एमएसएनबीसी और द वाशिंगटन पोस्ट ने हेली को दूसरे जीओपी का विजेता घोषित किया। इसके बाद हेली कैंपेन ने कहा कि वह अपने विरोधियों की खतरनाक नीतियों की ओर इशारा करने से नहीं कतराती हैं। टिकटॉक के लिए रामास्वामी व चीनी खतरे के प्रति ट्रम्प को आड़े हाथों लिया।

लाइव शो में नवाज-इमरान समर्थक नेताओं में मारपीट

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में लाइव शो के दौरान इमरान खान और नवाज शरीफ के समर्थक नेताओं के बीच मारपीट हो गई। इस घटना के बाद इसका वीडियो वायरल हो गया है। जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान खान के वकील शेर अफजल खान मारवात और पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एन) (पीएमएल-एन) के सीनेटर अफनान उल्लाह खान एक लाइव टीवी शो के दौरान आपस में भिड़ गए। वीडियो में दिखाया गया है कि दोनों के बीच तीखी बहस हो रही है, जिसमें दोनों अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने लगते हैं। इसके बाद मारवत ने अचानक सीनेटर पर हमला कर दिया। पहले तो दोनों ने एक दूसरे को धक्का दिया और बाद में एक-दूसरे से हाथापाई करने लगे। इस भिड़ंत को रोकने के लिए टीवी शो के क्रू ने हस्तक्षेप करना पड़ा और इसके बाद उन दोनों को दूर करना पड़ा।